RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2023-25 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

13 वाँ स्थापना वर्ष

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 2 » जनवरी 2023 » मूल्य : 40 रु.

2023

• HAPPY • NEW • YEAR •

उम्मीदों का नया वर्ष

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल.मकवाना
(प्र.संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर
नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण
श्री प्रवीण सिंह अढायच
(कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री संजय दलेला
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अरुण मिश्रा
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री कमल मकाश्रे
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन.यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 2 » जनवरी 2023 » मूल्य : 40 रु.

13वाँ स्थापना वर्ष

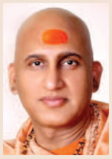

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज
» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी
» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी
» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी
» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)
» विशेष संवाददाता
जबलपुर संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)
» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186
» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com
» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
ए-11, विस्तारा टाउनशिप, मायाखेड़ी बायपास, इंदौर (म.प्र.)

3
सशक्त मंच निर्णायक आवाज

7
नवीनतम अपने आप में सुखद होता है

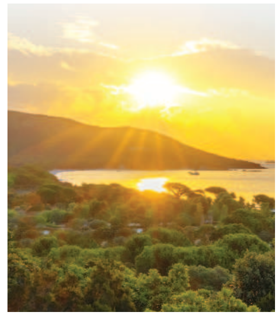

15
1.24 लाख करोड़ का बजट बढ़ाया

23
वैश्विक स्तर पर उभरा मध्यप्रदेश

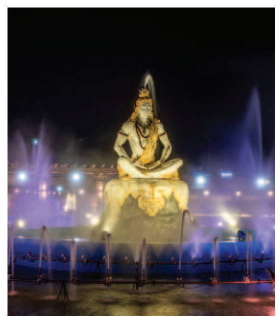

35
गाँव बन रहे आत्मनिर्भर महिलाएँ स्वावलंबी

60
स्टार किड्स की बॉलीवुड में एंट्री

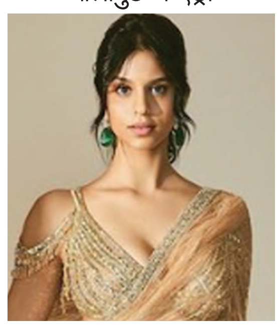

संपादकीय

13वाँ स्थापना वर्ष

नववर्ष की बड़ी सौगात इंदौर को

नववर्ष का आगाज इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से हो रहा है। 10 से 12 जनवरी 2023 तीन दिन शहर में प्रधानमंत्री सहित देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियां पधारेंगीं। इसके साथ ही एन.आर.आई. सम्मेलन भी होगा। देश के सबसे स्वच्छ शहर का चयन पहली बार इतने बड़े आयोजन के लिए किया गया है। शहर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। अतिथियों का मालवा की परंपरा के अनुसार स्वागत करने के लिए मानो पूरा शहर आतुर है। छोटे-बड़े सब अपनी अपनी हैसियत के अनुसार इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं। समिट में पहले दिन जिन विषयों पर चर्चा होगी उनमें कृषि, खाद्य एवं डेयरी प्रसंस्करण भी है। इस सम्मेलन की बदौलत मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश की संभावना है। प्रदेश के विकास पर ही नागरिकों का भी विकास निर्भर है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। खाद्यान्न और डेयरी प्रोडक्ट्स के निर्यात से हमारे किसान भाइयों को भी निश्चय ही लाभ मिलेगा। वर्तमान में प्रदेश शरबती गेहूं और बासमती चावल का निर्यात तो कर ही रहा है। इस सम्मेलन से अन्य उपज के लिए भी निर्यात का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। जैविक खेती में भी प्रदेश अव्वल है। जैविक अनाज की विश्व बाजार में जबरदस्त मांग है और दाम भी अच्छे मिलते हैं। साल 2023 को संयुक्त राष्ट्र ने मिलेट इयर (मोटा अनाज वर्ष) घोषित किया है। मोटे अनाज अर्थात ज्वार, बाजरा, मक्का, कोदो, कुट्टू, रागी की खेती में भारत को महारत हासिल है। प्राचीन भारत में मोटा अनाज ही उपजाया और खाया जाता रहा है। इसकी खेती पर्यावरण हितैषी भी है और मानव हितैषी भी। मानव हितैषी इस मायने में कि इनमें फायबर अधिक होता है और यह सुपाच्य होता है। दुनिया को इसकी उपयोगिता अब समझ में आई है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूरदृष्टा हैं और वे अवसर का लाभ देशहित में लेने में कभी नहीं चूकते। उन्होंने पहले से ही देश में इसकी ब्रांडिंग शुरू कर दी। हाल ही संसद भवन में मोटे अनाज के व्यंजनों की दावत दी गई। साल 2023 में ही मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा के चुनाव भी प्रस्तावित हैं। जाहिर है यह वर्ष हमारे लिए बड़ी गहमागहमी का होगा। बीता वर्ष भी कुल मिलाकर भारत के लिए हितकर ही रहा। कोरोना महामारी को परास्त कर इस वर्ष में हमारी अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी। हमारा पड़ोसी चीन अभी भी कोरोना से जूझ रहा है जबकि हम उससे पार पा चुके हैं। हमारी वैक्सीन भी सफल रही और अब वैज्ञानिकों ने नोजल वैक्सीन भी बना ली है। 2022 में शीतलहर विलंब से शुरू हुई। इस वजह से रबी फसलों का उत्पादन थोड़ा प्रभावित हो सकता है। लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि शीत ऋतु का आरंभ देर से हुआ इसलिए यह देर तक चलेगी। मानसून की वर्षा पर्याप्त होने से हमारे जलाशयों में जल की कमी नहीं है। उम्मीद है साल 2023 भी देश और प्रदेश ही क्यों पूरी दुनिया के लिए सुखदाई रहेगा क्योंकि हमारे सनातन धर्म में तो वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा है। हिंदू नववर्ष तो चैत्र मास से प्रारंभ होगा फिलहाल अंग्रेजी नववर्ष की सभी स्नेहियों को हार्दिक शुभकामनाएं। नववर्ष में भी आपका सहयोग हमारा उत्साह वर्धन करता रहेगा। सबका भला हो।

बृजेश त्रिपाठी

सशक्त मंच, निर्णायक आवाज

सुरेश सेठ

G20 भारत 2023 INDIA

भारत के सामने दुनिया का चेहरा संवारने के लिए समर्पित प्रयास करने का एक बड़ा अवसर आ गया है। वैसे तो पिछले दिनों भारत की कूटनीतिक और आर्थिक तरक्की ने कोरोना महामारी के सबल मुकाबले और रूस तथा अमेरिका के बीच एक स्वस्थ संतुलन साधने से जो उपलब्धि हासिल की, उसका सीधा नतीजा यह निकला है कि आज न केवल दुनिया में सभी गंभीर मसलों पर भारत की राय लेनी जरूरी होती जा रही है, बल्कि भारत इस समय अलग-अलग धरातलों पर दुनिया को बदलने और संवारने के लिए भी जुट गया है।

आज भारत सहित दुनिया के सभी गरीब और विकासशील देश जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अमीर देश उनके साथ कंधा भिड़ाने को तैयार नहीं। वे अपना सौ अरब का पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण के व्यय का वादा भी पूरा करने के लिए तैयार नहीं। देखना होगा कि भारत इन मजबूत और संपन्न देशों का नेतृत्व करते हुए उन्हें इस मंच पर कितना मना पाता है। भारत के सामने दुनिया का चेहरा संवारने के लिए समर्पित प्रयास करने का एक बड़ा अवसर आ गया है। वैसे तो पिछले दिनों भारत की कूटनीतिक और आर्थिक तरक्की ने कोरोना महामारी के सबल मुकाबले और रूस तथा अमेरिका के बीच एक स्वस्थ संतुलन साधने से जो उपलब्धि हासिल की, उसका सीधा नतीजा यह निकला है कि आज न केवल दुनिया में सभी गंभीर मसलों पर भारत की राय लेनी जरूरी होती जा रही है, बल्कि भारत इस समय अलग-अलग धरातलों पर दुनिया को बदलने और संवारने के लिए भी जुट गया है।

आज अगर रूस उसे अपना मान रहा है तो अमेरिका ने भी उसको अपने वृत्त से बाहर नहीं किया है। रूस से हमने पिछले साल दो फीसद की जगह बीस फीसद तक कच्चा तेल खरीदने का अनुपात बढ़ाया, तो दूसरी ओर अमेरिका के साथ भी कई व्यावसायिक और निवेश संबंधी समझौते किए हैं। सबसे बड़ी बात कि सुरक्षा परिषद में भारत का स्थान बना है।

संयुक्त राष्ट्र का यह सशक्त अंग दुनिया के हर संघर्ष, हर झगड़े में निपटारे के लिए आगे आता है। भारत उसका अस्थायी सदस्य है, लेकिन एक महीने के लिए उसे सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने का मौका मिला है। काफी समय से भारत को स्थायी सदस्यता देने की मांग उठ रही है, उसे इस बार रूस का समर्थन भी मिल गया। रूस ने कहा, भारत हर मामले में वैश्विक प्रतिनिधित्व के योग्य है।

इस समय भारत, ब्राजील, जापान और जर्मनी को शामिल करने के लिए पैरवी चल रही है। पंद्रह देशों की इस परिषद के पांच स्थायी सदस्य भारत को स्थायी सदस्य बनाने की वकालत भी कर रहे हैं। यह पैरवी और सशक्त हो गई है, जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली समूह जी-20 की एक साल के लिए अध्यक्षता भारत कर रहा है। वैश्विक जीडीपी में इस समूह की हिस्सेदारी पचासी फीसद है।

विश्व उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी अस्सी फीसद। विश्व व्यापार में इसकी हिस्सेदारी पचहत्तर फीसद और विश्व की पैंसठ फीसद आबादी इसके सदस्य देशों में रहती है। ऐसे सशक्त संगठन की अध्यक्षता भारत कर रहा है और दूसरी ओर दुनिया के बड़े देश उसे सुरक्षा परिषद में स्थायी स्थान देने की मांग कर रहे हैं। निस्संदेह यह भारत के लिए गर्व की बात है।

अभी उदयपुर में जी-20 शेरपा की बैठक भी हो गई। इसमें भारत में पचास शहरों में दो सौ बैठकें आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। अगले साल भारत में इस महत्त्वपूर्ण समूह का एजेंडा बनाना है। अगर भारत अपने कदम सही उठाता है तो निश्चय ही उसकी साख मजबूत होगी। मगर कैसे मजबूत होगी यह साख? दुनिया का हाल तो यह है कि पूरी दुनिया उत्तर, दक्षिण और पूर्व-पश्चिम के खानों में बंटी हुई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को और ज्यादा विभाजित कर दिया है। क्या इस विभाजित तनावग्रस्त दुनिया में भारत एक सेतु बन कर उभर सकेगा? भारत सरकार ने नारा दिया है वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, का। सबका कल्याण और समावेशी विकास ही जी-20 समूह का लक्ष्य होना चाहिए।

भारत एक और नई बात लेकर चला है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक साल भर में जी-20 के दो सौ से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। इसे एक अमीरों का समूह नहीं, जनसमूह बनाते हुए समाज, छात्रों और महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने का प्रयास करने जा रहा है। विश्व के हजारों प्रतिनिधि इस एक साल में भारत आएंगे। इधर सरकार कह रही है कि जनभागीदारी बढ़ाएंगे। जाहिर है, इससे भारत के पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा।

हमारे सकल घरेलू उत्पादन और आय का आकलन बताता है कि पर्यटन और सेवा क्षेत्र से होने वाली आय निरंतर बढ़ रही है। अगर जी-20 के संपन्न देश बदलते भारत से वाबस्ता हो जाते हैं तो निश्चय ही पर्यटन और सेवा क्षेत्र में एक नया विकास होगा। दूसरी बड़ी बात, जो भारत की अध्यक्षता से उम्मीद के रूप में उभरी है, वह यह कि भारत एक विकासशील देश है, यह तीसरी दुनिया के नए उभरते देशों का अगुआ है। अगर इस समय जी-20 की अध्यक्षता निभाते हुए भारत दुनिया को समझौते, शांति, संवाद, अधिनायकवाद के विरोध का, लोकतंत्र के विस्तार का संदेश दे जाता है, तो निश्चय ही वह एक नई दुनिया बनाने में सफल हो सकेगा।

भारत के पास कई संदेश हैं, इस मजबूत मंच से प्रसारित करने के लिए। भारत की विविधता और अनेकता में एकता का संदेश सबको मिले। भारत ने जिस दृढ़ता के साथ कोविड प्रबंधन और महामारी का सामना किया, वह भी एक उदाहरण है और यही नहीं, भारत के करोड़ों पिछड़े और भूखे लोगों को इस महामारी के दौरान खाद्यान्न की आपूर्ति की गई। संकटकाल में भारत ने बहुत

भारत के पास कई संदेश हैं, इस मजबूत मंच से प्रसारित करने के लिए। भारत की विविधता और अनेकता में एकता का संदेश सबको मिले। भारत ने जिस दृढ़ता के साथ कोविड प्रबंधन और महामारी का सामना किया, वह भी एक उदाहरण है और यही नहीं, भारत के करोड़ों पिछड़े और भूखे लोगों को इस महामारी के दौरान खाद्यान्न की आपूर्ति की गई। संकटकाल में भारत ने बहुत उत्तम आर्थिक प्रबंधन किया।

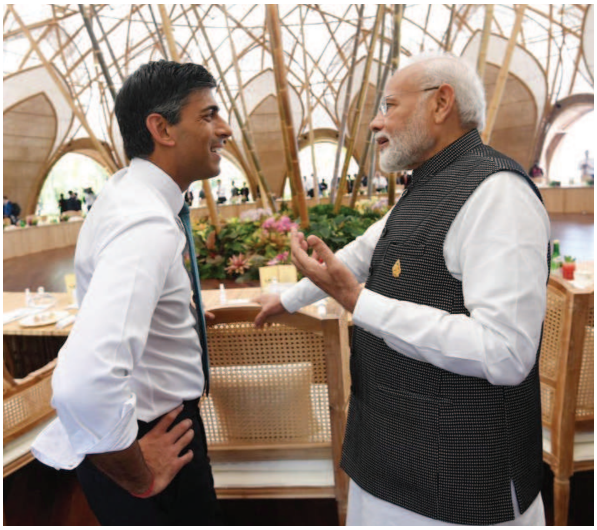

उत्तम आर्थिक प्रबंधन किया।

रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की मजबूत विदेश नीति सामने आई, जिसमें किसी भी पक्ष की ओर अनावश्यक झुकाव नहीं था। केवल संवाद की पैरवी और शांति को आवाज थी। यही वे बातें हैं, जिन्होंने भारत की साख दुनिया में बढ़ाई है और यही बातें हैं, जो जी-20 के मंच से भारत को सबसे कहनी है। निश्चय ही भारत अगर समर्पण के भाव से अपने रास्ते पर चलता है और दुनिया के शक्तिशाली समूह को भी साथ ले चलता है तो विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त है और वैश्विक अवधारणाओं में बदलाव का अवसर मिलेगा।

मगर बीच में कुछ ऐसे धरातल हैं, जहां इस विश्व नेतृत्व के अवसर पर भारत फिसल न जाए। सबसे पहले तो एक विकट फिसलाव जलवायु परिवर्तन की समस्या पर आ सकता है। आज भारत सहित दुनिया के सभी गरीब और विकासशील देश जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अमीर देश उनके साथ कंधा भिड़ाने को तैयार नहीं। वे अपना सौ अरब का पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण के व्यय का वादा भी पूरा करने के लिए तैयार नहीं। देखना होगा कि भारत इन मजबूत और संपन्न देशों का नेतृत्व करते हुए उन्हें इस मंच पर कितना मना पाता है।

दुनिया भर में आज महंगाई और मंदी का माहौल है। सभी देश आर्थिक ह्रास

का सामना कर रहे हैं। एक दिलासाभरा संतोष यह हो सकता है कि भारत ने इनके मुकाबले अपनी विकास दर को ऊंचा रखा है, लेकिन इन विश्वव्यापी समस्याओं का मुकाबला सर्वसमावेशी आर्थिक पहल से ही होगा, आम सहमति से ही होगा। आपाधापी से अलग होकर सर्व जनकल्याण से ही होगा। देखना यह होगा कि भारत इस दिशा में कितना काम कर पाता है और किस तरीके से इस दिशा में चलते हुए विश्व के कल्याण का मार्ग विस्तृत कर सकता है।

बेशक 2008 से ही दुनिया में यह आवाज उठती रही है कि हम अकेले के बजाय साथ मिलकर चलेंगे तो ऐसे पथबंधु आसानी से दुनिया को उसकी मंजिल तक पहुंचा देंगे, लेकिन बीच में आ गए व्यापार युद्ध। एक ओर अमेरिका, दूसरी ओर चीन। फिर छिड़ा रूस और यूक्रेन युद्ध और अब एक ओर ताइवान का मसला, दूसरी ओर चीन द्वारा लद्दाख के बाद अरुणाचल में तनातनी और यों लगता है जैसे दूसरों के इलाकों को हड़पने की कोशिश और इधर भारत जी-20 के मंच से एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के मंत्र के साथ आगे आया है। देखना यह होगा कि यह मंत्र केवल उद्घोष रह जाता है या कि दुनिया के सब देश इसे अपनी दुश्वारियों और अपनी कटु समस्याओं से मुक्ति का मार्ग समझ कर अपना लेते हैं।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

नूतन वर्ष पर समस्त किसान भाइयों का अभिनंदन...

श्री दिनेश जैन (कलेक्टर एवं प्रशासक)	श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)	श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सह.)	श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)	श्री आर.के.दुबे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री शेष नारायण शर्मा (शा.प्र. आगर) श्री नरेन्द्र शर्मा (शा.प्र. तनोड़िया) श्री मनोहरसिंह राठौर (शा.प्र. बड़ोद)
श्री प्रवीण चौधरी (पर्य. आगर) श्री राधेश्याम राठौर (पर्य. तनोड़िया) श्री नारायणसिंह वर्मा (पर्य. बड़ोद)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरवल, जि.आगर
श्री संतोष यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बापचा, जि.आगर
श्री दुलेसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगर, जि.आगर
श्री अशोक कुम्भकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कसाई देहरिया, जि.आगर
श्री धर्मेन्द्र गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढोटी, जि.आगर
श्री श्याम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घुराशिया, जि.आगर
श्री प्रवीण चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपा.हनुमान, जि.आगर
श्री शेखर शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया घाटा, जि.आगर
श्री गंगाराम योगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपा. बैजनाथ, जि.आगर
श्री श्याम कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गंगापुर, जि.आगर
श्री मांगीलाल केसरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालडा, जि.आगर
श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झोंटा, जि.आगर
श्री अ.रज्जाक खान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरनावदा, जि.आगर
श्री अमृतलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुबड़ियाखेड़ी, जि.आगर
श्री गोविंदसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झलारा, जि.आगर
श्री मोहनसिंह तंवर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नेवरीगाता, जि.आगर
श्री नारायणसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलोनकलां, जि.आगर
श्री महेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मलवासा, जि.आगर
श्री राधेश्याम राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तनोड़िया, जि.आगर
श्री संजय कारपेन्टर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़ोद, जि.आगर
श्री शम्भुलाल लबाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लोटिया किशना, जि.आगर
श्री ईश्वरसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मदकोटा, जि.आगर
श्री भेरूलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुदवास, जि.आगर
श्री मांगूसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जामुनिया बड़ोद, जि.आगर
श्री दामोदर प्रसाद पंड्या (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बीजा नगरी, जि.आगर
श्री मोहनलाल विश्वकर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

नवीनतम

अपने आप में ही सुखद होता है

डॉ. विजय अग्रवाल

गीता में भगवान कृष्ण ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण, अत्यंत विचारणीय तथा मनोवैज्ञानिक रूप से औषधीय बात कही है। वे अर्जुन को समझाते हुए कहते हैं कि जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर नये वस्त्र धारण करता है, उसी प्रकार आत्मा पुराने तथा जीर्ण-शीर्ण शरीर को त्यागकर नवीन देह धारण करता है। यदि आत्मा जैसा अविनाशी तत्व नवीनता की आवश्यकता से परे नहीं है, तो फिर इस विनाशी भौतिक शरीर के लिए नयेपन की अनिवार्यता का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। कृष्ण के इस कथन से सुख की प्राप्ति का यह एक सरल-सा सूत्र तो हमारे हाथ आता ही है कि 'नवीनतम अपने आप में ही सुखद होता है।' चूंकि जड़ता से, स्थिरता से ऊब की दुर्गंध उठने लगती है, इसलिए जरूरी है कि चेतन हुआ जाए, गतिशील हुआ जाए। इससे कुछ तो बदलेगा और यह बदलाव सुख देगा। इसी भाव को कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने मां सरस्वती से प्रार्थना करते हुए इन शब्दों में व्यक्त किया है :-

नव गति, नव लय, ताल छंद नव
नवल कंठ नव जलद मंद्र रव
नव नभ के नव विहग वृंद को
नव पर नव स्वर दे।
वर दे वीणा वादिनी वर दे।

हमारे पास इस नवीनता को धारण करने के दो मुख्य उपाय होते हैं। पहला है- दैनिक जीवन में निरंतर उपलब्ध हो रही वस्तुओं एवं घटनाओं में नवीनता का एहसास करना। सूर्य प्रतिदिन निकल रहा है, डूब रहा है। आकाश और धरती स्थायी रूप से फैले हुए हैं। जीवन की न जाने कितनी क्रियाएं और घटनाएं प्रतिदिन एक जैसी ही घटित होती रहती हैं। ये सब हमारे जीवन-काल के सबसे बड़े टुकड़े को घेरे रहती हैं। इन्हें बदलने की अधिक संभावना भी नहीं होती। ऐसे में हम ऐसा कुछ क्या करें कि रोज-रोज के इन बासी पलों में टटकापन भर दें कि ये बासी फूल ताजे होकर महक-महक उठें। इसका उपाय है। आप जानते हैं कि हमारी यह जिंदगी पल-पल बदल रही है, लेकिन यह बदलाव इतना सूक्ष्म होता है कि हमारी पकड़ में नहीं आता। यहां आपको चेतना के स्तर पर बस करना इतना है कि इस परिवर्तन के दर्शन को स्वीकार करके उसे महसूस करना है। सूरज, चांद, सितारे, लोग, काम सब कुछ नया और सुखद लगने लगेगा। क्या आपने गीत गाता चल फिल्म का यह गीत सुना है- मैं वही, दर्पण वही, न जाने ये क्या हो गया कि सब कुछ लागे नया-नया...। कभी न कभी आपको भी इस तरह की प्रतीति अवश्य हुई होगी। यदि आप प्रतिदिन, कभी भी, एक बार भी, एक पल के लिए ही सही, इस तरह के एहसास को ला सकें, तो यह आपके पूरे दिन को सुख की अनुभूति से भर देगा।

अब मैं आता हूं दूसरे उपाय पर। इसके लिए मैं आपके सामने दो स्थितियां प्रस्तुत कर रहा हूं। इन पर विचार करके इनसे जुड़े प्रश्नों के उत्तर ढूंढ़ने की थोड़ी माथापच्ची करें। स्थिति नंबर एक- कुएं में पानी भरा हुआ है। मैं उस कुएं से पानी निकालकर अपने घर में लाया था। अगले दिन जब मैं उसी पानी का इस्तेमाल सुबह पूजा के लिए कर रहा था, तब मेरी दादी ने कहा था 'नहीं, पूजा के लिए कुएं से ताजा पानी लाओ। यह बासी हो गया है।' जबकि कुएं का पानी तो न जाने कितने दिनों का बासी पानी है। ऐसा क्यों? स्थिति नंबर दो- आपके पैर का नंबर 11 है, लेकिन किसी ने आपको जो जूता उपहार में दिया, वह नौ नंबर का है। किंतु है वह बहुत महंगा। पहनने पर वह बुरी तरह से काटता है। अब आप इस जूते का क्या करेंगे?

पहले प्रश्न का उत्तर है कि कुएं का पानी पुराना होने के बावजूद इसलिए हमेशा ताजा बना रहता है, क्योंकि वह अपने मूल स्रोत से जुड़ा रहता है। हमारी संस्कृति हमारी चेतना का मूल स्रोत है। चूंकि लोक मानस इससे जुड़ा रहता है, इसलिए वह हमेशा नये के सुख में रहता है। इस स्रोत से कटा होने के कारण नगरीय जीवन बासी और ऊबा-ऊबा बन गया है। मेरे दूसरे प्रश्न का उत्तर है- 'संकीर्णता'। यदि संकीर्ण जूता किसी के पैर को काट सकता है, तो संकीर्ण सोच के बारे में आपके क्या विचार हैं? हमारा दर्शन 'आ नो भद्रा कृतवो यंतु विश्वतः' का दर्शन रहा है। अच्छे विचार चारों और से आने दो। यदि कमरे में लगातार हवा और रौशनी आती रहेगी, तो कमरे की ताजगी बनी रहेगी। यह बात हमारी चेतना के साथ भी है। आइए, कुछ इसी तरह के प्रयासों के साथ वर्ष 2023 की शुरुआत करते हैं।

नूतन वर्ष की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

नव वर्ष 2023 की सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएँ। सभी सुखी और समृद्ध हों। प्रदेश के सर्वांगीण विकास में हम सभी का सहयोग होना चाहिए। नव वर्ष में नए संकल्पों के साथ कार्य-कुशलता और दक्षता से जन-कल्याण में लगना है।

● **श्री शिवराजसिंह चौहान**
(मुख्यमंत्री)

नूतन वर्ष हर प्रदेशवासी के जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति का उजियाला लाए। सभी नागरिक अपने प्रदेश की प्रगति के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में सहभागी बनें। प्रदेश को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाएँ।

● **श्री गोपाल भार्गव**
(मंत्री : लोक निर्माण, कुटीर तथा ग्रामोद्योग विभाग)

समस्त प्रदेशवासियों को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रदेश में सहकारिता नए आयाम छू रही है। सहकारिता में हो रहे नए-नए क्षेत्रों में नवाचार से अनेक लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और किसानों को 0% ब्याज पर ऋण मिल रहा है।

● **डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया**
(मंत्री, सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन)

नया वर्ष मध्यप्रदेश और देश के भविष्य के नव निर्माण के लिए आशाओं से भरपूर होगा। खुशियों और समृद्धि के नए अवसर नागरिकों को उपलब्ध होंगे। नए साल में प्रकृति को बचाने और संवारने और प्रदेश में जैव विविधता की समृद्धि को बचाने का संकल्प ले और हरियाली की रक्षा करें।

● **श्री कमल पटेल**
(मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग)

नववर्ष में राज्य सरकार आप सब के सहयोग से विकास और तरक्की के लिए लगातार कार्य करती रहेगी। प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत अब तक 205 गाँवों में 143 करोड़ रु. की लागत से काम किया जा चुका है। 2025 तक 65 लाख हेक्टेयर में सिंचाई लक्ष्य रखा गया है। केन-बेतवा लिंक परियोजना से तस्वीर बदलेगी।

● **श्री तुलसीराम सिलावट**
(मंत्री, जल संसाधन तथा मछुआ कल्याण विभाग)

नया वर्ष सभी के लिए शुभ और मंगलमय हो। प्रदेश एवं देश के विकास में सभी लोग अपना पूरा सहयोग दें। समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। हम सभी आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना-अपना तन-मन-धन से सहयोग दें। सभी के जीवन में नई खुशियों का संचार हो।

● **सुश्री उषा ठाकुर**
(मंत्री, पर्यटन एवं आध्यात्मिक विभाग)

कृषकों के हित में 'न भूतो न भविष्यति' वाला वर्ष रहा 2022

कमल पटेल

(मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों के हित में राज्य सरकार ने वर्ष 2022 में अभूतपूर्व निर्णय लिये। ये ऐसे निर्णय रहे, जिनसे किसानों को अप्रत्याशित रूप से दो गुने से ज्यादा लाभ मिला। किसानों का धन और समय बचा, जिसका लाभ उन्हें और उनके परिवार को मिला। हम कह सकते हैं कि किसानों के लिये वर्ष 2022 'न भूतो न भविष्यति' की उक्ति को चरितार्थ करने वाला रहा है। राज्य सरकार को लगातार 7वीं बार 'कृषि कर्मण अवार्ड' के अतिरिक्त कृषि अधोसंरचना निधि के सर्वाधिक उपयोग के लिये 'बेस्ट फरफॉर्मिंग स्टेट', मिलेट मिशन योजना में 'बेस्ट इमर्जिंग स्टेट' और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 'एक्सीलेंस अवार्ड' प्राप्त हुआ।

प्रदेश में वन ग्राम के किसानों को भी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से लाभान्वित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। सरकार ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में शामिल करवा दिया। इससे वनाधिकार पट्टेधारियों की फसलों को क्षति होने पर फसल बीमा योजना का लाभ मिलने लगा। फसल बीमा योजना का ज्यादा से ज्यादा किसान लाभ ले सकें और इसमें अपनी विभिन्न फसलों का बीमा कराने के लिये सरकार ने अधिसूचित फसल क्षेत्र का मापदंड 100 हेक्टेयर के स्थान पर 50 हेक्टेयर किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के 4 हजार रूपये मिला कर प्रदेश के लाखों किसानों को 10 हजार रूपये की सालाना मदद की जा रही है।

प्रदेश में किसानों की ग्रीष्म कालीन मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्णय लिया गया, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हुई। चना, मसूर, सरसों की उपज का उपार्जन, गेहूँ उपार्जन के साथ किया गया। इससे किसानों को लगभग 10 हजार करोड़ रूपये का अतिरिक्त लाभ हुआ। सरकार ने 8 जिलों में तिवड़ा मिश्रित चने का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया। प्रदेश सरकार के 'जितना उत्पादन-उतना उपार्जन' के निर्णय से चने के उपार्जन की क्षमता में वृद्धि हुई और किसानों को 750 करोड़ रूपये का अतिरिक्त लाभ हुआ। इस वर्ष समितियों में एक दिन में किसानों से उपार्जन की अधिकतम सीमा 25 क्विंटल को समाप्त कर दिया गया।

किसानों के हित में परंपरागत फसलों के स्थान पर लाभकारी फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिये फसल विविधीकरण योजना लागू की गई। राज्य में प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में आगे बढ़ाने के लिये भी सरकार प्रतिबद्ध है। प्रत्येक किसान को अपनी कुछ भूमि पर प्राकृतिक खेती के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार ने निर्णय लिया है कि नर्मदा नदी के किनारों पर 4 लाख 45 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जायेगी। एक लाख 86 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने के लिये 60 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। राज्य सरकार ने यह निर्णय भी लिया कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के प्रोत्साहन के लिये सरकार देसी गाय के लालन-पालन के लिये 900 रूपये प्रतिमाह का अनुदान दिया जायेगा।

सरकार ने अमानक बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक विक्रेताओं के विरूद्ध भी इस वर्ष सख्ती से कार्रवाई की। इस वर्ष 136 बीज विक्रेताओं, 120 उर्वरक विक्रेताओं और 14 कीटनाशक विक्रेताओं की अनुज्ञप्तियों को निलंबित और निरस्त करने की कार्यवाही की। बीज, उर्वरक और कीटनाशक के 39 विक्रेताओं के विरूद्ध एफआईआर की कार्रवाई की गई।

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

समस्त किसान भाइयों को नूतन वर्ष की
हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से
श्री मुकेश जैन
(शा.प्र. किला मैदान)
श्री प्रहलाद सिंह
(शा.प्र. गाँधीनगर)
श्री सुरेन्द्रसिंह चौहान
(पर्य. गाँधीनगर)
श्री कमल किशोर मालवीय
(शा.प्र. सांवेर)
श्री माँगीलाल पटेल
(पर्य. सांवेर)
श्री हरीश पाण्डे
(शा.प्र. क्षिप्रा)
श्री सुरेश सोलंकी
(शा.प्र. मांगलिया)
श्री आशाराम राठौर
(पर्य. मांगलिया)

श्री बी.एल.मकवाना
(प्र.संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. निरंजनपुर, जि.इंदौर
श्री नारायण प्रसाद निर्मल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भंवरासला, जि.इंदौर
श्री नारायण प्रसाद निर्मल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ा बांगड़दा, जि.इंदौर
श्री गुलाबसिंह डाबी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिंहासा, जि.इंदौर
श्री सुरेन्द्रसिंह सिसौदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पालाखेड़ी, जि.इंदौर
श्री सुनील शुक्ला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जम्बुर्डी हप्सी, जि.इंदौर
श्री मनोज दुबे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पंचोला, जि.इंदौर
श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोदा, जि.इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुड़ाना, जि.इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दर्जी कराड़िया, जि.इंदौर
श्री जितेन्द्र राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सांवेर, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ोदिया खान, जि.इंदौर
श्री जगदीश सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामोदी, जि.इंदौर
श्री सुरेशचंद्र मांगीलाल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोलसिन्दा, जि.इंदौर
श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुवार्डा हप्पा, जि.इंदौर
श्री कपिल राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गुराण, जि.इंदौर
श्री मिट्ठुलाल कालमा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरलाई, जि.इंदौर
श्री मनीष परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलासिया, जि.इंदौर
श्री लाखनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डकाच्या, जि.इंदौर
श्री माखनलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मांगल्या सड़क, जि.इंदौर
श्री आशाराम राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टोड़ी, जि.इंदौर
श्री अजबसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कदवालीखुर्द, जि.इंदौर
श्री कल्याणसिंह बारोड़ (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

देश-दुनिया की राजनीति में 2022

वर्ष 2022 में देश और दुनिया भर की राजनीति में कई बातें देखने को मिली। देश के 7 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए जिसमें 5 में भाजपा ने अपना परचम लहराया और एक-एक में आप और कांग्रेस की सरकार बनी। आइये जानते हैं राजनीतिक दुनिया की बीते वर्ष की हलचल।

गुजरात

गुजरात में भाजपा नेता भूपेन्द्र पटेल फिर मुख्यमंत्री बने। 2017 में पहली बार विधानसभा का चुनाव उन्होंने लड़ा था।

पिछली बार वे 1.17 लाख वोटों से जीते थे जबकि इस बार 1.92 लाख वोटों से जीते। पहली बार भाजपा ने किसी राज्य में 86 फीसदी सीटें जीती। भाजपा ने 186 में से 156 सीटें जीत ली। यह राज्य के 62 साल के इतिहास में किसी भी पार्टी की सबसे बड़ी जीत थी। गुजरात में लगातार 7वीं बार भाजपा सत्ता में आई। आम आदमी पार्टी को गुजरात में सिर्फ 5 सीटें मिली लेकिन उससे भी कहीं बढ़कर उसे मिला राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा। 'आप' ने यहाँ करीब 13 प्रश वोट शेयर हासिल किया। कांग्रेस सर्वाधिक घाटे में रही। वह 17 सीटों पर ही सिमट गई जबकि पिछली बार से 60 सीटें उसे कम मिलीं।

उत्तरप्रदेश

मार्च में विधानसभा चुनावों में उत्तरप्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने दूसरी बार भाजपा सरकार बनाई। योगी रिकॉर्ड 1 लाख से अधिक वोटों से जीते। किसान आंदोलन के मद्देनजर माना जा रहा था कि भाजपा को नुकसान हो सकता है लेकिन ये मुद्दे बेअसर रहे। कुल 403 सीटों में से भाजपा और सहयोगी दलों ने 273 सीटें जीती। भाजपा ने 41.3 वोट शेयर हासिल किया।

पंजाब

पंजाब में भी इसी साल चुनाव हुए। 'आप' ने यहाँ आपस में ही लड़ रही कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंका। आप को यहाँ 117 में से 92 सीटें मिलीं। राज्य में पहली बार किसी पार्टी को इतनी बड़ी सफलता हाथ लगी। आम आदमी पार्टी के भगवंत मान 16 मार्च को पंजाब के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 48 साल की उम्र में 7 जुलाई को डॉ. गुरप्रीत कौर से विवाह किया।

इसी प्रकार उत्तराखंड में भाजपा के पुष्करसिंह धामी, मणिपुर में भाजपा के एन. बीरेन सिंह, गोआ में भाजपा के प्रमोद सावंत और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के सुखविंदरसिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बने। बिहार में 22 अगस्त को नीतिश कुमार 8वीं बार मुख्यमंत्री बने। 9 अगस्त को एनडीए से नाता तोड़ा और राजद के साथ मिलकर उन्होंने सरकार बनी। इसी प्रकार महाराष्ट्र में शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे 1 जुलाई को मुख्यमंत्री बने। अपने गुट को मूल शिवसेना बताया और भाजपा के सहयोग से उन्होंने सरकार बनाई।

नया पद नई जिम्मेदारी

द्रौपदी मुर्मू देश की पहली ऐसी महिला राष्ट्रपति बनी जिनका जन्म आजादी के बाद हुआ है। साथ ही वे देश की सबसे कम उम्र की राष्ट्रपति हैं। वे 25 जुलाई 2022 को राष्ट्रपति बनीं। इस दिन उनकी उम्र 64 साल 1 महीना और 8 दिन ती। इससे पहले यह रिकॉर्ड नीलम संजीव रेड्डी के नाम था जो 64 साल 2 महीने और 6 दिन की उम्र में राष्ट्रपति बने थे। 11 अगस्त को जगदीप धनकड़ के रूप में देश को पहली बार ओबीसी समुदाय से उपराष्ट्रपति मिला। वे देश के 14वें उपराष्ट्रपति हैं। जगदीप धनकड़ पेशे से वकील रहे हैं। इसके पहले वे पश्चिम बंगाल में राज्यपाल भी रहे हैं।

कांग्रेस की छवि बदलने की लिए भारत जोड़ो यात्रा

कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने 7 सितंबर 2022 से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा में वे 3570 किलोमीटर पैदल चलने वाले हैं। यात्रा 12 राज्यों, 2 केन्द्र शासित प्रदेशों के 113 स्थानों और 65 जिलों से होकर गुजरेगी। यात्रा के जरिए राहुल कांग्रेस पार्टी में नई जान फूंकने और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए जनसमर्थन जुटाने की कोशिश में हैं। यात्रा के दौरान कई हस्तियाँ उनके साथ समय-समय पर शामिल होती रहीं लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के शामिल होने की रही। यात्रा के 29वें दिन 6 अक्टूबर को सोनिया गाँधी भी शामिल हुईं। इस बीच राहुल का माँ के जूते के फीते बाँधने का फोटो बहुत वायरल हुआ। यात्रा अब तक तमिलनाडु, केरल, कार्नटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान से गुजर चुकी है।

इन मुद्दों पर साल भर चली बहस

● **प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक :** 5 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंजाब के दौरे पर थे। यहाँ सड़क के रास्ते जब वे हुसैनी वाला के लिए निकले तो प्रदर्शनकारियों ने एक पुल पर रास्ता रोक लिया। पीएम का काफिला फ्लाईओवर पर 15-20 मिनट तक फँसा रहा। यह स्थान पाकिस्तान की सीमा से सिर्फ 23 कि.मी. दूर था। इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक माना गया। राज्य में चुनाव से पहले हुई इस घटना को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग छिड़क गई।

● **ज्ञानवापी विवाद :** ज्ञानवापी विवाद की शुरुआत पाँच महिलाओं द्वारा वाराणसी सिविल कोर्ट में माँ श्रृंगार गौरी, गणेश, हनुमान और नंदी की पूजा करने की अनुमति के लिए दायर याचिका से हुई। याचिका के अनुसार माँ श्रृंगार गौरी, गणेश, हनुमान और नंदी की मूर्तियाँ ज्ञानवापी मस्जिद में हैं। इस साल 8 अप्रैल को कोर्ट ने केस की सुनवाई के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया। मस्जिद में वीडियोग्राफी कराने का आदेश दिया था। विवाद ने तब और तेजी पकड़ ली जब कोर्ट के आदेश पर मस्जिद के अंदर कराए गए वीडियोग्राफी के फुटेज मीडिया में लीक हो गए।

● **हिजाब विवाद :** विवाद की शुरुआत उडुपी (कर्नाटक) में गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज की गाइड लाइन से हुई। कॉलेज ने लड़कियों के हिजाब पहनकर आने पर रोक लगा दी। जनवरी में मामला कर्नाटक हाईकोर्ट पहुँचा। कोर्ट ने अंतरिम आदेश में धार्मिक पोशाक पहनने पर रोक जारी रखी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा।

● **अग्निवीर योजना :** जून में सरकार ने सेना में शॉर्ट टर्म भर्ती के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा की। इसके विरोध में युवाओं का प्रदर्शन शुरू हो गया। बिहार में तो प्रदर्शनकारियों ने 5 ट्रेनों में आग लगा दी। विरोध बढ़ता देख सरकार ने अग्नि वीर में भर्ती की आयु सीमा 21 से बढ़ाकर 23 कर दी।

दुनिया भर की राजनीति में उथल-पुथल

2022 का साल दुनिया भर में राजनीति के लिहाज से काफी उथल-पुथल भरा रहा। कुल मिलाकर 28 देशों में नई सरकार अस्तित्व में आई।

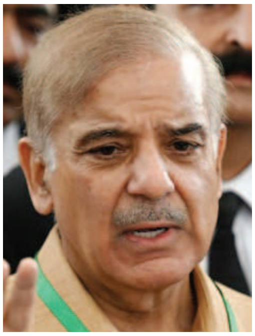

पाकिस्तान : प्रधानमंत्री इमरान खान को 10 अप्रैल को नेशनल असेम्बली में आधी रात को अविश्वास मत के बाद सत्ता से बेदखल कर दिया गया। सत्ता में वापसी के लिए इमरान ने अक्टूबर में लांग मार्च शुरू किया। इस दौरान वजीराबाद में 3 नवंबर को 70 साल के इमरान को हमलावर ने पैरों पर गोली भी मारी। शहबाज शरीफ पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री बने।

इटली : 77 साल के चुनावी अतिहास में पहली बार जार्जिया मेलानी महिला प्रधानमंत्री चुनी गईं। वे समलैंगिकता कानूनों की विरोधी हैं।

हंगरी : 44 साल की नोवाक कैटलिन हंगरी देश व यूरोपीय यूनियन की पहली महिला राष्ट्रपति के तौर पर चुनी गईं।

स्लोवेनिया : नतासा पिरक मुसर पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गईं। वह पेशे से वकील और लेखक हैं।

होंडुरास : होंडुरास में पहली महिला राष्ट्रपति शियोमारा कास्त्रो बनीं। उनके पति मैनुएल जेलया को 2009 में सेना ने सत्ता से बेदखल कर दिया था।

नये साल से 83 लाख को लाभ

मध्यप्रदेश के लिये वर्ष 2022 ऐतिहासिक उपलब्धियों और जन-कल्याण के परिवर्तनकारी प्रयासों से भरपूर रहा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में नागरिक-हितैषी प्रशासन के अंतर्गत किये गये प्रयासों से वर्ष 2022 जन सेवा का वर्ष साबित हुआ। सभी वर्गों का ख्याल रखते हुए अनेक जन हितैषी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से गरीब, किसान, महिलाओं, बेटियों, युवाओं और जनजातीय वर्ग को सीधा लाभ मिला। मध्यप्रदेश को समृद्ध, विकसित और प्रगतिशील राज्य बनाने के लिये अनेक नवाचारी अभियानों की श्रंखला वर्षान्त तक जारी रही। गरीबों को निःशुल्क आवास, पथ विक्रेताओं को बिना ब्याज का ऋण, महिलाओं को स्व-रोजगार के लिये बैंक लिंकेज, किसानों को सम्मान निधि, किसानों को प्राकृतिक खेती के लिये प्रोत्साहित करने, खेती के लिये ड्रोन प्रणाली की शुरूआत, सिंचाई के क्षेत्र में वृद्धि, आँगनवाड़ियों में जन-भागीदारी, औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश, सुशासन से सुराज और लाड़ली लक्ष्मी योजना -2 की लांचिंग 2022 के अहम पड़ाव रहे। स्व-रोजगार के लिये रोजगार मेले, जनजातीय वर्ग के हित में पेसा एक्ट लागू करने और मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान का संचालन ऐतिहासिक निर्णय साबित हुए।

अनूठा रहा 'मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिन 17 सितम्बर से शुरू हुआ 'मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान' 45 दिन चला। इस दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 28 हजार 600 शिविर लगाये गये। इन शिविरों में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया गया। केन्द्र और राज्य सरकार की 38 हितग्राहीमूलक योजनाओं के लिये 83 लाख आवेदन स्वीकृत किये गये। सभी 83 लाख नये हितग्राहियों को नये साल की शुरूआत से ही लाभ मिलना शुरू हो जायेगा। मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान से जन सेवा का जो कार्य हुआ है, वह मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक है। यह मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की निर्धन और कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशीलता रेखांकित करता है।

मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान की अनेक विशेषता रही। इसके तहत लगाये गये शिविरों में आम नागरिकों को सूचना देकर आमंत्रित किया गया। यह पुष्टि भी की गई की शासन की योजनाओं में पात्र होने के बावजूद कौन-कौन से पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ वंचित हैं। ऐसे सभी पात्र हितग्राहियों और परिवार को लाभ दिलाया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान अभियान अवधि के अधिकांश दिनों विकासखंड, ग्राम पंचायत और वार्ड स्तरों के शिविरों में पहुँचे। उन्होंने नागरिकों के बीच योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन की समीक्षा भी की। अभियान में लगे शिविरों की मॉनिटरिंग के साथ दस्तावेजीकरण का कार्य भी किया गया। शिविरों की प्रतिदिन की रिपोर्ट से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने अभियान अवधि में अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहीमूलक योजनाओं में 100 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करने का हर संभव प्रयास किया। इस अभियान को जन-अभियान बना कर जहाँ एक ओर मंत्री-मंडल के सदस्यों सहित पंच-सरपंच और वार्ड पार्षदों को जिम्मेदारियाँ सौंपी, वहीं दूसरी ओर मुख्य सचिव से लेकर कमिश्नर-कलेक्टर और पटवारी स्तर के अमले ने अभियान को सफल बनाते हुए अनूठे परिणाम दिये। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मात्र 45 दिन में 83 लाख पात्र नागरिकों को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जा सका। इन सभी नागरिकों के जीवन में अब नया सवेरा आयेगा।

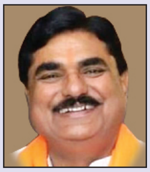

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

नूतन वर्ष पर समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री प्रदीप सोनी (भारसाधक अधिकारी) | **श्रीमती प्रवीण चौधरी** (मंडी सचिव/सहायक संचालक)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति देवास, जि.देवास

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को नूतन वर्ष पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री पुरुषोत्तम कुमार (भारसाधक अधिकारी) | **श्री पन्नालाल भरतुनिया** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खाचरौद, जि.उज्जैन

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को नूतन वर्ष पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री नवीन छलोते (भारसाधक अधिकारी) | **श्री विमल सिंह** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति उन्हेल, जि. उज्जैन

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री ओ.पी.एस. भदौरिया (प्रभारी मंत्री)

नूतन वर्ष पर समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री हिमांशु प्रजापति (भारसाधक अधिकारी) | **श्री आर.के. जैन** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति जावरा, जि.रतलाम

पशुपालन में मॉडल राज्य के रूप में उभरा

राष्ट्रीय योजनाओं में अग्रणी है मध्यप्रदेश

पशुपालन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अनेक राष्ट्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में प्रथम स्थान पर है। अन्य राज्यों के लिए मध्यप्रदेश मॉडल राज्य के रूप में उभरा है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में प्रदेश में 2 करोड़ 92 लाख 51 हजार गौ-भैंस वंशीय पशु पंजीकृत हैं। इन पशुओं को यूआईडी टैग लगा कर इनॉफ पोर्टल पर दर्ज किया गया है, जो देश में सर्वाधिक है।

एफएमडी (मुंहपका खुरपका रोग) टीकाकरण में भी मध्यप्रदेश देश में प्रथम है। प्रदेश में पहले चरण में 2 करोड़ 50 लाख 63 हजार पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। दूसरे चरण में टीकाकरण जारी है। माह नवंबर के प्रथम सप्ताह तक 36 लाख 14 हजार पशुओं का टीकाकरण किया गया।

मध्यप्रदेश ब्रूसेल्ला टीकाकरण में भी देश में शीर्ष पर है। पहले चरण में 4 से 8 माह की 17 लाख 45 हजार गौ-भैंस वंशीय बछियों का टीकाकरण किया गया। दूसरे चरण में 7 नवंबर 2022 तक 39 जिलों के 10 लाख 50 हजार बछियों का टीकाकरण किया जाकर इनॉफ (इंफारमेशन नेटवर्क फॉर एनिमल प्रोडक्टविटी एण्ड हेल्थ) पोर्टल में जानकारी दर्ज की जा चुकी है।

केन्द्र सरकार द्वारा पशुपालन और मत्स्य व्यवसायिक किसानों की कार्यशील पूँजी आवश्यकताओं के लिए किसान क्रेडिट कार्ड सुविधा का विस्तार किया गया है। इसमें भी मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। राष्ट्रव्यापी केसीसी अभियान में 2 दिसम्बर 2022 तक प्रदेश के 2 लाख 5 हजार 70 पशुपालकों को क्रेडिट कार्ड स्वीकृत किये गये हैं। पशुपालकों को जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज अनुदान पर कार्यशील पूँजी के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास कार्यक्रम में बकरी, सूकर, मुर्गी पालन और चरी-चारा के लगभग 1860 से अधिक प्रस्ताव विभाग को ऑनलाइन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 27 प्रकरणों में केन्द्र सरकार से अनुदान राशि प्राप्त हो चुकी है, जो राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक है।

केंद्रीय पशुपालन विभाग की उपलब्धियाँ

कृत्रिम गर्भाधान : राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम सितंबर 2019 में शुरू किया गया था और इस कार्यक्रम के तहत एआई सेवाएं किसानों के घरों पर मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती हैं। राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (एनएआईपी) का चौथा चरण 1 अगस्त 2022 से शुरू किया गया है, जिसमें 50 प्रतिशत से कम एआई कवरेज वाले 604 जिलों में कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से 3.3 करोड़ पशुओं का गर्भाधान किया गया है। इसके तहत, 2 दिसंबर 2022 तक, 4.20 करोड़ पशुओं को कवर किया गया है, एनएआईपी के तहत 5.19 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किए गए तथा इससे 2.78 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (एनडीएलएम) : भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के साथ 'राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन' (एनडीएलएम) नाम से एक डिजिटल कार्यक्रम शुरू किया है। इससे पशुओं की उत्पादकता में सुधार करने, पशुओं एवं मनुष्यों दोनों को प्रभावित करने वाली बीमारियों को नियंत्रित करने, घरेलू व निर्यात दोनों तरह के बाजारों के लिए गुणवत्तापूर्ण पशुधन सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। एनडीएलएम पशुधन क्षेत्र के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र के गठन से संबंधित है। इसकी अवधारणा पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा प्रधानमंत्री के पीएसए कार्यालय के मार्गदर्शन में की गई थी।

नस्ल गुणन फार्म : डेयरी क्षेत्र के लिए उद्यमशीलता को आकर्षित करने के लिए नस्ल गुणन फार्म भी शुरू किया गया है, और साथ ही साथ डेयरी फार्मिंग का एक हब एंड स्पोक मॉडल विकसित करने का अवसर पैदा किया गया है, जहां छोटे और सीमांत डेयरी किसान विश्वसनीय डेयरी सेवाओं के स्थानीय हब की मदद से फल-फूल सकते हैं। देश में न्यूनतम 200 मवेशियों की संख्या के झुंड आकार वाले गौवंश, केवल पहाड़ी राज्यों एवं पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर जहां यह संख्या 50 निर्धारित है, उनके लिए नस्ल गुणन फार्मों की स्थापना के उद्देश्य से निजी उद्यमियों को पूंजीगत लागत (भूमि लागत को छोड़कर) पर 50 प्रतिशत (प्रति फार्म 2 करोड़ रुपये तक) की सब्सिडी प्रदान करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, बैंक ऋण के लिए उद्यमी एएचआईडीएफ योजना के साथ जुड़कर 3 प्रतिशत का ब्याज अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। विभाग ने 2 दिसंबर 2022 तक 28 नस्ल गुणन फार्म की स्थापना के लिए सहयोग दिया है।

पेसा एक्ट से होगा जनजातीय समुदाय का आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में मध्यप्रदेश 15 नवंबर 2022 को उस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना जब मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जनजातीय समुदाय को जल, जंगल और जमीन के अधिकार देने के लिए पेसा एक्ट लागू किया गया। मध्यप्रदेश पेसा एक्ट लागू करने वाला देश का पहला राज्य है।

प्रदेश के 20 जिलों के 89 जनजातीय बहुल विकास खंड में पेसा एक्ट लागू किया गया है। पेसा एक्ट जनजातीय भाई-बहनों की आर्थिक, सामाजिक उन्नति और उन्हें सशक्त एवं अधिकार सम्पन्न बनाने का जरिया बन रहा है। यह एक्ट समाज के सभी नागरिकों के हित में है। किसी भी गैर-जनजातीय समाज के नागरिक के खिलाफ नहीं है। ऐसे जनजातीय भाई-बहन जो विकास की दौड़ में पीछे रह गये थे, पेसा एक्ट उन्हें मजबूत बनायेगा।

पेसा एक्ट के नियमों के अनुसार अब पटवारी और वन विभाग के बीट गार्ड को गाँव की जमीन का नक्शा, खसरा, बी-1 नकल साल में एक बार गाँव में लाकर ग्राम सभा में दिखाना होगा, जिससे जमीन के रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न कर सके। यदि कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो ग्राम सभा को रिकॉर्ड सुधारने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। पटवारी को ग्राम सभा की बैठक में भूमि संबंधी विवरण पढ़ कर भी सुनाना होगा।

पेसा एक्ट में प्रावधान है कि शासन की योजना के किसी भी प्रोजेक्ट में किये जाने वाले सर्वे और भू-अर्जन के लिये ग्राम सभा की अनुमति जरूरी होगी। किसी भी जनजातीय नागरिक की भूमि छल-कपट और बल से अब कोई हड़प नहीं सकेगा। यदि कोई ऐसा करता है, तो ग्राम सभा को उसे वापस करवाने का अधिकार रहेगा। पेसा एक्ट बहला-फुसला कर धर्म बदलवाने और फिर जनजातीय समाज की जमीन हड़प लेने की आशंका को समाप्त करेगा। खनिज की खदान, जिसमें रेत, गिट्टी पत्थर की खदान शामिल है, के ठेके पर देना है या नहीं, इसका फैसला ग्राम सभा करेगी। खदान पर पहला अधिकार सोसायटी, फिर गाँव की बहन-बेटी और उसके बाद पुरुष का होगा।

ग्राम सभा करेगी सिंचाई तालाबों का प्रबंधन

राज्य सरकार ने गाँव-गाँव में तालाब बनवाये हैं। इन तालाबों का पूरा प्रबंधन ग्राम सभा करेगी। ग्राम सभा तय करेगी कि तालाब में मछली पाले या सिंघाड़े की खेती हो। तालाब से जो आमदनी होगी, वह ग्राम सभा को मिलेगी। सौ एकड़ कृषि क्षेत्र में सिंचाई करने वाले तालाब का प्रबंधन अब सिंचाई विभाग नहीं ग्राम सभा करेगी।

वनोपज पर होगा ग्राम सभा का अधिकार

गाँव की सीमा के जंगल में होने वाली वनोपज- महुआ, हर्रा, बहेरा आदि को इकठ्ठा करने और बेचने और भाव तय करने का अधिकार ग्राम सभा के पास होगा। तेन्दूपत्ता को तोड़ने और बेचने का अधिकार ग्राम सभा को दिया गया है। इसमें सरकार का किसी भी प्रकार का दखल नहीं रहेगा। सरकार यह काम तभी करेगी, जब ग्राम सभा चाहेगी।

ग्राम विकास का फैसला भी ग्राम सभा करेगी

ग्राम सभा ही ग्राम विकास की कार्य-योजना बनायेगी। ग्राम सभा की मंजूरी के बाद ही ग्राम पंचायत को मिलने वाली राशि खर्च की जा सकेगी। काम के लिये गाँव से बाहर जाने वाले मजदूरी को पहले ग्राम सभा में यह बताना होगा कि वह कहाँ काम करने जा रहा है, उस स्थान का पता लिखाना होगा, जिससे उस मजदूर के हितों का ध्यान ग्राम सभा रख सके। यदि कोई बाहर

का व्यक्ति गाँव में आता है, तो उसे भी ग्राम सभा को बताना होगा। मजदूरों को पूरी मजदूरी मिले, इसका ध्यान भी ग्राम सभा रखेगी।

जनजातीय क्षेत्रों में केवल लायसेंसधारी साहूकार ही तय ब्याज दर पर पैसा उधार दे सकेंगे। इसकी जानकारी भी ग्राम सभा को देनी होगी। अधिक ब्याज लेने पर संबंधित साहूकार पर कार्यवाही होगी।

ग्राम सभा की मंजूरी के बिना नहीं खुलेगी शराब दुकान

ग्राम सभा की मंजूरी के बिना गाँव में शराब और भांग की नई दुकान नहीं खुल सकेगी। किसी शराब दुकान को हटाने की सिफारिश ग्राम सभा कर सकेगी। यदि शराब की दुकान के पास स्कूल, अस्पताल और धर्मशाला है, तो ग्राम सभा उस शराब दुकान को वहाँ से हटाने की सिफारिश सरकार को कर सकेगी। ग्राम सभा को बिना मंजूरी के खोली गई शराब की दुकानों पर कार्यवाही करवाने का अधिकार रहेगा। ग्राम सभा किसी विशेष दिन को ड्राय डे घोषित करने की सिफारिश कलेक्टर को कर सकेगी।

ग्राम सभा सुलझाएगी छोटे झगड़े

गाँव में शांति एवं विवाद निवारण समिति बनेगी और गाँव के छोटे-मोटे झगड़े थाने नहीं जायेंगे। ऐसे झगड़ों को अब ग्राम सभा में ही सुलझाया जायेगा। गाँव के किसी व्यक्ति के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज करने के पहले पुलिस को ग्राम सभा को बताना होगा।

ग्राम सभा कर सकेगी स्कूल-आँगनवाड़ी का निरीक्षण

पेसा एक्ट ने ग्राम सभा को अधिकार दिया है कि वह आँगनवाड़ी, स्कूल, आश्रम, छात्रावास का निरीक्षण करे और इनके काम ठीक से कराए। इसके साथ ही ग्राम पंचायत में विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के निरीक्षण और सामाजिक अंकेक्षण का अधिकार भी ग्राम सभा के पास होगा।

जनजातीय परंपराओं और संस्कृति का संरक्षण

स्थानीय जनजातीय परंपराओं और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी ग्राम सभाओं की होगी। वे जनजातीय परंपराओं, रूढ़ियों, उनकी सांस्कृतिक पहचान, सामुदायिक संस्थाओं और विवादों के निराकरण की रूढ़ीगत रीतियों को सुरक्षित और संरक्षित करेंगी। ग्राम सभा क्षेत्र में लगने वाले बाजार, मेलों और पशु मेलों का प्रबंधन भी करेंगी।

उपलब्धियों और नवाचारों का वर्ष : 2022

प्रौद्योगिकी से जन-जन को जोड़ने की नई नीति

आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, सामाजिक विकास और सुशासन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार यानि एसटीआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2022 का लोकार्पण किया है। लोकार्पण के साथ ही मध्यप्रदेश अपनी विज्ञान-प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति लागू करने वाला देश का 5वां राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पित नीति के साक्षी भारत सरकार के नीति आयोग के सदस्य, प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार सहित देश के अनेक वैज्ञानिक बने। जन-जन को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवाचारों से जोड़ने में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नीति का उद्देश्य प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर उद्यम एवं नवोन्मेष करने वाले पारिस्थितिकी-तंत्र को विकसित करना है। यह नीति नागरिकों, उद्यमों और सरकार को एक समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए सहयोगी नवाचार करने में सक्षम बनाना है। साथ ही आत्म-निर्भर भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होना है।

नीति की प्राथमिकताएँ-विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पारिस्थितिकी-तंत्र की रचना, अनुसंधान और विकास, क्षमता बढ़ाना एवं कौशल विकास, सुशासन में उपयोग, पारिस्थितिकी तंत्र के लिए डाटा उपलब्ध कराना एवं उत्कृष्ट संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करना है।

पारिस्थितिकी-तंत्र की रचना के लिए शिक्षा के प्रारंभिक चरण से विज्ञान एवं गणित विषय को विद्यार्थियों में लोकप्रिय कर माध्यमिक एवं स्नातक स्तर पर एसटीईएम विषयों का प्रसार बढ़ाने हेतु रोमांचक प्रतियोगिता का आयोजन, जिला स्तरीय युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, नवाचार प्रतियोगिता और चलित विज्ञान प्रदर्शनियों से विद्यार्थियों एवं जन-साधारण को प्रेरित करना है।

नीति में सुशासन में भी विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में बदलाव की सिफारिश की गई है। अभी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, 5जी मोबाईल प्रौद्योगिकी, इंटरनेट ऑफ थीग्स, ब्लाकचेन, ड्रोन, रोबोटिक्स आदि का उपयोग शासकीय और सामाजिक कार्यों में तेजी से बढ़ा है। नीति में इनके अनुप्रयोग की सिफारिश है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार संबंधी यह नीति विभिन्न विभागों के आपसी सामंजस्य एवं सकारात्मक पहल से प्रदेश के चौतरफा सामाजिक-आर्थिक विकास में फलदायी सिद्ध होगी।

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री सुनील माहेश्वरी (शा.प्र. बड़ावदा)
श्री बहादुरसिंह चौहान (पर्य. बड़ावद)
श्री अमृतलाल पाटोदी (शा.प्र. शिवपुर)
श्री नागेश्वर बैरागी (पर्य. शिवपुर)
श्री महेशचंद्र जोशी (शा.प्र. बिलपांक)
श्री प्रहलाद पायल (पर्य. बिलपांक)
श्री देवेन्द्र कुमार जोशी (शा.प्र. बिरमावल)
श्री राजेश चौधरी (पर्य. बिरमावल)
श्री राजु सिलावट (शा.प्र. सैलाना)
श्री प्रेमसिंह रावत (पर्य. सैलाना)
श्री सोमेन्द्रसिंह राठौर (शा.प्र. रावटी)

श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री सुनील सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक कुमार जैन
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़ावदी, जि.रतलाम
श्री बहादुरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बर्डिया गोयल, जि.रतलाम
श्री बहादुरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंदुरकिया, जि.रतलाम
श्री योगेन्द्रसिंह सोनगरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजुरिया, जि.रतलाम
श्री योगेन्द्रसिंह सोनगरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लुनेरा, जि.रतलाम
श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शिवपुर, जि.रतलाम
श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिंगन्या, जि.रतलाम
श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नौगांवा जागीर, जि.रतलाम
श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाटी बड़ोदिया, जि.रतलाम
श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सरवड़ जमुनिया, जि.रतलाम
श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढिकवा, जि.रतलाम
श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिलपांक, जि.रतलाम
श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धराड़, जि.रतलाम
श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. प्रीतमनगर, जि.रतलाम
श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलखुंटा, जि.रतलाम
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिरमावल, जि.रतलाम
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिमलावदा, जि.रतलाम
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सैलाना, जि.रतलाम
श्री प्रेमसिंह रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गराड़, जि.रतलाम
श्री प्रेमसिंह रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांगसी, जि.रतलाम
श्री प्रेमसिंह रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शिवगढ़, जि.रतलाम
श्री संतोष पुरोहित (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सरवन, जि.रतलाम
श्री संतोष पुरोहित (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेड़दा, जि.रतलाम
श्री संतोष पुरोहित (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरथल, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उमर, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रावटी, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

1.24 लाख करोड़ का बजट बढ़ाया

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के लिए 2022-23 में बजट आवंटन बढ़ाकर 1,24,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। खाद्यान्न उत्पादन जनवरी 2022 के 308.65 मिलियन टन से बढ़कर दिसम्बर 2022 में 315.72 मिलियन टन (चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार) हो गया है जो अब तक का सर्वाधिक खाद्यान्न उत्पादन है। तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, बागवानी उत्पादन 2020-21 के दौरान 331.05 मिलियन एमटी था जिसे 2021-22 के दौरान बढ़ाकर 342.33 मिलियन एमटी तक पहुंचा दिया गया। यह भारतीय बागवानी के लिए अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है।

उत्पादन लागत का डेढ़ गुना एमएसपी तय करना

सरकार ने 2018-19 से अखिल भारतीय भारतीय औसत उत्पादन लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत लाभ के साथ सभी अनिवार्य खरीफ, रबी और अन्य वाणिज्यिक फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है। धान (सामान्य) के लिए एमएसपी दिसम्बर, 2022 में 2040 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। गेहूं का एमएसपी बढ़ाकर दिसम्बर, 2022 में 2125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया।

खाद्य तेलों के लिए राष्ट्रीय मिशन ऑयल पाम

एनएमईओ को 11,040 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है। इससे अगले 5 वर्षों में पूर्वोत्तर राज्यों में 3.28 लाख हेक्टेयर और शेष भारत में 3.22 हेक्टेयर के साथ ऑयल पाम वृक्षारोपण के तहत 6.5 लाख हेक्टेयर का अतिरिक्त क्षेत्र आएगा। मिशन का ध्यान मुख्य रूप से उद्योग द्वारा सुनिश्चित खरीद से जुड़े किसानों को एक सरल मूल्य निर्धारण फार्मूले के साथ ताजे फलों के गुच्छों (एफएफबी) की व्यवहार्य कीमतें प्रदान करना है।

किसानों से खरीद में वृद्धि

फसल वर्ष 2020-21 के लिए, सरकार ने अपनी नोडल एजेंसियों के माध्यम से 12,11,619.39 मीट्रिक टन दलहन और तिलहन की खरीद की, जिसका एमएसपी 6,830.18 करोड़ रुपये है, जिससे 7,06,552 किसानों को लाभ हुआ, जबकि वर्ष 2021-22 में 31,08,941.96 मीट्रिक टन दलहन, तिलहन और खोपरा जिसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 17,093.13 करोड़ रुपये था उसने 14,68,699 किसानों को लाभान्वित किया है। इसके अलावा, खरीफ 2021-22 मौसम के तहत जनवरी, 2022 तक खरीदे गए 2,24,282.01 मीट्रिक टन दलहन और तिलहन जिसका एमएसपी 1380.17 करोड़ रुपये था उससे 1,37,788 किसान लाभान्वित हुए जबकि खरीफ 2022-23 खरीद मौसम के तहत दिसम्बर 2022 तक 915.79 करोड़ रुपये मूल्य की एमएसपी पर 1,03,830.50 मीट्रिक टन दलहन, तिलहन और खोपरा की खरीद की गई जिससे 61,339 किसानों को लाभ मिला है।

पीएम किसान के माध्यम से किसानों को आय सहायता

पीएम-किसान योजना 2019 में शुरू की गई थी जो कि किसानों को 6000 रुपये प्रति वर्ष 3 समान किस्तों में प्रदान करने वाली आय सहायता योजना है। पीएम-किसान योजना में, जनवरी, 2022 में 11.74 करोड़ से अधिक किसानों को 1.82 लाख करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि दिसम्बर, 2022 तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसानों को अब तक 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक जारी किए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई)

पीएमएफबीवाई 2016 में किसानों के लिए उच्च प्रीमियम

देश में जैविक खेती को बढ़ावा देना

देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 2015-16 में परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) शुरू की गई। जनवरी, 2022 तक 30934 क्लस्टर बनाए गए और 6.19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया जिससे 15.47 लाख किसान लाभान्वित हुए, जो दिसम्बर, 2022 में बढ़कर 32384 क्लस्टर हो गए जिससे 16.19 लाख किसानों को लाभान्वित करते हुए 6.53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है। इसके अलावा, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत 123620 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है और प्राकृतिक खेती के तहत 4.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और झारखंड में किसान, नदी जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के साथ-साथ किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त करने के लिए गंगा नदी के दोनों किनारों पर जैविक खेती की है।

सरकार ने भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) योजना के माध्यम से स्थायी प्राकृतिक कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित योजना का उद्देश्य खेती की लागत में कटौती करना, किसान की आय में वृद्धि करना और संसाधन संरक्षण और सुरक्षित और स्वस्थ मिट्टी, पर्यावरण और भोजन सुनिश्चित करना है।

दरों और कैपिंग के कारण बीमा राशि में कटौती की समस्याओं को दूर करने के लिए शुरू की गई थी। कार्यान्वयन के बाद से, 29.39 करोड़ आवेदक किसानों का नाम दर्ज किया गया और 9.01 करोड़ (अस्थायी) से अधिक आवेदक किसानों को जनवरी, 2022 तक 1,04,196 करोड़ रुपये से अधिक के दावे प्राप्त हुए, जिनकी संख्या दिसम्बर 2022 में बढ़कर 38 करोड़ नामांकित आवेदक किसानों तक पहुंच गई और आवेदन करने वाले 12.24 करोड़ (अस्थायी) से अधिक किसानों को 1,28,522 करोड़ रुपये से अधिक के दावे प्राप्त हुए।

किसानों द्वारा भुगतान किए गए प्रीमियम के प्रत्येक 100 रुपये के लिए, उन्हें दिसम्बर, 2022 तक दावों के रूप में 484 रुपये प्राप्त हुए। किसानों द्वारा प्रीमियम के हिस्से के रूप में लगभग 25,192 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था, जिसके बदले उन्हें 1,28,522 करोड़ रुपये (अस्थायी) से अधिक के दावों का भुगतान किया गया, इस प्रकार किसान द्वारा किए गए प्रत्येक 100 रुपये के प्रीमियम के भुगतान पर उन्हें दावे के रूप में करीब 510 रुपये मिले हैं।

कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण

कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण जनवरी, 2022 में 16.5 लाख करोड़ रुपये था, जिसे दिसम्बर, 2022 में बढ़ाकर 18.5 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। अल्पकालिक कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज पर केसीसी के माध्यम से रियायती संस्थागत ऋण का लाभ पशुपालन और मत्स्य पालन करने वाले किसानों को भी दिया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सभी पीएम-किसान लाभार्थियों को शामिल करने पर ध्यान देने के साथ रियायती संस्थागत ऋण प्रदान करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है।

किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराना

पोषक तत्वों के अधिकतम उपयोग के लिए वर्ष 2014-15 में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की गई थी। निम्नलिखित संख्या में किसानों को कार्ड जारी किए गए। 2015 से 2017 में 10.74 करोड़, 2017 से 2019 में 11.97 करोड़ एवं आदर्श ग्राम कार्यक्रम (2019-20) में 19.64 लाख किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध करवाए गए। बायोस्टिमुलेंट्स के प्रसार के लिए नियमावली जारी की गई है। उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत नैनो यूरिया को शामिल किया गया है।

एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

एआईएफ की स्थापना के बाद से, जनवरी, 2022 तक, इस योजना ने देश में 16,000 से अधिक परियोजनाओं के लिए 11,891 करोड़ रुपये के कृषि बुनियादी ढांचे को मंजूरी दी, जबकि दिसम्बर, 2022 तक देश में 18,133 से अधिक परियोजनाओं के लिए 13,681 करोड़ रुपये के कृषि बुनियादी ढांचे को मंजूरी दी गई। योजना के समर्थन से, विभिन्न कृषि बुनियादी ढांचों का निर्माण किया गया और कुछ बुनियादी ढांचे पूर्ण होने के अंतिम चरण में है। दिसम्बर, 2022 में 8076 गोदामों, 2788 प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों, 1860 कस्टम हायरिंग केन्द्रों, 937 छँटाई और ग्रेडिंग इकाइयों, 696 कोल्ड स्टोर परियोजनाओं, 163 परख इकाइयों और लगभग 3613 अन्य प्रकार की फसल कटाई के बाद की प्रबंधन परियोजनाओं और सामुदायिक कृषि संपत्तियों तक बढ़ गई।

एफपीओ का प्रसार

नई एफपीओ योजना के तहत जनवरी, 2022 तक कुल 2110 एफपीओ पंजीकृत किए गए थे, जो दिसम्बर, 2022 तक बढ़कर 4016 एफपीओ हो गए। आत्मनिर्भर भारत अभियान के

हिस्से के रूप में 2020 में एक राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) शुरू किया गया है। मधुमक्खी पालन क्षेत्र के लिए 2020-2021 से 2022-2023 की अवधि के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मधुमक्खी पालन क्षेत्र के लिए 70 परियोजनाएं आवंटित की गई हैं। एनबीएचएम के तहत वित्त पोषण के लिए लगभग 118.00 करोड़ रुपये की सहायता से 70 परियोजनाओं को मंजूरी/स्वीकृति दी गई जबकि दिसम्बर, 2022 तक लगभग 139.23 करोड़ रुपये की सहायता से 114 परियोजनाओं को एनबीएचएम के तहत वित्त पोषण के लिए मंजूर/स्वीकृत किया गया है।

प्रति बूंद अधिक फसल

प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) योजना का उद्देश्य सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों यानी ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली के माध्यम से खेतों में पानी के उपयोग की दक्षता को बढ़ाना है। पीडीएमसी योजना के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के तहत जनवरी, 2022 तक 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया जिसे दिसम्बर 2022 में बढ़ाकर 69.55 लाख हेक्टेयर कर दिया गया।

सूक्ष्म सिंचाई कोष

नाबार्ड के साथ 5000 करोड़ रुपये के प्रारंभिक कोष का एक सूक्ष्म सिंचाई कोष बनाया गया है। 2021-22 की बजट घोषणा में, निधि के कोष को बढ़ाकर 10000 करोड़ रुपये किया जाना था। जनवरी, 2022 तक, 12.83 लाख हेक्टेयर में 3970.17 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की मंजूरी दी गई जबकि दिसम्बर, 2022 तक 17.09 लाख हेक्टेयर को कवर करने वाली 4710.96 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

ई-नाम विस्तार प्लेटफार्म की स्थापना

दिसम्बर, 2022 तक, 22 राज्यों और 03 केन्द्र शासित प्रदेशों की 1260 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया गया है, जो जनवरी, 2022 में 18 राज्यों और 03 केंद्र शासित प्रदेशों की 1000 मंडियां थीं। दिसम्बर, 2022 तक ई-नाम प्लेटफॉर्म पर कुल 6.80 करोड़ मीट्रिक टन और 20.05 करोड़ संख्या (बांस, पान के पत्ते, नारियल, नींबू और स्वीट कॉर्न) का सामूहिक रूप से लगभग 2.33 लाख करोड़ रुपये का व्यापार दर्ज किया गया है, जबकि कुल मात्रा 5.37 करोड़ मीट्रिक टन और 12.29 करोड़ संख्या (बांस, सुपारी, नारियल, नींबू और स्वीट कॉर्न) सामूहिक रूप से लगभग 1.72 लाख करोड़ रुपये का व्यापार जनवरी, 2022 में दर्ज किया गया था।

कृषि उपज रसद में सुधार, किसान रेल की शुरूआत

रेल मंत्रालय ने विशेष रूप से खराब होने वाली कृषि बागवानी वस्तुओं को लाने-ले जाने के लिए किसान रेल शुरू की। पहली किसान रेल जुलाई 2020 में शुरू की गई थी। जनवरी, 2022 तक 155 रूटों पर 1900 सेवाएं संचालित की गईं, जिन्हें दिसम्बर, 2022 में 167 रूटों पर बढ़ाकर 2359 सेवाएं कर दिया गया।

कृषि में ड्रोन को बढ़ावा दिया

कृषि का आधुनिकीकरण करने और खेती के कार्यों की नीरसता को कम करने के लिए कृषि यंत्रीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसानों को किराये पर मशीनें और उपकरण उपलब्ध कराने के लिए दिसम्बर, 2022 में 18,824 कस्टम हायरिंग सेंटर, 403 हाई-टेक हब और 16,791 फार्म मशीनरी बैंक काम कर रहे हैं, जबकि जनवरी, 2022 तक 16,007 कस्टम हायरिंग सेंटर, 378 हाई-टेक हब और 16309 कृषि मशीनरी बैंक उपलब्ध थे। चालू वर्ष 2022-23 के दौरान 65302 मशीनों का सब्सिडी पर वितरण करने के लिए, अब तक लगभग 504.43 करोड़ रुपये की राशि 2804 सीएचसी, 12 हाई-टेक हब और 1260 ग्राम स्तरीय फार्म मशीनरी बैंकों की स्थापना के लिए जारी की जा चुकी है।

फसलों की पराली जलाने के कारण वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और एनसीटी दिल्ली की सरकार के प्रयासों में सहयोग करने के लिए, 2018-19 से 2021-22 तक की अवधि के दौरान इन राज्यों को मशीनीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से पराली प्रबंधन के लिए 2440.07 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। चालू वर्ष में, 698.10 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है और राज्यों ने फसलों की पराली के मूल स्थान और बाहर प्रबंधन के लिए 47500 फसल पराली प्रबंधन मशीनों की आपूर्ति करने का लक्ष्य रखा है।

कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकियों के अद्वितीय लाभों को देखते हुए, कीटनाशकों और पोषक तत्वों के छिड़काव में ड्रोन के उपयोग के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) 21.12.2021 को सार्वजनिक की गई, जो ड्रोन के प्रभावी और सुरक्षित संचालन के लिए संक्षिप्त निर्देश प्रदान करती है।

इस तकनीक को किसानों और इस क्षेत्र के अन्य हितधारकों के लिए सस्ती बनाने के लिए, ड्रोन की 100 प्रतिशत लागत की वित्तीय सहायता के साथ-साथ आकस्मिक व्यय को किसान के खेतों पर इसके प्रदर्शन के लिए उप-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन (एसएमएएम) के तहत बढ़ाया गया है।

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री गौतम सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल.मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री राजेन्द्रसिंह कनेश (सहायक आयुक्त एवं बैंक प्रभारी)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री ऋषव गुप्ता (कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री पी.एन.गोडरिया (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एस. पुरी (प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. देवास

वैश्विक स्तर पर उभरा मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश के लिये वर्ष 2022 कई अर्थों में ऐतिहासिक रहा। जन-मानस के स्मृति पटल पर कई घटनाएँ वर्षों तक अंकित रहेंगी। कोविड की चुनौतियों को परास्त करते हुए वर्ष 2022 की शुरूआत से ही मध्यप्रदेश ने नया इतिहास लिखना शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की नींव मजबूत करने की शुरुआत हुई। मध्यप्रदेश के समकालीन सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय इतिहास में ऐसी अभूतपूर्व घटनाएँ 2022 में हुई, जो वैश्विक स्तर पर भी छाई रही।

चीतों की पुनर्स्थापना

पालपुर कूनो राष्ट्रीय उदयान में चीतों की पुनर्स्थापना का सपना सच हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को अपने जन्म-दिन पर पालपुर कूनो में नामीबिया से लाए चीतों को छोड़ा। यह विश्व के वन्य-जीव इतिहास की अनूठी और अभूतपूर्व घटना थी। इससे मध्यप्रदेश को वैश्विक मानचित्र पर गौरवशाली स्थान मिला। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में चीतों की वापसी से अब जैव विविधता की टूटी कड़ी पुनः जुड़ गई है। भारत की प्रकृति प्रेमी चेतना भी पूरी शक्ति से जाग्रत हो गई है। आज भारत की धरती पर चीता लौट आया है। आजादी के अमृत महोत्सव में देश नई ऊर्जा के साथ चीतों के पुनर्वास के लिए जुट गया है। उन्होंने यह भी सीख दी कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण में ही भविष्य सुरक्षित है।

इंदौर के मॉडल ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया

इंदौर में पर्यावरणीय इतिहास का नया अध्याय शुरू हुआ। शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने के इंदौर मॉडल ने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बनेगा। इंदौर के देवगुराड़िया क्षेत्र में कभी कूड़े के पहाड़ थे, अब 100 एकड़ की डंप साइट ग्रीन जोन में परिवर्तित हो गई है। इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट बनने से वेस्ट-टू-वेल्थ तथा सर्कुलर इकोनामी की परिकल्पना साकार हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री ने ग्लासगो जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में वर्ष 2070 तक कार्बन उत्सर्ज को नेट जीरो करने का लक्ष्य दोहराया। इसमें मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में अपना योगदान दे रहा है। लक्ष्य बड़ा है लेकिन शुरूआत उत्साहजनक और ऊर्जा से भरपूर है।

परिवर्तनकारी निर्णय

जनजातीय समुदाय के हित में पेसा कानून लागू करना सरकार का अभूतपूर्व निर्णय है। पेसा एक्ट जनजातीय समाज को सफलता के शिखर पर ले जायेगा। जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा एक्ट लागू होने से जनजातीय समुदाय को जल, जंगल और जमीन का हक मिलेगा। पेसा एक्ट के माध्यम से जनजातीय वर्ग की जिंदगी बदलने का काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसे महा अभियान का स्वरूप दिया है। हर गाँव में समितियाँ बनेगी। इन समितियों में एक तिहाई सदस्य महिलाएँ होंगी। ग्राम सभाओं को अपने गाँव की जल, जंगल और जमीन के उपयोग का पूरा अधिकार होगा। छल-कपट से छीनी गई जमीन पर जनजातीय समाज को दोबारा अधिकार दिलवायेगा। गाँव की रेत, गिट्टी, पत्थर पर पहला हक जनजातीय सहकारी समितियों का होगा।

गौण वन संपदा जैसे अचार की गुठली, महुए का फूल, महुए की गुल्ली, हर्रा, बहेड़ा, बाँस, आंवला, तेन्दूपत्ता आदि को बेचने, बीनने और इनके मूल्य निर्धारण का अधिकार भी अब ग्राम सभा

श्री महाकाल लोक की धूम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' का लोकार्पण भारत के आध्यात्मिक इतिहास की अभूतपूर्व घटना है। प्रधानमंत्री के अनुसार भारत के सांस्कृतिक वैभव की पुनर्स्थापना का लाभ न केवल भारत को अपितु पूरे विश्व एवं समूची मानवता को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने अपने आध्यात्मिक ओजपूर्ण उदबोधन में कहा कि 'श्री महाकाल महालोक' दिव्य है। यहाँ सब कुछ अलौकिक, अविस्मरणीय एवं अविश्वसनीय है। महाकाल की आराधना अन्त से अनन्त की यात्रा है, आनन्द की यात्रा है, इससे काल की रेखाएँ भी मिट जाती हैं। महाकाल लोक आने वाली कई पीढ़ियों को अलौकिक दिव्यता और सांस्कृतिक ऊर्जा की चेतना प्रदान करेगा। उन्होंने इस अद्भुत कार्य के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मन्दिर समिति का अभिनन्दन किया।

के पास होगा। साथ ही ग्राम सभा, अमृत सरोवर और तालाबों का प्रबंधन भी करेगी। तालाबों में सिंघाड़ा उगाने, मछली पालन और मत्स्याखेट की सहमति भी ग्राम सभा देगी।

एक साल में एक लाख पदों पर भर्ती

वर्ष 2022 में प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये मिशन के रूप में कार्य करते हुए आगामी 1 वर्ष में 1 लाख पदों पर भर्ती का बड़ा निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और संत रविदास स्व-रोजगार योजना में विगत एक वर्ष में 31 लाख 19 हजार से अधिक स्व-रोजगार के अवसर सृजित किये गये।

मध्यप्रदेश की तारीफ

छतरपुर में गर्भवती महिलाओं का पंजीयन बढ़ाने के प्रयास को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छतरपुर जिले की बड़ी उपलब्धि और दूसरे जिलों के लिए सीखने योग्य प्रयास बताया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कुपोषण को दूर करने के लिए दतिया ज़िले में चलाए गए 'मेरा बच्चा अभियान' की सफलता पर अभियान की प्रशंसा की। 'मेरा बच्चा अभियान' से न सिर्फ़ आँगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ी बल्कि कुपोषण भी कम हुआ है।

भारत सरकार की जल जीवन मिशन योजना में वित्त वर्ष 2021-22 में केन्द्रांश- राज्यांश की राशि के व्यय में मध्यप्रदेश 2,790 करोड़ की राशि का उपयोग कर प्रथम स्थान पर है। हर घर जल उपलब्ध करवाने में मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर है।

आर्थिक क्षेत्र में भी प्रदेश की उल्लेखनीय सफलता वर्ष 2022 में रेखांकित हुई है। हाल ही में मध्यप्रदेश के प्रवास पर आई केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने भी इसके लिये प्रदेश की सराहना की। वित्तीय और लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन (पीएएम) के क्षेत्र में प्रदेश आगे रहा है। आर्थिक वृद्धि दर 19.74 प्रतिशत रही, जो देश में सर्वाधिक है। प्रदेश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। वित्तीय प्रबंधन में राज्य ने अनेक नवाचार कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये। आत्म-निर्भर भारत में मध्यप्रदेश अपना बेहतर योगदान दे रहा है।

रक्षा क्षेत्र में निवेश की संभावनाएँ

'आत्म-निर्भर भारत' के विजन के साथ आगे बढ़ते हुए राज्य सरकार, प्रदेश में एयरोस्पेस, रक्षा निर्माण और संबंधित सेवा उद्योग स्थापित करने के लिये तत्परता से कार्य कर रही है। यह प्रयास रक्षा क्षेत्र में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के लिए नवाचार करने और विर्निमाण को स्वदेशी बनाने में मदद करेगा। अतुल्य भारत का हृदय स्थल मध्यप्रदेश, देश में एयरोस्पेस और रक्षा उद्योग के लिए एक उभरता हुआ राज्य है। देश के मध्य में स्थित होने से रक्षा उपकरणों के विनिर्माण और वितरण केंद्र स्थापित करने के लिए मध्यप्रदेश आदर्श राज्य है। प्रदेश में मजबूत बुनियादी ढाँचा है और मध्यप्रदो की भारत के सभी हिस्सों से बेहतर कनेक्टिविटी भी है। पिछले एक दशक में, राज्य ने औद्योगिक बुनियादी ढाँचे के विकास, उन्नयन और जल और बिजली की सतत् आपूर्ति सुनिश्चित कर उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण निवेश किया है। इससे प्रमुख उद्योगों में बड़े निवेश के साथ तेजी से औद्योगिक विकास भी हुआ है।

म.प्र. की देश के अन्य राज्य से समीपता

देश की राजधानी नई दिल्ली, ग्वालियर से सिर्फ 4 घंटे की ड्राइव पर है। साथ ही, बुंदेलखंड डिफेंस कॉरिडोर के 2 नोड (उत्तर में आगरा और दक्षिण में झाँसी) ग्वालियर से सिर्फ 100 किमी दूर है। पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण गलियारे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे जैसे प्रमुख गलियारे राज्य से होकर गुजरते हैं। निर्माणाधीन दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, अटल प्रगति पथ और दिल्ली-नागपुर औद्योगिक गलियारा राज्य में मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे यह महत्वपूर्ण रक्षा संबंधी उपकरणों के उत्पादन के लिए तार्किक रूप से व्यवहारिक होगा।

कच्चे माल की प्रचुर उपलब्धता

मध्यप्रदेश में रेयर अर्थ मेटल्स की प्रचुर उपलब्धता है, जो मध्यप्रदेश को एक रणनीतिक कच्चे माल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। रेयर अर्थ एलीमेंट्स (आरईई) का उपयोग लगभग हर उन्नत प्रौद्योगिकी उत्पाद में बड़े पैमाने पर किया जाता है और इसमें वाणिज्यिक, औद्योगिक और सैन्य प्रयोग होते हैं।

विकसित हवाई यातायात सुविधाएँ

वर्तमान में, मध्यप्रदेश में 5 व्यावसायिक हवाई अड्डे संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 25 सरकारी और 3 निजी हवाई पट्टियाँ हैं। राज्य सरकार ने ग्वालियर में ड्रोन स्कूल भी प्रारंभ किया है। जल्द ही 4 ड्रोन स्कूल और स्थापित किए जाएंगे। भोपाल और इंदौर के बीच एक मेगा निवेश क्षेत्र के साथ भारत के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक बनाने की योजना है। इसे एमआरओ के साथ 10 हजार एकड़ भूमि में विकसित किया जाना है। इसमें अन्य सुविधाओं के साथ एक समर्पित कार्गो सुविधा होगी।

रक्षा उपकरण उत्पादन, प्रशिक्षण एवं मेंटेनेंस में अग्रणी

जबलपुर, इटारसी और कटनी जैसे स्थापित रक्षा उत्पादन केंद्रों के साथ मध्यप्रदेश, देश का एक महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण निर्माण स्थल है। जबलपुर, महू, ग्वालियर और सागर में महत्वपूर्ण सैन्य छावनियाँ हैं। राजधानी भोपाल में स्ट्राइक कॉर्प - सुदर्शन चक्र कोर है। ग्वालियर में आईएएफ के नंबर 1, 7, 9 स्क्वाड्रन (विमान प्रकार-मिराज 2000॥) के साथ एक हवाई युद्ध प्रशिक्षण केंद्र- टीएसीडीई (रणनीति और वायु मुकाबला विकास प्रतिष्ठान) है। यहाँ स्थित पीएलआर प्रणाली निजी क्षेत्र की पहली रक्षा इकाई थी जिसे राज्य में निजी निवेशकों के लिए क्षेत्र के खुलने के बाद ग्वालियर में स्थापित किया गया था। प्रदेश में गन केरिज फैक्ट्री और ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में, एक आयुध फैक्ट्री कटनी में और दूसरी इटारसी में है। प्रदेश में पहले से ही एयरोस्पेस और रक्षा उपकरण निर्माण प्रगति पर है। जबलपुर में रक्षा वाहन निर्माण केन्द्र है। इंदौर में वाहन निर्माण की 100 से ज्यादा इकाइयाँ कार्यरत हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 से एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में आएगा निवेश

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023, (राज्य सरकार का प्रमुख निवेश प्रोत्साहन कार्यक्रम) 12 जनवरी को एयरोस्पेस और रक्षा पर एक विषयगत सत्र की मेजबानी करेगा। इस सत्र में राज्य में अवसरों, उद्योग की जरूरतों पर चर्चा होगी। इसमें स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने में मेगा प्लेअर्स और राज्य की भूमिका, एक मजबूत रक्षा और एयरोस्पेस पारिस्थितिकी-तंत्र की स्थापना में निजी क्षेत्र की भूमिका पर विस्तृत संवाद होगा। इससे मध्यप्रदेश में एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में निवेश आने की व्यापक संभावनाएँ है।

सौजन्य से

श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र. कोठरी)
श्री अजबसिंह ठाकुर (पर्य. कोठरी)
श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. आष्टा)
श्री धरमसिंह परमार (पर्य. आष्टा)
श्री उदयसिंह ठाकुर (शा.प्र. जावर)
श्री जितेन्द्र जैन (पर्य. जावर)
श्री पवन दास (शा.प्र. मेहतवाड़ा)
श्री मनोहरसिंह ठाकुर (पर्य. मेहतवाड़ा)
श्री रमेश दायमा (शा.प्र. लाड़कुई)
श्री जनार्दन शर्मा (पर्य. लाड़कुई)

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

नूतन वर्ष पर समस्त कृषक बंधुओं को बधाइयाँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

श्री प्रवीण सिंह अढायच (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री अरुण मिश्रा (उपायुक्त सहकारिता) | श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी. एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर
श्री रामसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गवाखेड़ा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर
श्री रमेश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर
श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर
श्री रूपचंद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खड़ीहाट, जि.सीहोर
श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमूलिया भाटी, जि.सीहोर
श्री देवसिंह जायसवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरा, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर
श्री माँगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुगली, जि.सीहोर
श्री राजाराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर
श्री रामेश्वर विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कजलास, जि.सीहोर
श्री नियाज मोहम्मद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावर, जि.सीहोर
श्री जिनेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुरावर, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरीकलां, जि.सीहोर
श्री जिनेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर
श्री रूपसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ग्वाली, जि.सीहोर
श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर
श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लाड़कुई, जि.सीहोर
श्री जनार्दन शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भादाकुई, जि.सीहोर
श्री मोहनलाल मीना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छिदगाँव मौजी, जि.सीहोर
श्री अशोक मीणा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक है

सहकारी शिक्षा का विकास

ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज आवश्यकता इस बात की है कि ग्रामीण जनमानस के साथ ही सरकार, सहकारी बैंक, सहकारी संस्थाओं व सहकारी प्रशिक्षकों को मिलकर ईमानदारी से पूरे परिश्रम के साथ प्रयत्न करना होगा। तभी हमारे ग्रामों में सहकारी शिक्षा का लाभ दृष्टिगोचर होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता के निरंतर हो रहे विकास के विषय में जब हम विचार करते हैं तो अनेक प्रश्न हमारे समक्ष उपस्थित होते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता का कितना विकास हुआ है और जितना विकास हुआ है उस विकास के संदर्भ में सहकारिता के विषय में ग्रामीण जनमानस को क्या जानकारी है और यह जानकारी उसे कितनी व किस रूप में मिलती है।

उपरोक्त प्रश्नों पर ध्यान देने पर यह बात सामने आती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व अपेक्षा सहकारिता का विकास सराहनीय रूप में दिखाई देता है अर्थात् ग्रामीण क्षेत्रों में दिनोंदिन विभिन्न कार्यों के उद्देश्य से ग्रामीण सहकारी समितियों के हो रहे गठन व उसके द्वारा किए जा रहे क्रियाकलापों की जानकारी जब हमें मिलती है तो स्वाभाविक रूप से हम ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे सहकारी विकास के विषय में अपना संतोष व्यक्त कर देते हैं। यह मूल्यांकन होना आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विभिन्न सहकारी कार्यों की ग्रामीणों को कितनी जानकारी है। सहकारी समितियों की गतिविधियों से होने वाले लाभ सही रूप में उनके पास पहुँच रहे हैं या नहीं ऐसा तो नहीं कि कहीं सहकारी कार्यों से होने वाला लाभ ग्रामीण सहकारिता के कुछ गिने चुने नेताओं तथा कार्यकर्ताओं तक ही सीमित रह गया है।

ग्रामीण सदस्यों को ग्रामीण सहकारी समिति की गतिविधियों के संदर्भ में शिक्षण व विश्लेषण का दायित्व सहकारी प्रशिक्षक का है। प्रशिक्षक सहकारी शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण सहकारी समिति के अन्य सदस्यों व ग्रामवासियों को सहकारी प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें ग्रामीण सहकारी समिति के कार्यों व उनसे होने वाले लाभों के विषय में विस्तृत जानकारी देकर उनमें सहकारिता के प्रति जाग्रति उत्पन्न कर सकते हैं। अगर सभी ग्रामीण सदस्यों को सहकारी समिति से होने वाले लाभों के विषय में विस्तार से बताया जाए और उसके कर्तव्य व दायित्व के प्रति उन्हें सजग किया जाए तो वास्तव में अनेक संतोषजनक परिणाम हमारे सामने आएँगे, क्योंकि जब तक सहकारी समितियों की गतिविधियों व तरीकों से ग्रामीण जन अनभिज्ञ रहेंगे तब तक सहकारिता का विकास व लाभ कुछ लोगों तक ही सीमित रहेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी शिक्षा के संदर्भ में प्रायः यह आम शिकायत सुनने में आती है कि सहकारी प्रशिक्षक जो प्रशिक्षण शिविर ग्रामों में आयोजित करते हैं उनमें सदस्यों की उपस्थिति अत्यधिक कम होती है। कुछ सदस्य कृषि कार्य में व्यस्त रहने के कारण आने में असमर्थता व्यक्त कर देते हैं तो कुछ सदस्य सहकारी शिक्षा की उपयोगिता का समझने की कोशिश ही नहीं करते और सदस्यों की शिक्षा के प्रति रुचि न होने के कारण इन प्रशिक्षण शिविरों को अनुपयोगी समझने लगते हैं। सहकारी शिक्षा के अभाव में उन्हें सहकारी समिति में होने वाले क्रिया-कलापों व लाभों के विषय में उचित जानकारी नहीं मिल पाती ऐसी स्थिति में उनकी यह शिकायत सिर्फ शिकायत ही रह जाती है कि उन्हें सहकारी समिति से कोई लाभ नहीं हुआ। अतः यह आवश्यक है कि ग्रामीण सदस्यों में प्रशिक्षण के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ।

ग्रामीण सदस्यों में रुचि उत्पन्न करने के लिए प्रशिक्षण शिविरों में विभिन्न दृश्य, श्रव्य, साधनों व उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है। सहकारी ध्वज, विभिन्न चार्ट, पोस्टर आदि द्वारा साज-सज्जा के माध्यम से प्रशिक्षण शिविर को आकर्षक बनाया जा सकता है। सदस्यों में रुचि उत्पन्न करने के लिए सहकारी प्रशिक्षक द्वारा अनेक लघु कथाओं का सहारा लिया जा सकता है। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने वाले विभिन्न सहकारी प्रशिक्षकों को ग्रामीण भाषा, ग्रामीण संस्कृति व ग्रामीण सभ्यता का विशेष रूप से अध्ययन करके व उसे अपनाकर शिविरों में ग्रामीण भाषा का उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार वे ग्रामीणों के मन में अपने प्रति आत्मीयता उत्पन्न कर सकेंगे और ग्रामीणों से उन्हें अपेक्षित सहयोग भी मिल सकेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी शिक्षा के दौरान सदस्यों को सहकारी साहित्य भी वितरित किया जा सकता है। और अच्छा हो कि सहकारी साहित्य में व्यापक रूप से सहकारिता से संबंधित विभिन्न चित्रों का भी समावेश हो। इससे कम पढ़े-लिखे लोगों को भी लाभ पहुँच सकता है। इसी के साथ ग्रामीण सदस्यों को अपने-अपने ग्रामों में भविष्य में सहकारिता से संबंधित रोचक एवं आकर्षक कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह भी देते रहना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी शिक्षा को तभी सफल बनाया जा सकता है जबकि उसके लिए विभिन्न सहकारी संस्थाएँ सक्रिय रूप से सहयोग दें। जिले में जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों, जिला सहकारी भूमि विकास बैंकों, विपणन समितियों, उपभोक्ता भंडारों इत्यादि सभी सहकारी संस्थाओं व संगठनों को प्रशिक्षकों को अपेक्षित सहयोग देना चाहिए क्योंकि सहकारी प्रशिक्षक जिले की संपूर्ण सहकारी प्रक्रियाओं का प्रचार-प्रसार करता है। जिनसे सभी सहकारी संस्थाएँ लाभान्वित होती हैं। विभिन्न सहकारी बैंकों व सहकारी संस्थाओं को संबंधित सभी ग्रामीण सहकारी समितियों को प्रशिक्षण में सहयोग देने हेतु आवश्यक निर्देश देने चाहिए। इस संबंध में खंड विकास अधिकारियों द्वारा अपने-अपने ग्राम सेवकों को भी प्रशिक्षण शिविरों में आवश्यक सहयोग देने हेतु निर्देश दिए जाने चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी शिक्षा के दौरान सदस्यों को सहकारी साहित्य भी वितरित किया जा सकता है। और अच्छा हो कि सहकारी साहित्य में व्यापक रूप से सहकारिता से संबंधित विभिन्न चित्रों का भी समावेश हो। इससे कम पढ़े-लिखे लोगों को भी लाभ पहुँच सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज आवश्यकता इस बात की है कि ग्रामीण जनमानस के साथ ही सरकार, सहकारी बैंक, सहकारी संस्थाओं व सहकारी प्रशिक्षकों को मिलकर ईमानदारी से पूरे परिश्रम के साथ प्रयत्न करना होगा। तभी हमारे ग्रामों में सहकारी शिक्षा का लाभ दृष्टिगोचर होगा।

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

तपस्या, कर्म, कर्तव्य बोध हमेशा रहेगा जीवित

नरेंद्र मोदी ने मां हीरा बा की त्याग, तपस्या, कर्म और कर्तव्यबोध की शिक्षा को इस सबसे कठिन लम्हे में भी जी कर मां का जीवित स्वरूप दिखाया है। जिस सादगी के साथ प्रधानमंत्री ने अपनी मां के अंतिम संस्कार की क्रियाओं को संपन्न किया है, उससे कर्तव्यबोध का ऐसा संदेश दिया है, जिसमें भारत का भविष्य और कल्याण सुरक्षित दिखाई पड़ता है।

राजनीति में तो सुख या दुख कोई भी अवसर हो चेहरा दिखाने की होड़ लग जाती है। नरेंद्र मोदी सादगी और कर्तव्यबोध को वरीयता नहीं देते तो आज गांधीनगर में भारत के राजनेताओं का जमावड़ा लगा होता। बीजेपी के ही इतने मुख्यमंत्री मंत्री और नेता हैं कि वहां राज्यों के स्टेट प्लेन खड़े करने की जगह नहीं बचती।

ऐसे अवसर पर पक्ष के साथ विपक्ष के लोग भी संवेदना व्यक्त करने पहुंचते, इसमें कोई संशय नहीं है। नरेंद्र मोदी और मोदी परिवार ने दुख की घड़ी में यही संदेश दिया कि जो जहां है वहीं मां की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करे लेकिन अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम भी संपादित करे। जिसका जो भी कर्तव्य है उसको पूरा करे। कोई भी काम छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। कर्तव्य के प्रति समर्पण की यह मिसाल भारत में ही देखी जा सकती है। वैसे तो कई बार ऐसा देखा गया है कि जब इतने बड़े व्यक्तित्व के परिवार में ऐसी कोई संकट की स्थिति होती है तो यह बहुत बड़ा इवेंट हो जाता है। इसमें बुरा क्या है? अच्छा क्या है? इस पर बहुत अधिक विचार करने से ज्यादा जरूरी यह है कि कौन अपने कर्तव्य को इस सादगी और समर्पण के साथ निभाने की क्षमता रखता है।

नरेंद्र मोदी की अपनी माता जी के साथ जो बॉन्डिंग थी, वह अक्सर दिखाई पड़ती थी। मोदी बचपन से ही समाज सेवा के लिए अपना घर परिवार छोड़ चुके थे। उन्होंने अपना सब कुछ समाज के लिए समर्पित कर दिया था लेकिन मां के साथ उनका सतत और सहज संपर्क बना हुआ था। नरेंद्र मोदी ने मां को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ट्वीट में लिखा है- 'शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम... मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है।' पीएम ने एक और ट्वीट में लिखा- 'मैं जब उनसे 100वे जन्मदिन पर मिला तो उन्होंने एक बात कही थी, जो हमेशा याद रहती है. गुजराती में मां ने कहा था -काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से'।

मोदी ने मां को याद करते हुए जिन शब्दों का उपयोग किया है, उनमें तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्म योगी और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को मां का प्रतीक बताया है। भारत ने नरेंद्र मोदी की मां के बारे में तो थोड़ा बहुत ही जाना है लेकिन उनकी छाया के रूप में मोदी भारत के प्रतीक बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और उसके बाद भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और सादगी भरा उनका जीवन भारत के लिए संदेश बन गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कहा जाता है कि वह कभी अवकाश नहीं लेते, हमेशा कर्म के लिए समर्पित रहते हैं। मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता मोदी के फैसलों और उनके कामकाज के तरीकों में साफ-साफ देखी जा सकती है। मां का जिक्र करते हुए उनके कठिनाईपूर्ण जीवन और परिवार पालने के लिए किए गए संघर्ष पर कई बार भावुक होते हुए भी मोदी को देखा गया है।

हीरा बा का नाम ही ऐसी मूल्यवान धातु से जुड़ा है जिसको लोग गले से लगाने में जीवन खपा देते हैं लेकिन उन्होंने संस्कार, कर्तव्यबोध, सादगी और समर्पण का हीरा न केवल स्वयं अपने गले से लगाया बल्कि भारत को भी ऐसे ही हीरे को अपनाने और उसी रास्ते पर चलने का मार्ग दिखाया है। हीरा बा का नरेंद्र भारत का हीरा बनकर चमक रहा है। कर्तव्यपथ के इसी भाव का हीरा अगर प्रत्येक भारतीय अपने गले लगाएगा तो भविष्य का भारत दुनिया का सिरमौर बनकर ही रहेगा। मां के अंतिम संस्कार के बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए करने का नैतिक और आत्मबल 'हीरा बल' ही हो सकता है।

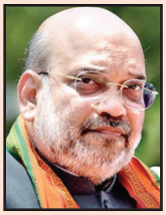

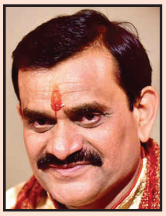

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री ऋषव गुप्ता
(कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन.गोडरिया
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री पी.एस. पुरी
(प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से

श्रीमती निर्मला सिंह (शा.प्र. स्टेशन रोड)
श्री सुरेन्द्र सिंह मकवाना (पर्य. स्टेशन रोड)

श्री सुरेशचंद्र गुजराती (शा.प्र. मंडी प्रांगण)
श्री दिलीप नागर (पर्य. मंडी प्रांगण)

श्री कमलसिंह झोरड़ (शा.प्र. बरोठा)
श्री मदनलाल चौधरी (पर्य. बरोठा)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवास, जि.देवास श्री भगवानसिंह गोयल (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. मुकुन्दखेड़ी, जि.देवास** श्री मोहनसिंह चौहान (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. भानगढ़, जि.देवास** श्री रफीक पठान (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. नागदा, जि.देवास श्री सुरेन्द्रसिंह मकवाना (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. निपानिया, जि.देवास** श्री भगवानसिंह गोयल (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरोठा, जि.देवास** श्री राजेन्द्र सिंह चावड़ा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. क्षिप्रा, जि.देवास श्री श्याम पटेल (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. भड़ा पिपल्या, जि.देवास** श्री सुरेन्द्र सिंह मकवाणा (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिरोल्या, जि.देवास** श्री मदनलाल गुप्ता (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बांगर, जि.देवास श्री संजय दुबे (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बिलावली, जि.देवास** श्री दिलीप नागर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. खोकरिया, जि.देवास** श्री नरहरिसिंह राजपूत (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बिजेपुर, जि.देवास श्री भगवानसिंह गोयल (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. खटाम्बा, जि.देवास** श्री धरमसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. कैलोद, जि.देवास** श्री बनेसिंह देवड़ा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बैरागड़, जि.देवास श्री भगवानसिंह गोयल (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोदा, जि.देवास** श्री दिलपी नागर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. पटाड़ी, जि.देवास** श्री मदनलाल चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. लोहारी, जि.देवास श्री संजय दुबे (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. नापाखेड़ी, जि.देवास** श्री मुकेश मकवाणा (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. सन्नोड़, जि.देवास** श्री विष्णुप्रसाद मुकाती (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

शीतलहर-पाले से फसल सुरक्षा

पाले के कारण रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। किसान बंधु यहाँ पर वर्णित किसी भी विधि का उपयोग अपनी सुविधा अनुसार कर पाले से फसल का बचाव कर सकता है।

पाला रबी के मौसम में किसानों की एक प्रमुख समस्या होती है। इस ऋतु में तापमान कम होने के साथ-साथ जैसे ही ठंड बढ़ती है और तापमान कम होते- होते जमाव बिन्दु तक आ जाता है तो वातावरण में पाले की स्थिति बनने लगती है, इसे कोहरा भी कहा जाता है। इसके कारण प्रतिवर्ष रबी में फसल उत्पादकता के साथ-साथ सब्जी उत्पादक को भी भारी नुकसान पहुंचता है। इसके प्रभाव से फसलों एवं सब्जियों के फूल मुरझा जाते हैं और झड़ने लगते हैं। इसके कारण उनमे दाने नहीं बन पाते एवं चपटे होकर काले पड़ जाते हैं। प्रभावित फसल का हरा रंग समाप्त हो जाता है तथा पत्तियों का रंग मिट्टी के रंग जैसा दिखने लगता है। ऐसे में पौधों के पत्ते सडने से बैक्टीरिया जनित बीमारियों एवं अन्य कीटों का प्रकोप अधिक बढ़ जाता है। पत्ती, फूल एवं फल सूख जाते हैं। फल के ऊपर धब्बे पड़ जाते हैं व स्वाद भी खराब हो जाता है। फलदार पौधे पपीता, आम आदि में इसका प्रभाव अधिक पाया गया है।

● पाले से बचाव एवं सुरक्षा के लिए पाले का पूर्वानुमान लगाना अत्यधिक आवश्यक होता है। प्रायः पाला पडने की संभावना उस रात में ज्यादा रहती है जब ये स्थितियां बनती हैं-

● जब दिन के समय ठंड अत्यधिक हो परंतु आकाश साफ हो।

● भूमि के निकट का तापमान शून्य डिग्री सेंटीग्रेड अथवा और कम हो।

● शाम के समय हवा अचानक रुक जाए एवं हवा में नमी की अत्यधिक कमी हो।

सुरक्षा के उपाय

खेत की सिंचाई की जाए : यदि पाला पडने की संभावना हो या मानसून विभाग से पाला पडने की चेतावनी दी गई हो तो फसलों की हल्की सिंचाई करें जिससे खेत के तापमान में 0.5 से 2 डिग्री से.ग्रे. तक वृद्धि हो जाएगी इससे फसलों को पाले से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है।

पौधों को ढकें : पाले से सर्वाधिक नुकसान नर्सरी में होता है। नर्सरी में पौधों को प्लास्टिक की चादर, पुआल आदि से ढंक दें ऐसा करने से प्लास्टिक के अन्दर का तापमान 2-3 डिग्री से. ग्रे. तक बढ़ जाता है जिससे तापमान जमाव बिन्दु तक नहीं पहुंच पाता और पौधा पाले से बच जाता है। पौधों को ढकते समय इस बात का ध्यान रखें कि पौधे का दक्षिण-पूर्वी भाग खुला रहे ताकि उन्हे सुबह और दोपहर को धूप मिलती रहे।

खेत के पास धुआँ करना : फसल को पाले से बचाने के लिए खेत के किनारे धुआँ करने से तापमान में वृद्धि होती है जिससे पाले से होने वाली हानि से बचा जा सकता है।

रस्सी द्वारा : पाले के समय रस्सी का उपयोग करना काफी प्रभावी रहता है, इसके लिए दो व्यक्ति सुबह के समय (भोर में) एक रस्सी को उसके दोनों सिरों में पकडक़र खेत के एक कोने से दूसरे कोने तक फसल को हिलाते हैं, जिससे फसल पर पड़ी हुई ओस नीचे गिर जाती है और फसल सुरक्षित हो जाती है ।

पाले से बचाव के दीर्घकालीन उपाय

फसलों को पाले से बचाने के लिए खेत के उत्तर-पश्चिम मेड़ पर तथा बीच-बीच में उचित स्थान पर वायु रोधक पेड़ जैसे- शीशम, बबूल, खेजड़ी, आड़ू, शहतूत, आम तथा जामुन आदि के लगाए जाएं तो सर्दियों में पाले व ठण्डी हवा के झोकों के साथ ही गर्मी में लू से भी बचाव हो सकता है।

गुनगुने पानी का छिडक़ाव : प्रातः काल फसल पर हल्के गुनगुने पानी का छिडक़ाव हो सकता है, छोटी नर्सरी या बगीचे में इस तकनीक का उपयोग सरलता से किया जा सकता है।

वायुरोधी टाटिया का उपयोग : नर्सरी में तैयार हो रहे पौधों को पाले से ज्यादा नुकसान होता है अतः वायुरोधी टाटिया को नर्सरी में हवा आने वाली दिशा की तरफ से बांधकर क्यारियों के किनारों पर लगाएं तथा दिन में हटा दें।

अतः देखा जा सकता है कि पाले के कारण रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। किसान बंधु ऊपर वर्णित किसी भी विधि का उपयोग अपनी सुविधा अनुसार कर पाले से फसल का बचाव कर सकता है।

सरसों को पाले से बचाएं

जिस तरह से फसलों के उगाने में परिवर्तन आया है और सरसों की फसल ने क्षेत्रफल की दृष्टि से उग्रता हासिल की है, उसके विपरीत सरसों ही पाला से अधिक प्रभावित होती है और उत्पादन में कमी का एक कारण बन जाती है। सरसों की फसल में पाले का असर तने से ज्यादा जड़ों और पत्तियों पर पत्तियों से ज्यादा फूलों पर पड़ता है। फूलों में विशेष रूप से अंडाशय की अधिक हानि होती है। पाले से पत्तियां और फूल झुलस/मुरझा जाते हैं। झुलसकर बदरंग हो जाते हैं। दाने काले पड़ जाते हैं तथा फलियों में हरे दाने पानी में परिवर्तित हो जाते हैं।

सरसों की फसल को अधिकतर किसान भाई बहुत ही जल्दी सितम्बर के प्रथम या द्वितीय सप्ताह में बो देते हैं जिसकी वजह से दिसम्बर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के प्रथम सप्ताह में तापमान जमाव बिंदु पर पहुंचता है तो उधर फसल पर फूल और फलियों का लदान अधिकतम होता है। फलस्वरूप फसल पाले से नुकसान उठा जाती है। अत~ सरसों की बुआई अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह से लेकर अंतिम सप्ताह तक अवश्य कर दें जिससे पाले से बचा जा सके।

पाले से बचाव के उपाय

- यदि पाला पडऩे की संभावना का पता चल जाय तो सरसों के खेत में हल्की सिंचाई करें।
- जिस रात्रि में पाला पडऩे की संभावना हो उस समय खेत की पश्चिमी मेड़ों पर करीब आधी रात को कुछ घांस-फूस इकट्ठा करके जलायें, जिससे धुआं सारे खेत में छा जाये। इससे भूमि की गर्मी कम निकलती है और आसपास में तापमान में वृद्धि हो जाती है। इस प्रकार धुआं कई स्थानों पर करें और उसका रुख फसल पर होकर जाना चाहिये।
- सरसों की फसल में पाला पडऩे के पहले 2 प्रतिशत यूरिया का छिडक़ाव किया जाय तो, पाले का प्रभाव कम हो जाता है, क्योंकि यूरिया के छिडक़ाव से कोशिकाओं में पानी आने-जाने की क्षमता बढ़ जाती है।
- सरसों की आर.एच. 30 किस्म पर पाले का असर कम होता है और पैदावार भी अच्छी होती है।

जनवरी माह के कृषि कार्य

गेहूँ फसल: पत्ती व तना भेदक की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 200 ग्राम प्रति हैक्टेयर या क्यूनलफॉस 25 ई.सी. दवा 250 ग्राम प्रति हैक्टेयर का प्रयोग करें। प्रोपीकोनाजोल 0.1 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करे। गेहूँ की पछेती किस्मों में बुआई के 17 से 18 दिन बाद सिंचाई करें तथा उसके बाद 15-20 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहें। गेहूँ की फसल को चूहों से बचाने के लिए जिंक फॉस्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमीनियम से बनी टिकिया का प्रयोग करें।

सब्जियाँ : प्याज के पौधों की रोपाई करें। प्याज के पौधों की रोपाई के बाद सिंचाई करें तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के बाद पैन्डामैथिलिन दवा 2.5 लीटर प्रति हैक्टेयर के दर से छिड़काव करें। गोभी वर्गीय फसल में सिंचाई, गुड़ाई व मिट्टी चढ़ाने का काम करें। पिछले माह रोपी गई टमाटर की फसल में स्टेकिंग यानी सहारा देने का काम करें। टमाटर व प्याज में जिंक व बोरान की कमी होने पर 20-25 किलो जिंक सल्फेट व बोरेक्स का प्रयोग करें।

दलहनी फसल : मटर में फली भेदक के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 200 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से 600 से 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। मटर में पत्ती भेदक के लिए मेटासिस्टॉक्स 20 ईसी दवा 1 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें। मटर में बुकनी रोग यानि पाऊडरी मिल्डयू की रोकथाम के लिए 3 किग्रा घुलनशील गंधक 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर भूमि में 10-12 दिन के अंतराल पर छिडाव करें।

फल फसलें : आम के नवरोपित एवं अमरूद, पपीता व लीची के बागों की सिंचाई करें। आम के वृक्षों को भुनगा कीट से बचाने के लिए मोनोक्रोटोफॉस 0.04 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें। अंगूर में कटाई-छँटाई का कार्य पूरा कर लेना चाहिए। अंगूर में प्रथम वर्ष गोबर या कम्पोस्ट खाद के अलावा 100 ग्राम फॉस्फेट व 80 ग्राम पोटाश भी प्रति पौधा डालें। नींबू वर्गीय पौधों में 50 से 75 किलोग्राम कम्पोस्ट प्रति पौधा डालें। अमरूद के फलों की तुड़ाई करें। पपीते के बीजों की बुवाई पोली हाउस में करें।

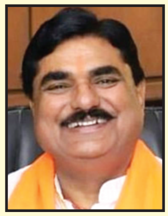
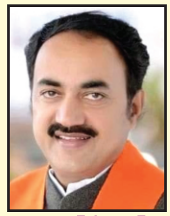

सौजन्य से

श्री भारतसिंह यादव
(शा.प्र. शाजापुर)
श्री ईश्वरसिंह यादव
(पर्य. शाजापुर)
श्री कैलाशसिंह बैस
(शा.प्र. खोखराकलां)
श्री प्रेमनारायण शर्मा
(पर्य. खोखराकलां)
श्री मनोहरसिंह यादव
(शा.प्र. अवंतीपुर बड़ोदिया)
श्री जगन्नाथ सिंह
(पर्य. अवंतीपुर बड़ोदिया)
श्री मंगलसिंह चौहान
(शा.प्र. पनवाड़ी)
श्री भगवानसिंह यादव
(पर्य. पनवाड़ी)

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसान भाइयों को नूतन वर्ष की शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

श्री दिनेश जैन
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री ओ.पी. गुप्ता
(उपायुक्त सह.)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.के. दुबे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनेरा, जि.शाजापुर
श्री शिवलाल चांदना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांजा, जि.शाजापुर
श्री राधेश्याम जी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिछोदा, जि.शाजापुर
श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धाराखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री प्रकाश सौराष्टीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दिल्लौद, जि.शाजापुर
श्री हरनाथ सिंहजी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुपाड़ा, जि.शाजापुर
श्री अब्दुल जलील शेख (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेरखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री सज्जनसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हीरपुरटेका, जि.शाजापुर
श्री शिवनारायण जी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पतोली, जि.शाजापुर
श्री संजय पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोपीपुर, जि.शाजापुर
श्री दयाराम जी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खोखराकलां, जि.शाजापुर
श्री मुकेश पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसायागढ़ा, जि.शाजापुर
श्री बोन्दर सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री मोहनलाल चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खरदौनकलां, जि.शाजापुर
श्री प्रेमनारायण शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खरदौनखुर्द, जि.शाजापुर
श्री अनिस खान अंसारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अवंतीपुर बड़ोदिया, जि.शाजापुर
श्री जगन्नाथसिंह राघव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवली, जि.शाजापुर
श्री रामसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पनवाड़ी, जि.शाजापुर
श्री कपिल प्रकाश केलवा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिगंजपुर, जि.शाजापुर
श्री लखनसिंह कुम्भकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रसूलपुर, जि.शाजापुर
श्री भगवानसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुधाना, जि.शाजापुर
श्री बाबूलाल राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोरटा, जि.शाजापुर
श्री राजीव शर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

गाँव बन रहे आत्म-निर्भर और महिलाएँ स्वावलंबी

मध्यप्रदेश के गाँवों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। एक ओर जहाँ गाँवों में अच्छी अधो-संरचना विकसित हो रही है, वहीं सबको बुनियादी सुविधाओं युक्त आवास, हर घर नल से जल और हर हाथ को काम मिल रहा है। स्वच्छता में प्रदेश के गाँव अब शहरों को पीछे छोड़ रहे हैं। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र जो विकास की तेज रफ्तार में पीछे रह गए थे, को पेसा एक्ट लागू कर मुख्य धारा में लाया गया है। यह सब संभव हो पाया है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के अनवरत प्रयासों से।

प्रदेश की ग्रामीण आत्म-निर्भरता और सर्वांगीण विकास का सबसे सुखद पहलू यह है कि यहाँ राज्य ग्रामीण आजाविका मिशन से महिलाएँ पारिवारिक और ग्रामीण स्वावलंबन का जरिया बन रही हैं। ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं के सशक्त स्व-सहायता समूह बनाये जाकर उनका संस्थागत विकास तथा आजीविका के संवहनीय अवसर उपलब्ध कराने के लिये 313 विकासखण्डों में सघन रूप से मिशन का क्रियान्वयन किया जा रहा है। अब तक 53 हजार 50 समूहों से 5 लाख 31 हजार परिवारों को जोड़ा जा चुका है। समूहों से जुड़े परिवारों में से इस वर्ष अब तक लगभग 3 लाख 20 हजार परिवारों को कृषि एवं पशुपालन आजीविका गतिविधियों और 22 हजार समूह की महिलाओं को गैर कृषि आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया है। चालू माली साल में स्व-सहायता समूहों को बैंकों के माध्यम से 94 हजार 795 प्रकरणों में 1 हजार 416 करोड़ रूपये का ऋण दिलाया गया है।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटर शेड विकास, श्यामा प्रसाद मुकर्जी रूर्बन मिशन, सबकी योजना-सबका विकास जन अभियान, ग्रामीण पर्यटन योजना आदि से प्रदेश के गाँवों में अच्छी अधो-संरचना विकसित हो रही है। इस वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना भाग 1, 2, 3 में वार्षिक भौतिक लक्ष्य 4 हजार किमी के विरूद्ध माह नवम्बर 2022 तक 1 हजार 190 करोड़ रूपये व्यय करते हुए 2 हजार 19 किमी सड़कों एवं 106 पुलों का निर्माण किया गया।

श्यामा प्रसाद मुकर्जी रूर्बन मिशन, प्रदेश के 15 जिलों की 166 ग्राम पंचायतों के 336 ग्रामों में लागू है। मिशन में चिन्हित रुर्बन घटकों जैसे पाइप द्वारा जलापूर्ति, कौशल विकास, कृषि प्र-संस्करण एवं कृषि सेवा और वेयर हाउसिंग, स्वास्थ्य सेवाएँ, विद्यालयों की अधो-संरचना एवं शिक्षा सुविधाओं का उन्नयन, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक परिवहन, एलपीजी गैस कनेक्शन, डिजिटल साक्षरता, इलेक्ट्रॉनिक तरीके से नागरिक सेवाएँ उपलब्ध कराना/ ई-ग्राम कनेक्टिविटी के लिए सिटीजन सर्विस सेंटर जैसे कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जा रहे हैं। चयनित रुर्बन संकुलों में 199 करोड़ 77 लाख करोड़ रूपये के कार्य स्वीकृत होकर संचालित किये जा रहे हैं।

प्रदेश के गाँवों में हर हाथ को काम दिलाया जा रहा है। वर्तमान में महात्मा गांधी नरेगा में 66 लाख 88 हजार सक्रिय जॉब कार्ड धारी परिवार हैं और 1 करोड़ 19 लाख मजदूर हैं। इस वर्ष विगत 9 माह में 40 लाख 74 हजार से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इसमें 62 हजार से अधिक 425 परिवारों ने 100 दिवस का रोजगार प्राप्त किया। इस वर्ष अभी तक करीब साढ़े 18 करोड़ से अधिक मानव दिवस का सृजन हुआ है। अनुसूचित जनजाति के परिवारों को मनरेगा से रोजगार उपलब्ध कराने में मध्यप्रदेश पूरे देश में अग्रणी स्थान पर रहा है। इस वित्तीय वर्ष में 13 लाख 38 हजार अनुसूचित जनजाति के परिवारों को 5 करोड़ 86 लाख मानव दिवस से

अधिक का रोजगार उपलब्ध कराया गया, जो कुल मानव दिवस का 32 प्रतिशत है। रोजगार मेलों और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से 60 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना में 14 हजार 146 ग्रामीण पथ विक्रेताओं को लाभांवित किया जा चुका है।

प्रदेश के गाँवों में गरीब आवासहीनों का पक्का आवास का सपना पूरा हो रहा है। प्रदेश के 4 लाख 51 हजार ग्रामीण आवासहीनों को इसी वर्ष प्रधानमंत्री की वर्चुअल उपस्थिति में गृह प्रवेश भी कराया जा चुका है। सबको आवास 2024 योजना में वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक प्राप्त लक्ष्य 38 लाख 23 हजार के विरूद्ध 31 लाख 02 हजार से अधिक हितग्राहियों के आवास बनाये गये हैं। आवास प्लस योजना में वित्तीय वर्ष 2021-22 के 7 लाख 51 हजार के लक्ष्य के विरूद्ध 3 लाख 06 हजार आवास बनाये जा चुके हैं। योजना प्रारंभ से अब तक कुल 42 हजार 723 करोड़ रूपये का व्यय किया गया है। आवास प्लस में शामिल सहरिया परिवार के लिये श्योपुर एवं गुना जिले के लिए विशेष परियोजना पी.टी.जी. में 1 हजार 331 आवास बनाये जा चुके हैं।

करदाताओं की सुविधाओं को समर्पित वर्ष

वित्तीय प्रबंधन, राजस्व संग्रहण और करदाताओं की सुविधाएँ बढ़ाने और रिटर्न फाइलिंग में मध्यप्रदेश के लिए वर्ष 2022 उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरा वर्ष रहा। मध्यप्रदेश देश के प्रथम 5 राज्यों में शामिल है। प्रदेश की राजस्व प्राप्तियों में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्राप्त राजस्व 32 हजार 764 करोड़ रूपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 में 38 हजार 963 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ। चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में माह नवम्बर तक 28 हजार 582 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में माह नवम्बर तक प्राप्त राजस्व 24 हजार 100 करोड़ रूपये से 19 प्रतिशत अधिक है।

करदाताओं की सुविधाएँ

करदाताओं के लिये वर्ष 2022 सुविधाओं का वर्ष साबित हुआ। राज्य शासन ने करदाताओं को भरपूर सुविधाएँ दी। उनके लिये जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया। मध्यप्रदेश वेट अधिनियम-2002 में पंजीयन के लिये प्राप्त होने वाले ऑनलाईन

आवेदनों को एक कार्य दिवस में डीम्ड रजिस्ट्रेशन प्रदाय कर दिया गया है। करदाताओं के लिये 10 करोड से अधिक कर योग्य वस्तुओं का व्यापार करने पर वेट ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने का प्रावधान समाप्त कर आयकर अधिनियम में प्रस्तुत की जाने वाली ऑडिट रिपोर्ट को ही मान्यता दी गई है। आपराधिक अभियोग प्रक्रिया का प्रावधान विलोपित कर दिया गया है।

माल एवं सेवा कर अधिनियम 2017 में पंजीयन प्राप्त करने की प्रक्रिया में एकरूपता लाने, प्रक्रिया को आसान बनाने और अनावश्यक दस्तावेजों को प्राप्त नहीं करने के संबंध में विभागीय अधिकारियों एवं व्यवसाइयों की सुविधा के लिए मानक प्रक्रिया जारी की गई। व्यवसाइयों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले विवरण-पत्रों की स्क्रूटनी प्रक्रिया में एकरूपता के लिए भी मानक प्रक्रिया बनाई गई है। वर्ष 2022 में टैक्स बेस बढ़ाने के प्रयासों को सफलता मिली। बड़ी संख्या में नवीन व्यवसायी पंजीयत हुए और निरंतर हो रहे हैं। उनके लिये हेल्प डेस्क बनाई गई। नवीन करदाताओं की सुविधा के लिये 'वेलकम किट' जारी की गई। करदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए राज्य स्तर पर सम्मानित भी किया गया।

ऑनलाइन सुविधाएँ

जीएसटीएन पोर्टल से व्यवसाइयों द्वारा पंजीयन लेने, रिटर्न प्रस्तुत करने, कर भुगतान करने, ई इन्वाइस जारी करने, ई-वे बिल डाउनलोड करने आदि समस्त कार्य ऑनलाईन जीएसटीएन पोर्टल एवं एनआईसी पोर्टल से करने की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विभागीय पोर्टल से नॉन जीएसटी व्यवसाइयों को पंजीयन लेने, रिटर्न प्रस्तुत करने एवं कर का भुगतान करने आदि सुविधा ऑनलाईन उपलब्ध है। जीएसटी कॉर्नर में जीएसटी एक्ट, अपडेटेड नोटिफिकेशन, सर्कुलर्स इत्यादि उपलब्ध है। मुख्यालय एवं प्रत्येक वृत्त कार्यालय में स्थापित विभागीय हेल्प-डेस्क एवं पदस्थ विभागीय अधिकारियों की जानकारी उपलब्ध है।

टैक्स बेस में वृद्धि

टैक्स बेस का दायरा बढाए जाने के लिये चलाये गए अभियान के फलस्वरूप माह जनवरी-21 से नवम्बर-21 में 62 हजार 124 पंजीयन की तुलना में जनवरी-22 से नवम्बर-22 में 76 हजार 92 नवीन पंजीयन हुए हैं, जो तुलनात्मक रूप से 22.50 प्रतिशत अधिक है। सेवा क्षेत्र में 22 प्रमुख सेवाओं को चिन्हित कर 2,180 अपंजीयत सप्लायर्स का पंजीयन कराया गया है। टैक्स बेस में वृद्धि हेतु विशेष अभियान चला कर 11 हजार 356 नगरीय निकाय और ग्राम पंचायतों को ञ्ष्ठस्र के अंतर्गत पंजीयत कराया गया है।

अतिरिक्त राजस्व

वर्ष 2022 में प्रदेश के जीएसटी राजस्व में वृद्धि के प्रयासों को भी गति मिली। डेटा एनालिटिक्स कार्य के लिए विभाग में डेटा कमांड एंड कण्ट्रोल सेंटर कक्ष की स्थापना की गई। स्क्रूटनी अभियान में 3127 प्रकरणों में से 2022 प्रकरणों पर कार्यवाही पूर्ण कर 242 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया।

फर्जी बिलों की रोकथाम के लिए डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर चयनित 6277 संदिग्ध करदाताओं के भौतिक सत्यापन अभियान में बोगस पाए गए 332 व्यवसाइयों का पंजीयन निरस्त किया गया। डेटा एनालिसिस के आधार पर इस वित्तीय वर्ष के माह अक्टूबर-22 तक 769 प्रकरणों में कार्यवाही कर 196 करोड़ 62 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया।

शासकीय विभागों में किये गए माल एवं सेवाओं की सप्लाई की जानकारी प्राप्त की जाकर अपंजीकृत सप्लायर्स का पंजीयन एवं पंजीयत सप्लायर्स की करदेयता का विश्लेषण किया जा रहा है। शासकीय विभागों द्वारा प्रशासित अधिनियमों में लिए जा रहे पंजीयन/लाइसेंस धारकों की जानकारी प्राप्त कर इन व्यवसाइयों द्वारा जीएसटी रिटर्न में दिखाये जा रहे टर्नओवर का सतत विश्लेषण भी किया जा रहा है।

कड़े फैसलों से प्रशासनिक कसावट

अशांति-वैमनस्य फैलाने वालों की खैर नहीं

मध्यप्रदेश शांति का टापू है, यहाँ अशांति फैलाने वालों की खैर नहीं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कड़े फैसले और प्रशासनिक कसावट से आज प्रदेश में कानून का राज स्थापित है। प्रदेश की शांति व्यवस्था में खलल डालने की कोशिश करनेवालों को कड़ी कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है। माताओं, बहनों, बेटियों की ओर गलत नजर उठाने वालों के घरों पर बुलडोजर चल रहे हैं। बच्चियों के साथ दुराचार करने वालों को मृत्युदंड दिया जा रहा है। एंटी माफिया अभियान चलाकर दुर्जनों को कुचलने की कार्यवाही सख्ती से की जा रही है।

कानून व्यवस्था में वर्ष 2022 ऐतिहासिक उपलब्धियों वाला रहा है। भोपाल और इंदौर की कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के लिये पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की गई। पिछले 23 सालों में पहली बार वर्ष 2022 में एक वर्ष में एक करोड़ 14 लाख रुपए के 6 इनामी नक्सली मार गिराये गए। इतिहास में प्रथम बार डिविजनल कमांडर स्तर के नक्सली को मार गिराया गया और 2 एके-47 जब्त की गई। प्रदेश से नक्सलवाद के समूल नाश के लिए यह एक सशक्त और प्रभावी कार्रवाई रही।

प्रदेश से डकैतों की समस्या को जड़ मूल से मिटाने का संकल्प लगभग पूर्ण हो गया है। आज प्रदेश से डकैतों के सभी बड़े लिस्टेड गैंग खत्म कर दिए गए हैं। वर्ष 2022 में आतंकी गुट के मॉड्यूल को ध्वस्त कर 4 विदेशी आतंकी गिरफ्तार किए गए। प्रतिबंधित संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) के 25 से अधिक सक्रिय सदस्य और पदाधिकारी गिरफ्तार किए गए। प्रदेश में एंटी माफिया अभियान चलाकर भू-माफिया, चिटफंड माफिया, शराब माफिया, रेत माफिया, राशन माफिया, मिलावट माफिया और दबंगों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। भू-माफियाओं से 23 हजार एकड़ शासकीय भूमि मुक्त कराई गई। अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध 3 हजार 612 प्रकरण दर्ज कर 294 अपराध पंजीबद्ध किये गये। शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले 44 व्यक्तियों के विरूद्ध एनएसए और 97 आरोपियों के विरूद्ध जिलाबदर की कार्यवाही की गई। रेत माफियाओं के विरूद्ध 2 हजार 331 अपराध पंजीबद्ध कर एक हजार 676 आरोपी गिरफ्तार कर 2 हजार 633 चार पहिया वाहन जप्त किये गये। राशन माफियाओं के खिलाफ 391 अपराध पंजीबद्ध कर 343 आरोपी गिरफ्तार कर लगभग 35 करोड़ रूपये के खाद्य पदार्थ जप्त किये गये। चिटफंड माफियाओं के विरूद्ध कार्रवाई कर 12 हजार 18 निवेशकों को 26 करोड़ 64 लाख रूपये वापस दिलाये गये। मिलावट करने वाले तत्वों के विरूद्ध कार्रवाई कर 10 व्यक्तियों को रासुका (राष्टीय सुरक्षा कानून) में निरूद्ध किया गया। अवैध शराब कारोबारियों पर दबिश देकर एक लाख 27 हजार 454 प्रकरणों में एक लाख 28 हजार 698 आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अवैध शराब कारोबारियों के विरूद्ध विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में 23 प्रतिशत अधिक प्रकरण दर्ज किये गये।

नारी शक्ति के सम्मान को ठेस पहुँचाने वालों से भी प्रदेश में सख्ती से निपटा जा रहा है। ऐसे दुष्ट व्यक्तियों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं। जोर-जबरदस्ती, बहला-फुसलाकर विवाह और धर्म परिवर्तन को रोकने के लिये धर्म स्वातंर्त्य विधेयक लागू किया गया। अब तक इसमें 110 से अधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2018 से अब तक मासूम बच्चियों से दुष्कर्म करने वालों करने वाले 42 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। ऑपरेशन मुस्कान में वर्ष 2022 में अपहृत 9 हजार 413 बालिकाओं और 2 हजार 205 बालकों को मुक्त कराया गया।

समाज में अराजकता फैलाने वाले असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। अब निजी और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों से कानूनी रूप से वसूली की जा रही है। खरगोन में 'शिव डोला' धार्मिक उत्सव में पत्थरबाजी करने वाले असामाजिक तत्वों से कानूनन वसूली की कार्यवाही की जा रही है। पत्थरबाजी से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के 310 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जा जाकर कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान के समग्र नेतृत्व के परिणामस्वरूप प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा डिजिटल इंडिया अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश को ई-विवेचना एप के उपयोग के लिये ÷इनिशिएटिव एट ग्रास रूट लेवल केटेगरी÷ में प्रथम पुरस्कार मिला। एन्युअल इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी समिट में मध्यप्रदेश सायबर पुलिस को पुलिस की क्षमता निर्माण में प्रथम पुरस्कार और सायबर कॉप ऑफ द ईयर में दूसरा पुरस्कार मिला है।

नूतन वर्ष पर समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री छन्नूलाल पटेल (शा.प्र. बिस्टान)
श्री कैलाश पाटिल (पर्य. बिस्टान)
श्री रमेश यादव (शा.प्र. बामंदी)
श्री विजय पाटीदार (पर्य. बामंदी)
श्री कुरेश अली बोहरा (शा.प्र. बोरावां)
श्री अभिषेक यादव (पर्य. बोरावां)
श्री दिनेश यादव (शा.प्र. कसरावद)
श्री रामकृष्ण पाटीदार (पर्य. कसरावद)
श्री जगदीश बकावले (शा.प्र. बालसमद)
श्री विट्ठल पटेल (पर्य. बालसमद)
श्री चंद्रभान पटेल (शा.प्र. निमरानी)
श्री शिवराम यादव (पर्य. निमरानी)
श्री अशोक वैद्य (शा.प्र. गोगांवा)
श्री पर्वतसिंह गेहलोत (पर्य. गोगांवा)

श्री बी.एल.मकवाना
(प्र. संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)

श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्र आचार्य
(प्रभारी सीईओ)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिस्टान, जि.खरगोन
श्री कैलाश पाटिल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मोहनपुरा, जि.खरगोन
श्री सुरेशचंद्र पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बन्हेर, जि.खरगोन
श्री रामेश्वर कुशवाह (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. राडी, जि.खरगोन
श्री महेन्द्रसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बामंदी, जि.खरगोन
श्री विजय पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. साटकुर, जि.खरगोन
श्री हुकुमचंद पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बलकवाड़ा, जि.खरगोन
श्री कर्मेन्द्रसिंह मंडलोई (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बोरावां, जि.खरगोन
श्री अभिषेक यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. उटावद, जि.खरगोन
श्री दिलावर खान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. डेडगाँव, जि.खरगोन
श्री केशव पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कसरावद, जि.खरगोन
श्री रामकृष्ण पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. माकड़खेड़ा, जि.खरगोन
श्री देवनारायण शोहनी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बालसमद, जि.खरगोन
श्री विट्ठल पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भीलगाँव, जि.खरगोन
श्री जितेन्द्र डोंगरे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. निमरानी, जि.खरगोन
श्री शिवराम यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भोईन्दा, जि.खरगोन
श्री सुजानसिंह गहलोद (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पीपलझोपा, जि.खरगोन
श्री सुरेशसिंह निकुम (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गोगांवा, जि.खरगोन
श्री पर्वतसिंह गेहलोत (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. अंदड़, जि.खरगोन
श्री कपूरचंद यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिटनेरा, जि.खरगोन
श्री शांतिलाल सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के उपलक्ष्य में संसद में मोटे अनाज परोसे गए

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संसद परिसर में सांसदों के लिए 'विशेष मिलेट्स लंच' आयोजित कर देश-दुनिया में मिलेट्स को बढ़ावा देने की बड़ी पहल की गई। वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय पोषक-अनाज वर्ष मनाने की तैयारी की दृष्टि से, आयोजन में उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवगौड़ा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता श्री अधीरंजन चौधरी, राज्यसभा में सदन के नेता व केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल सहित अन्य मंत्रियों व राज्यसभा व लोकसभा के सदस्यों ने शामिल होकर ज्वार, बाजरा, रागी जैसे पोषक-अनाज से तैयार व्यंजनों का स्वाद लिया और दिल खोलकर इनकी तथा समग्र आयोजन की तारीफ की व मिलेट्स ईयर का स्वागत किया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर तथा राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी व सुश्री शोभा करंदलाजे ने इस अवसर पर सभी का आत्मीय स्वागत किया।

संसद परिसर में मिलेट्स सहभोज में उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री व सांसद हुए शामिल

प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल तथा भारत सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है, जिसे देशभर के साथ ही वैश्विक स्तर पर उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जोरों पर चल रही है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, मिलेट्स की मांग और स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से, इसके विषय में जागरूकता के प्रसार के लिए सभी के साथ मिलकर अनेक कदम उठा रहा है। केंद्रीय मंत्री तोमर का कहना है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी चाहते हैं हमारे प्राचीन पोषक-अनाज को भोजन की थाली में पुनः सम्मानजनक स्थान मिलें। साथ ही, यह पहल दीर्घकाल में मिलेट्स की खेती करने वाले किसानों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करेगी।

यह उत्सवीय वर्ष मनाने की पूर्व तैयारी के मद्देनजर मिलेट्स से बने सुस्वादु व्यंजनों के साथ संसद परिसर में सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के विशेष सान्निध्य में मंत्रियों-सांसदों सहित दोनों सदनों में विभिन्न दलों के नेताओं ने मिलेट्स का स्वादानुभव किया। लंच में भारतीय पोषक-अनाज से बनाए गए विभिन्न प्रकार के शानदार व्यंजनों को प्रदर्शित करने के लिए क्यूरेटेड मिलेट्स-आधारित बुफे के तहत कई आयटम्स परोसी गई।

संसद के प्रांगण को मिलेट्स आधारित रंगोली से खूबसूरती से सजाया गया था और देशभर की प्राथमिक पोषक-अनाज फसलों को यहां प्रदर्शित किया गया, जिसका अवलोकन उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ व प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और अन्य संबंधित हितधारकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय पोषक-अनाज वर्ष के लिए विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों का एक चित्र कोलाज भी यहां प्रदर्शित किया गया। कर्नाटक व राजस्थान के रसोइयों के समूहों ने आयोजन के लिए विभिन्न व्यंजन बनाएं।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा हाल ही में रोम (इटली) में अंतरराष्ट्रीय पोषक-अनाज वर्ष का शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया था।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने किया 'कृषि निवेश पोर्टल' बनाने का शुभारंभ

महिला किसानों पर सरकार का पूरा फोकस

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ नई दिल्ली में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष सुश्री मेलिंडा फ्रेंच गेट्स की बैठक हुई। इस दौरान श्री तोमर ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एकीकृत 'कृषि निवेश पोर्टल' बनाए जाने का शुभारंभ किया। बैठक में श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला किसानों को और बढ़ावा देने पर सरकार का पूरा फोकस है।

बैठक में श्री तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अनेक चुनौतियां हैं, जिनके समाधान के लिए भारत सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में कुशलतापूर्वक सतत् काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में छोटे किसानों की संख्या ज्यादा है, सरकार का मानना है कि इनकी ताकत बढ़ेगी तो कृषि क्षेत्र और उन्नत होगा व उत्पादन भी बढ़ेगा, इस दिशा में सरकार काम कर रही है। श्री तोमर ने कहा कि भारत में कृषि क्षेत्र में सामान्यतः परंपरागत कृषि पद्धति चलती थी, अब वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कृषि क्षेत्र में निवेश की आवश्यकता है, जिसके मद्देनजर सरकार ने अनेक सुधार किए हैं, कृषि में टेक्नालाजी का समावेश किया है और पात्र किसानों को पारदर्शिता से पूरी सहायता मिलें, इस दृष्टि से देश में डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन भी प्रारंभ किया गया है। श्री तोमर ने बताया कि कृषि में निवेश और बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के लिए डेढ़ लाख करोड़ रु. से अधिक के विशेष पैकेजों का प्रावधान कर इन पर काम प्रारंभ किया है, जिनमें एक लाख करोड़ रु. का कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड भी शामिल है। इन पर अमल होने से भारतीय कृषि क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा।

सुश्री मेलिंडा ने कहा कि कृषि मंत्रालय के साथ काम करके उन्हें खुशी होगी। वे चाहती है कि महिला किसानों का जुड़ाव ज्यादा से ज्यादा हों। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन कई देशों में काम कर रहा है और भारत में उन्हें अच्छा अनुभव हुआ है। सुश्री मेलिंडा ने भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर प्रसन्नता जताई व सदैव मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की। बैठक में कृषि सचिव श्री मनोज अहूजा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने भी विचार रखें। संयुक्त सचिव श्री प्रवीण सैमुअल ने प्रेजेन्टेशन दिया। इस अवसर पर कृषि मंत्रालय के अन्य अधिकारी तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) एवं गेट्स फाउंडेशन के भारतीय कार्यालय के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

इस वर्ष रबी फसलों को रकबा 15% तक बढ़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार भारतीय किसानों और कृषि की सहायता करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इन प्रयासों में गुणवत्तापूर्ण बीजों की आपूर्ति, इनपुट, ऋण उपलब्धता, फसल बीमा सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप इस वर्ष रबी फसलों के रकबे में बड़े पैमाने में वृद्धि हुई है।

रबी फसलों की बुवाई की निगरानी से पता चलता है कि 09-12-2022 तक रबी फसलों की बुवाई का रकबा 457.80 से बढ़कर 526,27 लाख हेक्टेयर हो गया है। 68.47 लाख हेक्टेयर का यह अंतर वर्ष 2021-22 की इसी अवधि की तुलना में 15त्न अधिक है। रकबे में वृद्धि सभी फसलों में हुई है; लेकिन सबसे ज्यादा वृद्धि गेहूं में देखने को मिली है। सभी रबी फसलों के रकबे में हुई 68.47 लाख हेक्टेयर की वृद्धि में से 51.85 लाख हेक्टेयर वृद्धि गेहूं के रकबे में हुई है , जो 203.91 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 255.76 लाख हेक्टेयर हो गया है।

सरकार सभी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दे रही है और इसके लिए किसानों को तकनीकी सहायता और महत्वपूर्ण इनपुट के साथ-साथ एचवाईवी बीज मिनीकिट मुफ्त में दिए जाते हैं। उच्च उत्पादकता के साथ रकबे में हुई वृद्धि देश के खाद्यान्न उत्पादन में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगी । अधिक उत्पादन और लाभकारी कीमतों के लिए समर्थन के कारण किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।

मप्र की बदलती तस्वीर आत्म-निर्भर भारत का सपना पूरा करेगी

रीवा। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का चहुँमुखी विकास हो रहा है। मध्यप्रदेश की बदलती तस्वीर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत के सपने को पूरा करेगी। आने वाले समय में मध्यप्रदेश देश के विकसित प्रदेशों में अग्रणी होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सुपर इकॉनामिक पॉवर बनेगा और उसमें मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान होगा। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज बरसैता रीवा में रूपये 2443.89 करोड़ की लागत की कुल 204.81 किलोमीटर लंबी 7 सड़क परियोजनाओं सहित अन्य कई परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की।

मंत्री श्री गडकरी ने अति आधुनिक रीवा-सीधी 6 लेन टनल का अवलोकन किया और किये गये कार्य की सराहना की। श्री गडकरी ने कहा कि रीवा-सीधी टनल भारत की सबसे पहली 'एक्वा डक्ट' है। इसके ऊपर बाणसागर नहर और रोड बना हुआ है। यह देश के इतिहास की एक महत्वपूर्ण टनल है। इससे क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। इस टनल में 300 मीटर के बाद दूसरी टनल के लिये कनेक्टिविटी दी गई है, 46 एक्जास्ट फेन हैं, ऑप्टिकल फाइबर लेन है, साथ ही एलएक्सबीसी सिस्टम और फायर फाइटिंग सिस्टम है। उन्होंने इस कार्य के लिये संबंधित इंजीनियर्स को धन्यवाद और शुभकामनाएँ दीं।

केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने उत्कृष्ट निर्माण कार्य के लिये श्री राहुल दुबे, श्री संजय कुमार सिंह, श्री अजीत स्वाइन, श्री राकेश पटेल, श्री कपिल शर्मा, श्री अवध सिंह, श्री रामविलास सिंह पटेल, श्री सुमेश बांजल और टीम लीडर श्री विवेक जायसवाल को उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदाय किये। उन्होंने रीवा के विकास पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी देश का तेज गति से विकास कर रहे हैं। आज का दिन विंध्य की धरती के लिये ऐतिहासिक है। क्षेत्र में अदभुत टनल बनाई गई है। श्री गडकरी ने मध्यप्रदेश सहित पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा दिया है। उन्होंने विकास में धन की बिल्कुल कमी नहीं आने दी है। मध्यप्रदेश के रोड इतने अच्छे बन गये हैं कि आज हमारे मंत्री श्री गोपाल भार्गव सागर से साढ़े तीन घण्टे में रीवा आ गये हैं।

लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि आज प्रदेश के लिये बड़ी प्रसन्नता का दिन है। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी इतने विकास कार्यों का एक साथ शिलान्यास/भूमि-पूजन कर रहे हैं। अत्याधुनिक रीवा-सीधी टनल भारत की सबसे चौड़ी और मध्यप्रदेश की सबसे लम्बी टनल है। इसके बनने से 30-35 मिनिट लम्बा रास्ता 5 मिनिट का रह जायेगा। इससे क्षेत्र का आर्थिक-सामाजिक और औद्योगिक विकास गति पकड़ेगा। सांसद श्रीमती रीती पाठक, श्री जनार्दन मिश्रा और श्री गणेश सिंह ने भी संबोधित किया।

विभागीय नर्सरी का सीमांकन कराएँ : श्री कुशवाह

जबलपुर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने विभाग की नर्सरी सीमांकन के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सीमांकन हो जाने से नर्सरी अतिक्रमण की स्थिति स्पष्ट होगी। आवश्यक हैं कि नर्सरियों का सीमांकन जल्द कराए। राज्य मंत्री श्री कुशवाह आज जबलपुर में आधारताल स्थित नर्सरी का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने शासकीय पौधशाला रोपणी का निरीक्षण कर पौध उत्पादन, लागत और मुनाफे के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत चर्चा भी की।

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

सौजन्य से

श्री महेन्द्र कुमार जाटवा (शा.प्र. घटिया) | श्री मनोहरसिंह राजपूत (शा.प्र. भेरूगढ़) | श्री नीरज शर्मा (शा.प्र. घोंसला)

श्री नाथूराम कछाया (पर्य. घटिया)
श्री ओमप्रकाश चौहान (पर्य. भेरूगढ़)
श्री जगदीश शर्मा (पर्य. घोंसला)

श्री आशीष सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता) | श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नजरपुर, जि.उज्जैन
श्री नाथूलाल कछावा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घटिया, जि.उज्जैन
श्री नाथूलाल कछावा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झीतरखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री सूर्यप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानिया गोयल, जि.उज्जैन
श्री कुन्दन शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिछड़ोद, जि.उज्जैन
श्री सत्येन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मालीखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री रघुवीरसिंह पंवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तुलाहेड़ा, जि.उज्जैन
श्री हीरालाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुराड़िया गुर्जर, जि.उज्जैन
श्री ऋषि गोलवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जगोटी, जि.उज्जैन
श्री नरसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोडग, जि.उज्जैन
श्री सज्जाद कुरैशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रुई, जि.उज्जैन
श्री ओमप्रकाश चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कालियादेह, जि.उज्जैन
श्री सुरेन्द्र उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उज्जैन, जि.उज्जैन
श्री दीपक बैरागी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोयला बुजुर्ग, जि.उज्जैन
श्री नानकराम टहलवानी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामगढ़, जि.उज्जैन
श्री फिरोज खान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरखेड़ा भल्ला, जि.उज्जैन
श्री राजेश नायक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया हामा, जि.उज्जैन
श्री कन्हैयालाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घोंसला, जि.उज्जैन
श्री बालाराम गुजराती (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेड़ा खजूरिया, जि.उज्जैन
श्री कैलाश नायक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबलाहर्दू, जि.उज्जैन
श्री आशाराम परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पाट, जि.उज्जैन
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. परसौली, जि.उज्जैन
श्री कैलाशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रूपाखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री तुकाराम रावल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रलायता हैवत, जि.उज्जैन
श्री सुमेरसिंह चौहान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राज्यपाल और मुख्यमंत्री इंदौर में क्रांतिसूर्य टंट्या मामा भील बलिदान दिवस में शामिल हुए

जनजातियों को अधिकार दिलाएगा पेसा एक्ट : राज्यपाल सामाजिक और आर्थिक क्रांति का शंखनाद: मुख्यमंत्री

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन का अधिकार दिलाने के लिये पेसा एक्ट लागू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं जनता के बीच जाकर इसे सरल भाषा में समझा रहे हैं। पेसा एक्ट जनजातीय समाज को सफलता के शिखर पर ले जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वंचित वर्ग के कल्याण और समावेशी समाज बनाने के लिये सराहनीय प्रयास हो रहे हैं। जनजातीय नायकों ने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिये अंग्रेजों के खिलाफ भीषण संघर्ष किया। आज टंट्या मामा भील के बलिदान दिवस पर मैं सभी को नमन करता हूँ। राज्यपाल श्री पटेल एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान नेहरू स्टेडियम इंदौर में क्रांति सूर्य टंट्या मामा भील बलिदान दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज यहाँ क्रांतिसूर्य जननायक टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम कोई कर्म कांड नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्रांति का शंखनाद है। मध्यप्रदेश की धरती पर जनजातीय कल्याण के संकल्प को पूरा भी किया जा रहा है। प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा एक्ट लागू किया जा चुका है, जो जनजातीय समुदाय को जल, जंगल और जमीन का हक प्रदान करता है।

अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह मांडवे, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद श्री सुमेर सिंह सोलंकी और पूर्व मंत्री श्रीमती रंजना बघेल ने भी संबोधित किया। विधायक श्री राम दांगोर ने आभार माना। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, सांसदगण विधायकगण और बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के प्रतिनिधि एवं समाज जन उपस्थित थे। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने इंदौर के पाताल पानी मंदिर में पूजा-अर्चना की और टंट्या मामा भील की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इंदौर में टंट्या भील की प्रतिभा का अनावरण किया।

पशुपालन मंत्री द्वारा अफ्रीकन स्वाइन फीवर के विरूद्ध सर्तकता के निर्देश

भोपाल। पशुपालन मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने विभागीय अधिकारियों को अफ्रीकन स्वाइन फीवर के विरूद्ध हर तरह से सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। श्री पटेल ने कहा जिले में या आस-पास के जिले में प्रकरण पाते ही भारत और राज्य शासन द्वारा जारी गाइड लाइन का पालन कर नियंत्रित करने के उपाय करें। श्री पटेल ने कहा कि सूकर में पाई जाने वाली यह घातक बीमारी जूनोटिक होने के कारण मनुष्यों और अन्य पशुओं को प्रभावित नहीं करती है। प्रदेश में रीवा, दमोह और टीकमगढ़ में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि हुई है। संक्रमित क्षेत्रों में एक किलोमीटर की परिधि में सूकरों की कलिंग और पूर्ण ऐहतियात के साथ दफन करने और 10 किलोमीटर की परिधि की जानकारी मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन की मदद से सूकर के आवागमन, उत्पाद और बिक्री को प्रतिबंधित किया गया है। रोग नियंत्रण के लिये राज्य पशु रोग अन्वेषण प्रयोग शाला में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

प्रेमसिंह पटेल

शांति विकास की पहली आवश्यकता : मुख्यमंत्री श्री चौहान

खरगोन। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विकास की पहली आवश्यकता शांति है। मध्यप्रदेश शांति का टापू है, यहाँ दंगे-फसाद और गुंडागर्दी नहीं चलने दी जायेगी। अशांति फैलाने वाले तत्वों को किसी स्थिति में छोड़ा नहीं जायेगा। शांति व्यवस्था के मद्देनजर खरगोन में विशेष सशस्त्र बल की तैनाती की जायेगी और एक नया थाना भी खोला जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान खरगौन में मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान संभाग स्तरीय स्वीकृति-पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने 660 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इनमें 371 करोड़ रूपये के लोकार्पण और 288 करोड़ रूपये के भूमि-पूजन शामिल थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हित-लाभ भी वितरित किये। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद भी किया। इसके पहले उन्होंने सिकलसेल वॉलेंटियर्स बायकर्स को हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और खरगोन की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत पर केन्द्रित पुस्तक का विमोचन भी किया।

किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में जो कार्य 60 साल में नहीं हुआ, वह पिछले 8 साल में हो गया है। प्रदेश में सुशासन स्थापित हुआ है। जनता को रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई- लिखाई और दवाई सुनिश्चित हुई है। देश में मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहाँ 89 जनजातीय विकासखण्डों में पेसा एक्ट के माध्यम से जनजातीय वर्ग को जल, जंगल एवं जमीन के अधिकार दिये गये हैं। वन मंत्री श्री विजय शाह, पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल उपस्थित थे। स्वागत भाषण सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल ने दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

गुणवत्ता वाले बीज देने के लिए 3 एसवनवाई परियोजना

इंदौर। देश को 25 मिलियन टन खाद्य तेल की आवश्यकता है, जिसमें से हमारा उत्पादन केवल 12 मिलियन टन है। इसके चलते हमें 13 मिलियन टन खाद्य तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है, इसलिए हम अग्रिम पंक्ति परीक्षणों के माध्यम से ऐसे इलाकों में सोयाबीन का परीक्षण कर रहे है, जहां से अच्छी मात्रा में उपज प्राप्त हो सके। 3 एसवनवाई जैसी परियोजना भी संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से न्यूनतम अवधि में किसानों को गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज प्राप्त हो सके।

यह बात भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के निदेशक डॉ केएच सिंह ने व्यक्त की। वे भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के 36वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में सोयाबीन की खेती में अधिक उत्पादन लेने एवं नवाचार अपनाने वाले कृषकों के साथ ही तकनीकी अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवी अहिल्या विश्व विद्यालय (डीएवीवी) की कुलपति डॉ रेणु जैन तथा विशेष अतिथि के रूप में संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ वीएस भाटिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ एसपी तिवारी, पूर्व कुलपति, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने की। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें इंदौर, खरगोन, शाजापुर एवं धार जिले के प्रगातिशील किसानों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कार्यक्रम में तीन उत्कृष्ट सोया कृषकों मेहरबान सिंह चौधरी, ग्राम अर्जुन बड़ोदा, जीवन परमार, ग्राम भोंड़वास, जिला इंदौर एवं महेंद्र पवार, ग्राम पिपलोदा, जिला शाजापुर को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। वहीं वैज्ञानिक डॉ गिरिराज कुमावत, उत्कृष्ट विस्तार वैज्ञानिक डॉ बीयु दुपारे, उत्कृष्ट तकनीकीकर्मी श्याम किशोर वर्मा, उत्कृष्ट प्रशासनिक कर्मी शक्ति पल सिंह वर्मा को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान की स्थापना से अभी तक की यात्रा को डोक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम के दौरान बीज अंकुरण जांच तथा बीज भंडारण विषय पर दो विस्तार फोल्डर एवं सोया कृषकों के लिए विस्तार बुलेटिन का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्ञानेश कुमार सातपुते ने किया।

आध्यात्म भारतीय संस्कृति और सभ्यता की रीढ़ : उषा ठाकुर

उज्जैन। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग मंत्री सुश्री उषा ठाकुर इन्दौर रोड स्थित स्वामीनारायण आश्रम में मध्य प्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण, मप्र जनअभियान परिषद तथा महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय जल महोत्सव सुजलाम और पुजारी-पुरोहित प्रशिक्षण कार्यशाला वेद-वेदांग में शामिल हुई।

इस दौरान मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री माखनसिंह चौहान, मप्र जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री विभाष उपाध्याय, वाल्मिकीधाम के महन्त स्वामी बालयोगी उमेशनाथजी महाराज, महामण्डलेश्वर राजराजेश्वरी गुरूकुल चिन्तामण आचार्य शेखर महाराज, महन्त श्री सीजी रमण योगी महाराज, महाकालेश्वर मन्दिर के महन्त विनीत गिरिजी महाराज, स्वामी श्याम बाबाजी, श्री इकबालसिंह गांधी बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए।

मंत्री सुश्री ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि आध्यात्म भारतीय संस्कृति और सभ्यता की रीढ़ है। देश के गौरव और भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की रक्षा करने के लिये और इसे आगे बढ़ाने के लिये हमें जो भी कार्य दिया गया है, उसे पूरी मेहनत से करें। मध्य प्रदेश सरकार संस्कृति के संवर्धन और संरक्षण की दिशा में निरन्तर प्रयास कर रही है। सरकार ने मन्दिरों के पुजारियों को मानदेय स्वीकार किया है। हमारा प्रयास है कि मन्दिर सामाजिक सरोकार के मजबूत केन्द्र बनें। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख मन्दिरों के आसपास लगभग 62 लोगों की सूची बनाई जाये। इन 62 लोगों के परिवार की ओर से प्रतिदिन प्रत्येक परिवार द्वारा घर में जो भी भोजन बने, उसका भोग मन्दिर में भगवान को लगाया जाये, ताकि पूरे परिवार का लगाव मन्दिर के प्रति बढ़े और परिवार के सदस्यों की आध्यात्मिक उन्नति हो। इसके अलावा उक्त 62 परिवारों के बच्चों को हनुमान चालीसा, दुर्गा सप्तशती, शिवस्तुति, शिव तांडव स्त्रोत आदि मंत्रों का कंठस्तीकरण करवाया जाये।

अपेक्स बैंक में सहकारी सप्ताह का समापन

भोपाल। पूरे देश में सहकारी क्षेत्र में कार्यरत अपेक्स बैंक ही बैंकिंग क्षेत्र की एकमात्र संस्था है, जिसमें सभी स्टॉफ लोकल फॉर वोकल की तर्ज पर काम कर रहा है। सहकारी-सप्ताह जैसे आयोजन ही हमें चिंतन का अवसर प्रदान करते हैं। उक्त उद्‌गार अपेक्स बैंक परिसर स्थित सुभाष यादव समन्वय भवन टीटीनगर में आयोजित 69वें सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नाबार्ड के उप-महाप्रबंधक कमर जावेद ने व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बैंक के प्रबंध संचालक पीएस तिवारी ने कहा कि सहकारिता हमारे रोम-रोम में बसी हुई है, सहकारी भावना से काम करके हम सदैव उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हैं। सहकारिता से अभिप्राय समन्वय से है और इसका सबसे अच्छा दृष्टांत मानव शरीर है, जिसका मन-मस्तिष्क और शरीर किस प्रकार आपसी समन्वय बनाकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। मुझे यह कहते हुए अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है कि संचार क्षेत्र में निरन्तर हो रहे आधुनिकीकरण के संसाधनों का बेहतर उपयोग अपेक्स बैंक व सहकारी क्षेत्र के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है।

बैंक के आइटी विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी अरविंद बौद्ध ने 'आज किस प्रकार सूचना तकनीक के में साइबर क्राइम हो रहे हैं' विषय पर विस्तार से प्रकाश डालकर अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। बैंक के सहायक महाप्रबंधक आर.एस. चंदेल ने बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में केंद्रीय सहकारिता विभाग की स्थापना की है, हमारे बैंक द्वारा उनसे समय-समय पर प्रदत्त निर्देशों का अनुसरण करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में उप सचिव सहकारिता मनोज सिन्हा, बैंक के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्रीमती अरुणा दुबे, केके द्विवेदी, संजय मोहन भटनागर, उपायुक्त आर.एस. विश्वकर्मा, कृषि मंथन के प्रधान संपादक सुनील कुमार त्रिपाठी, सहायक महाप्रबंधक के.टी. सज्जन, अवर सचिव सहकारिता रम्मू मिश्रा, बैंक के उप प्रबंधकगण करुण यादव, समीर सक्सेना, आरव्हीएम पिल्लई, अजय देवड़ा के साथ बैंक के शाखा प्रबंधकगण, अधिकारी-कर्मचारी, राज्य सहकारी संघ/ बैंक के लोग उपस्थित हुए। संचालन डॉ. रवि ठक्कर ने किया एवं श्री आर.एस. चंदेल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सौजन्य से
श्री बी.के. तिवारी (शा.प्र. हातोद)
श्री अशोक नागर (पर्य. हातोद)
श्री राजेश चौधरी (शा.प्र. गौतमपुरा)
श्री नरेन्द्र सिंह परमार (पर्य. गौतमपुरा)
श्री कैलाश परिहार (शा.प्र. अटाहेड़ा)
श्री कैलाश चौधरी (पर्य. अटाहेड़ा)
श्री अशोक तंवर (शा.प्र. आगरा)
श्री मनोहर मौर्य (पर्य. आगरा)
श्री कैलाशचंद्र सोनगरा (पर्य. आगरा)

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री बी.एल.मकवाना
(प्र.संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बघाणा, जि.इंदौर
श्री धीरेन्द्र सिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पालिया हैदर, जि.इंदौर
श्री समंदरसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. हातोद, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्रसिंह कनोजिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ी कलमेर, जि.इंदौर
श्री राजेश जाधव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बसान्द्रा, जि.इंदौर
श्री लालचंद सोनगरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कांकरिया बोर्डिया, जि.इंदौर
श्री कृपाराम सिसोदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जलोदिया ज्ञान, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्र सिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बछोड़ा, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाश बैरागी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भीलबड़ौली, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम गौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गिरोता, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्र सिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. छड़ौदा, जि.इंदौर
श्री लाखनसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अत्याणा, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गौतमपुरा, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेढकवास, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कनवासा, जि.इंदौर
श्री कैलाश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. काई, जि.इंदौर
श्री कैलाश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नाव्द्रा, जि.इंदौर
श्री घनश्याम पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अटाहेड़ा, जि.इंदौर
श्री संतोष पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. उजाल्या, जि.इंदौर
श्री घनश्याम पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कराड़िया, जि.इंदौर
श्री प्रदीप नरवलिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सूमठा, जि.इंदौर
श्री राजेश राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. आगरा, जि.इंदौर
श्री खुमानसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नेवरी, जि.इंदौर
श्री कैलाशचंद्र सोनगरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मूरखेड़ा, जि.इंदौर
श्री जगदीश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अटावदा, जि.इंदौर
श्री गोपालसिंह यादव (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

समाज में पंच परमेश्वर की सुदृढ़ अवधारणा रही है

भोपाल। मध्यस्थता से विवादों के निराकरण के लिए मीडिएटर सेंटर की स्थापना में राज्य सरकार हर संभव सहयोग करेगी। विधि एवं गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने निर्माण संस्था द्वारा आयोजित मंथन कान्क्लेव 2022 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि विवादों के निराकरण के लिए प्रदेश में मीडिएटर सेंटर स्थापना का सुझाव महत्वपूर्ण है। न्यायालय के बाहर निराकरण की पहल होना चाहिए। हमारे समाज में पंच परमेश्वर की सुदृढ़ अवधारणा रही है।

कार्यक्रम में स्टेट बैंक की ओर से डीजीएम श्री रविंद्र पाटील, एजीएम श्री नवनीत शर्मा, रीजनल मैनेजर श्री आलोक जैन, नोडल अधिकारी आर.ए.सी.सी. सीहोर श्री विजय सोनी एवं शाखा के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं दुग्ध संघ की ओररहे।

कार्यक्रम के अंत में 71 हितग्राहियों को राशि रुपए 94.00 लाख के वितरण का स्वीकृति पत्र तथा उपहार प्रदान किया गया। दुग्ध संघ की ओर से सुश्री निधि सिंह राजपूत एवं बैंक की ओर से शाखा प्रबंधकधीश श्री एस. सी. शर्मा, निर्माण संस्था के संरक्षक न्यायमूर्ति श्री राजेन्द्र मेनन, मीडिएटर्स इण्डिया के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राम पांछु ने भी संबोधित किया। निर्माण संस्था की अध्यक्ष श्रीमती नीना खरे ने कॉन्क्लेव की रूपरेखा प्रस्तुत की।

श्री पटेल और श्री भदौरिया हरदा में भागवत कथा में हुए शामिल

हरदा। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल और सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया हरदा में श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने व्यास पीठ की पूजा भी की। कमल सांस्कृतिक मंच के संयोजक श्री संदीप पटेल ने बताया कि विख्यात कथा-वाचिका जया किशोरी जी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा की जा रही है। धर्म-प्रेमी जनता द्वारा श्रद्धा भाव से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया जा रहा है।

90 ग्राम पंचायतों में खुलेगी उचित मूल्य दुकानें

इंदौर। मध्यप्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 के प्रावधानों के तहत इंदौर जिले की दुकान विहीन 90 ग्राम पंचायतों में उचित मूल्य दुकानें खोली जायेंगी। दुकानें चलाने हेतु इच्छुक संस्थाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। इच्छुक संस्थाएं 14 जनवरी 2023 तक ऑनलाइन आवेदन दे सकेंगी। दुकान विहीन ग्राम पंचायतों के नामों की सूची खाद्य विभाग की वेबसाइट rationmitra.nic.in पर प्रदर्शित है।

मत्स्य महासंघ को उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को मंत्रालय में जल संसाधन, मत्स्य-विकास और मछुआ कल्याण मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ को केंद्र सरकार से प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार की जानकारी देते हुए पुरस्कार प्रतीक सौंपा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस उपलब्धि पर मंत्री और अध्यक्ष मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ श्री तुलसीराम सिलावट सहित मत्स्य महासंघ, मछुआ सोसाइटी और मछुआरों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। प्रमुख सचिव मत्स्य-पालन श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, महासंघ के प्रबंध संचालक श्री पुरुषोत्तम धीमान, संचालक श्री भारत सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि गत 22 नवंबर को केंद्र शासित प्रदेश दमन में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड हैदराबाद ने एक समारोह में मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ को 5 लाख की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया।

पेसा एक्ट बिचौलियों के शोषण से बचाकर वनोपज का उचित लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मध्यप्रदेश में लघु वनोपजों का संग्रहण एवं विक्रय दूरस्थ अंचलों में रहने वाले ग्रामीणों के लिये आजीविका का एक मुख्य साधन है। प्रदेश में लगभग 15 लाख परिवारों के 37 लाख सदस्य लघु वनोपज संग्रहण कार्य से जुड़े हैं, जिनमें 50 प्रतिशत से अधिक सदस्य जनजातीय वर्ग के हैं। इन लघु वनोपज संग्राहकों को बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए राज्य सरकार ने पेसा एक्ट लागू किया है। संग्रहीत लघु वनोपज का उचित लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में लघु वनोपज का संग्रहण एवं व्यापार अब ग्राम-सभा के माध्यम से किया जायेगा। राज्यपाल लाल परेड मैदान पर अंतर्राष्ट्रीय वन मेले के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि लघु वनोपज संघ द्वारा संचालित गतिविधियों के प्रचार-प्रसार, सुदूर वनांचलों में निवासरत जनजाति की लघु वनोपजों और प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति इत्यादि को पहचान दिलाने और मंच प्रदान करने के उद्देश्य से वन मेले का आयोजन प्रशंसनीय है।

वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि इस वर्ष वन मेले में 2 लाख 50 हज़ार नागरिकों की उपस्थिति रही। लगभग 3 करोड़ रूपए के वनोपज उत्पादों का विक्रय हुआ। मेले में 28 करोड़ मूल्य के एमओयू साइन किये गये, जो विगत वर्ष से दो-गुने हैं। क्रेता-विक्रेता संवाद से बिचौलियों को हटाने का प्रयास किया गया ताकि वनोपज़ संग्राहक सीधे बड़े संस्थानों से जुड़े एवं उन्हें उत्पाद के बेहतर मूल्य प्राप्त हों। मंत्री डॉ. शाह ने आगामी दिवसों में किए जाने वाले कार्यों विशेषकर महुआ से च्यवनप्राश, चाकलेट आदि उत्पाद बनाये जाने की भी जानकारी दी।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि इंदौर में फरवरी-मार्च 2023 में वन मेला लगवाया जायेगा। उन्होंने भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय वन मेले के सूत्रधार सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही.आर. खरे और श्री दवे का विशेष रूप से आभार माना। अपर मुख्य सचिव वन एवं प्रशासक मप्र लघु वनोपज संघ श्री जे.एन. कंसोटिया ने लघु वनोपज संघ द्वारा आगामी दिवसों में किए जाने वाले हितग्राहीमूलक कार्यों की जानकारी दी।

आत्म-निर्भर भारत में किसानों का योगदान महत्वपूर्ण

कमल पटेल

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि आत्म-निर्भर भारत के निर्माण में किसानों का योगदान अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। कृषि मंत्री श्री पटेल भोपाल में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भू-उर्वरता को बनाए रखने के लिए हर खेत मिट्टी परीक्षण एंबुलेंस प्रयोगशाला सेवा शुरू की जा रही है। अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी श्री जे.एन. कंसोटिया, संचालक कृषि श्रीमती प्रीति मैथिल नाईक, एमडी मंडी बोर्ड श्रीमती रश्मि, सीजीएम नाबार्ड श्री एम.डी. मल्होत्रा और कृषि उत्पादक समूह के किसान मौजूद रहे।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत निर्माण के संकल्प को पूरा करने मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा देश कृषि प्रधान देश है। आत्म-निर्भर भारत निर्माण में कृषि और किसानों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी अर्थ-व्यवस्था कृषि आधारित रही है। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए राज्य सरकार निरंतर किसान कल्याणकारी योजनाएँ बना कर संचालित कर रही है। कृषि में रासायनिक खाद के अत्यधिक प्रयोग से खेत की मिट्टी का क्षरण हो रहा है। राज्य सरकार ने मिट्टी क्षरण को रोकने के लिए किसान के खेत की मिट्टी का परीक्षण करने ÷हर खेत मिट्टी परीक्षण एम्बुलेंस प्रयोगशाला सेवा÷ शुरू करने जा रही है। खेत एंबुलेंस में कृषि वैज्ञानिक के साथ कृषि अधिकारियों की टीम रहेगी, जो किसान के खेत में पहुँच कर ऑन स्पॉट यह बताएगी कि खेत की मिट्टी में कितना रासायनिक खाद उपयोग करना है और कितना नहीं करना है।

किसानों को मिल रही सवा 2 लाख करोड़ की सब्सिडी

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वर्ष 2019- 20 में केन्द्र सरकार 71 हजार करोड़ रूपए की सब्सिडी देती थी। अब यह बढ़ कर सवा दो लाख करोड़ रूपए हो गई है। पहले डीएपी की बोरी 19 सौ रूपए में मिलती थी। जिसमें किसान को 700 रूपए की सब्सिडी मिल रही थी। अब डीएपी 3900 रूपए प्रति बोरी है, जिसमें सरकार 2700 रूपए सब्सिडी दे रही है।

डोबी माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से 24 गाँव की 20 हजार एकड़ भूमि होगी सिंचित

सीहोर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में विकास की गति को निरंतर बढ़ाया जा रहा है। किसानों के हित में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिये पानी की व्यवस्था की जा रही है। आज सीहोर जिले के ग्राम डोबी में 106 करोड़ 35 लाख रूपये की लागत वाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का भूमि-पूजन किया गया है। परियोजना को शीघ्र पूरा किया जायेगा। इससे 24 गाँव की 20 हजार एकड़ कृषि भूमि सिंचित होगी। परियोजना से 4 हजार किसान लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज ग्राम डोबी में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उद्वहन सिंचाई परियोजना से ग्रामीणों के खेतों में पानी पहुँचेगा, जिससे किसान को अच्छी फसल के साथ अच्छी आय भी होगी। किसानों के हित में राज्य सरकार अनेक योजनाएँ भी संचालित कर रही हैं। किसानों की उन्नति और विकास के लिये हम संकल्पबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों के खेतों तक पानी पहुँचा कर फसलों की पैदावार बढ़ाने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। इस परियोजना से अंतिम छोर के किसानों के खेतों तक पानी पहुँचेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में देखा जाए तो स्व-सहायता समूहों से जुड़ कर महिलाएँ आत्म-निर्भर बन रही है। इससे समाज में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। आज हमारी बहनें आत्म-निर्भर बन कर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। स्व-सहायता समूह को बैंक लिंकेज की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। मेरी हर बहन की आय 10 हजार रूपए प्रति माह हो, इसके लिए मैं निरंतर प्रयास कर रहा हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनेक योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किये। सांसद श्री रमाकांत भार्गव ने भी संबोधित किया।

ग्रामीण विकास में नवाचार करें सीईओ : श्री भयड़िया

भोपाल। संभागायुक्त श्री मालसिंह भयड़िया ने संभाग भर के नगरीय निकायों और पंचायत निकायों के अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में निर्देश दिए है कि हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ नागरिकों को सुनिश्चित करते हुए विकास और निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करे। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री सुदर्शन सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर ने पहली बैठक नगर परिषद और नगर पालिका अधिकारियों की ली और प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास, शहरी पेयजल सहित स्वच्छता अभियान के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने लक्ष्य अनुसार प्रगति की जानकारी ली और कम प्रगति वाले निकायों के अधिकारियों को सचेत किया कि वे काम में तेजी लाएं और निर्धारित समय अवधि में काम पूरा करें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने राजस्व वसूली कार्य की समीक्षा भी की। उन्होंने अपेक्षाकृत कम राजस्व वसूल करने वाले निकायों को तत्काल अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। संभाग के जिला और जनपद पंचायत के सी ई ओ की बैठक में भी संभागायुक्त श्री भयड़िया ने लगभग 3 घंटे विस्तार से ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में प्रमुख रूप से मनरेगा, प्रधानमंत्री ड्रिप सिंचाई, स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन, अमृत सरोवर और उत्तम धरोहर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।उन्होंने प्रधानमंत्री आवास और आवास प्लस की प्रगति की भी जानकारी ली तथा समय अवधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।उन्होंने मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत लाभान्वित किए जाने के कार्यक्रम की भी अधिकारियों से जानकारी ली। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ को निर्देश दिए गए है कि वे शासन की फ्लैगशिप योजना के अलावा अन्य कार्यक्रमों में नवाचार का कार्यक्रम तैयार कर भेजे,जिससे उन कामों की भी समीक्षा की जा सके। कमिश्नर ने सभी जिलों के अधिकारियों से कहा कि वे जिला पंचायत भोपाल से प्रेरणा लेकर स्वच्छ भारत मिशन में बेहतर काम करें।

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल.मकवाना
(प्र. संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)
श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री राजेन्द्र आचार्य
(प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. खरगोन

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी
(कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आलोक कुमार जैन
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम

स्वच्छता की तरह प्रवासी भारतीय सम्मेलन और इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन में भी इंदौर नंबर वन रहेगा

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस समागम एवं इन्वेस्टर्स समिट को लेकर चल रही तैयारियों की समीक्षा की। केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन भी विशेष रूप से मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथियों को देवतुल्य माना गया है। इसी परम्परा का निर्वहन करते हुए अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया जाये। उनके स्वागत-सत्कार में किसी भी तरह की कमी नहीं रखी जाये। किसी भी अतिथि को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। प्रवासी भारतीय सम्मेलन एवं इन्वेस्टर समिट अविस्मरणीय और यादगार बने। अतिथि ऐसी यादें लेकर जाएँ जो हमेशा उनके दिल और दिमाग में रहे। जिस तरह इंदौर स्वच्छता में नंबर वन है, उसी तरह इस आयोजन में भी इंदौर नंबर वन बने।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री श्री मुरलीधरन ने बैठक के पूर्व आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने आयोजन के लिये की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यहाँ उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। आयोजन निश्चित रूप से सफल होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है कि इस आयोजन में पूरे शहर और समाज की सहभागिता है। राज्य मंत्री श्री मुरलीधरन ने कि आयोजन के दौरान भोजन व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। भोजन की ऐसी माकूल व्यवस्था रहे, जिससे अतिथियों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने बैठक के पूर्व अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल पर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण भी किया।

संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणचारी मिश्र तथा नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिभा पाल ने आयोजन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों, व्यवस्थाओं और की जा रही तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी।

इंदौर जिले के प्रभारी तथा गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, विधायकगण सहित आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारी भी मौजूद थे।

51 चौराहों पर बनेगी रंगोली व आसमान में छोड़ेंगे गुब्बारे

प्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान शहर में उत्सव की तर्ज पर तैयारी की जा रही है। अतिथियों के स्वागत सत्कार के साथ के अलावा निगम द्वारा शहर की साज सज्जा, लाइटिंग कर उत्सवी माहौल तैयार किया जा रहा है। इस आयोजन के दौरान नौ जनवरी को प्रवासी अतिथियों व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मौके पर सुबह नौ बजे शहर के 51 चौराहों पर एक लाख गुब्बारे छोड़े जाएंगे। इसके अलावा चौराहों पर रंगोली का निर्माण किया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा प्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान यातायात प्रबंधन, परिवहन व्यवस्था, सिटी हेरिटेज वाक एवं भ्रमण, जल संबंधित व्यवस्था, शहर में प्रकाश व्यवस्था, पतंग महोत्सव, सफाई व्यवस्था, वालेंटियर्स, एक्सेस कन्टोल एवं पार्किंग प्रबंधन व्यवस्था सहित अन्य कार्यो की निगरानी के लिए महापौर परिषद सदस्यों व पार्षदों की समितियों का गठन किया है।

कृषि मेले में मिलेगी उन्नत तकनीक की जानकारी

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि भोपाल में शुरू हुए तीन दिवसीय कृषि मेले में किसानों को खेती-किसानी की उन्नत तकनीक की जानकारी मिलेगी। कृषि मेले में कृषि, बागवानी, डेयरी एवं खाद्य प्र-संस्करण से संबंधित 150 से ज्यादा स्टॉल लगे हैं। निश्चित ही इसका लाभ किसानों को मिलेगा। पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने भी कृषि मेले में विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने के लिये प्रदेश की शिवराज सरकार कटिबद्ध है। इस प्रकार के मेलों के आयोजन से किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि मेले में केन्द्र और राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से लोगों को अवगत कराया जायेगा। ज्यादा से ज्यादा किसान योजनाओं से लाभान्वित हों, इसके लिये समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। कृषि मंत्री श्री पटेल ने मेले में किसानों को जैविक खाद के पैकेट वितरित किये। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश जैविक खेती में देश में अव्वल है। जैविक उत्पादों के प्रयोग से विभिन्न बीमारियों से बचा जा सकता है। हम मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये भी निरंतर कार्य कर रहे हैं।

कृषि मेले में दो दिवसीय किसान संगोष्ठी भी हुई। इसमें विषय-विशेषज्ञों द्वारा कृषि एवं बागवानी से जुड़ी नवीनतम तकनीकों से किसानों को अवगत कराया गया। किसानों की आय को दोगुना करने में निश्चित ही इसका लाभ मिलेगा।

कृषि मेले में 150 से अधिक स्टॉल लगाये गये। इनमें कृषि संबद्ध कार्यों को आसान बनाने वाले उन्नत उपकरण प्रदर्शित किये गये हैं। मेले में विभिन्न देशी और विदेशी कम्पनियों के यंत्रों को प्रदर्शित करने के साथ ही इनके उपयोग और लाभों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की जा रही है। स्टॉल्स पर ट्रेक्टर, हॉर्वेस्टर, मिल्क मशीन एवं जैविक खेती के उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कृषि मेले में विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने स्टॉल में रखे गये यंत्रों और उत्पादों की जानकारी ली।

सूरज की किरणों से बन रही बिजली, बिल भी आ रहा कम....

इंदौर। सूरज की किरणों से पैनल्स लगाकर बिजली बनाने में मालवा और निमाड़ के लोगों की रूचि में इजाफा देखने को मिल रहा है। इसी वजह से इंदौर रूफ टॉप सोलर नेट मीटर में प्रदेश में नंबर 1 की स्थिति में है। शहर के मध्य क्षेत्र के अलावा सुपर कॉरिडोर, बायपास, रिंग रोड के घर, परिसरों को मिलाकर करीब 4300 स्थानों पर पैनल्स से बिजली तैयार हो रही हैं। इससे बिलों में व्यापक कमी आ रही हैं।

मालवा-निमाड़ में 6725 स्थानों पर ग्रीन एनर्जी

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि पिछले दो माह में नेट मीटर के माध्यम से बिजली तैयार करने वाले परिसरों की संख्या बढ़कर 6725 हो गई है। वर्तमान में उच्च दाब और निम्न दाब दोनों ही श्रेणी के उपभोक्ता इस ओर सतत जुड़ते जा रहे हैं। कंपनी दायरे के इंदौर शहरी क्षेत्र में सबसे ज्यादा 4300 स्थानों पर छत, परिसरों, औद्योगिक इकाइयों के परिसरों में सोलर पैनल्स लगाकर बिजली तैयार की जा रही है। इस बिजली को लाइनों में भेजा जाता है। संबंधित उपभोक्ता को मात्र अंतर राशि का बिल प्रदान किया जाता है। इस तरह कंपनी क्षेत्र में हजारों उपभोक्ताओं की ग्रीन एनर्जी में रूचि बढ़ने से आर्थिक रूप से भी बचत हो रही है। छत, परिसरों का सदुपयोग हो रहा है। श्री तोमर ने बताया कि समय समय पर नए उपभोक्ताओं को सोलर पैनल्स लगाने के लिए सब्सिडी भी शासन की ओर से उपलब्ध कराई जाती है। श्री तोमर ने बताया कि सबसे ज्यादा 4300 उपभोक्ताओं की रूचि इंदौर शहर के आसपास में देखी गई है। इसके बाद उज्जैन जिला 875, रतलाम जिला 280, खरगोन जिला 225, नीमच जिला 175, धार जिला 150, मंदसौर जिला 115, बड़वानी जिला 105, खंडवा जिले में 100 स्थानों पर सूरज की किरणों से बिजली तैयार की जा रही है। सभी स्थानों पर नेट मीटर लगे है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इस तरह की व्यवस्था के लिए कंपनी के कार्यपालन यंत्रियों को प्रकरणों की तत्काल मंजूरी के आदेश है।

सांवेर क्षेत्र को विकास में रखा जाएगा आगे : श्री सिंधिया

इंदौर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इंदौर के सांवेर में 5 करोड़ 50 लाख रूपये लागत से निर्मित सिविल अस्पताल का लोकार्पण किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, आईडीए के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, विधायक और जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि सांवेर को विकास के हर क्षेत्र में आगे रखा जाएगा। आज सांवेर में विकास का नया सूर्योदय हो रहा है। विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए जनता को सभी सुविधाएँ मिलेंगी। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सांवेर को 50 बिस्तरीय अस्पताल के रूप में बड़ी सौगात मिली है। यहाँ इंदौर जैसी सुविधा मिलेंगी। श्री सिलावट ने कहा कि सांवेर के महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई भी शुरू हो गयी है। सांवेर में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। सांवेर में 100 से अधिक सड़कों का उन्नयन और नव-निर्माण हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधार हुआ है। एक हजार से अधिक स्वास्थ्य संस्थाओं का उन्नयन किया गया है। क्षेत्रीय सांसद श्री लालवानी ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के कुशल मार्गदर्शन में देश में हवाई-सुविधाओं का विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया कि आज ही इंदौर हवाई-अड्डे में घूँघट लिये महिलाओं को तीर्थ-यात्रा के लिये जाते देखा। यह एक सुखद बदलाव है।

गेंहू फसल में कीटव्याधी की समस्या के बचाव के लिए दवा का छिड़काव करें

सीहोर। वर्तमान में बदलते मौसम को दृष्गित रखते हुए गेहूं फसल में कीटव्याधी की समस्या देखने को मिल रही है ऐसे में किसानों को कृषि विभाग की सलाह है कि वर्तमान में गेहूं की फसल में जड़ माहू कीटव्याधी की समस्या देखनों को मिल रही है। इसको दृष्टिगत रखते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा ग्रामों का भ्रमण कर गेहूं की फसलों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को गेहूं की फसल में जड़ माहू कीट की समस्या दिखाई दे रही है। कृषि विभाग ने बताया कि कीटव्याधी की समस्या समाने आई है कीटव्याधी से गेहूं की फसल में पीलापन जिसके कारण पत्तियां ऊपर से नीचे की ओर सूखने लगती है एवं पौधा सूख जाता है। अपनी प्रारंभिक अवस्था में यह कीट छोटे-छोटे पेच में दिखाई देता है, जो कुछ ही दिनों में पूरे खेत में फैल जाता है। जड़ माहू कीट हल्के पीले एवं काले रंग का होता है, जिसका जीवन चक्र 7 से 10 दिन का होता है। इस कीट से बचाव के लिए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है किवह अपने खेत की सतत् निगरानी करते रहे एवं कीट की समस्या पाये जाने पर एसिटामाप्रिड 20 प्रतिशत स्क 60 ग्राम प्रति एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत स्र की 50 एमएलमात्रा प्रति एकड़ या थायोमेथाक्सॉम 25 प्रतिशत ङ्क्षत्र की 50 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ के साथ एनपीके 19.19.19 एक किलोग्राम प्रति एकड़ का 150-200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कराएं।

फसलों के ऋणमान निर्धारण के लिए जिला स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर। इंदौर जिले में फसलों के ऋणमान निर्धारण के लिए जिला स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में अपर

फसलवार ऋणमान संशोधन के प्रस्ताव को दिया गया अंतिम रूप

इलैयाराजा टी

कलेक्टर श्री अभय बेड़ेकर सहित समिति के सदस्य श्री कंचन सिंह चौहान, श्री उमानारायण पटेल, श्री देवराज सिंह परिहार, श्री गोपाल सिंह चौधरी, श्री हुकूमसिंह सांखला, उपायुक्त सहकारिता श्री मदन गजभिए, उप संचालक कृषि श्री एस.एस. राजपूत, लीड बैंक मैनेजर श्री सुनील ढाका सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में अगले वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए फसलवार ऋणमाण निर्धारण पर चर्चा की गयी। चर्चा के पश्चात सोयाबीन, गेंहू, ज्वार, मक्का, चना, प्याज, आलू, लहसून सहित अन्य फसलों के ऋणमान संशोधन के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने समिति सदस्यों की अनुशंसा पर फसल ऋणमान को व्यवहारिक बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि उक्त फसल ऋणमान के आधार पर किसानों को रबी और खरीफ में ऋण सहकारी बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | सुश्री उषा ठाकुर (प्रभारी मंत्री)

नूतन वर्ष पर समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री राजेश पाटीदार (भारसाधक अधिकारी)
श्री हरेसिंह सोलंकी (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति मूंदी, जि.खंडवा

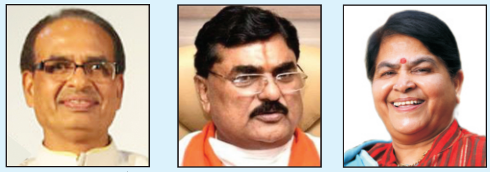

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | सुश्री उषा ठाकुर (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को नूतन वर्ष पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री दिलीप कुमार (भारसाधक अधिकारी)
श्री भगवानसिंह परिहार (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति हरसूद, जि.खंडवा

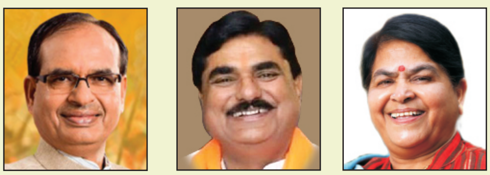

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | सुश्री उषा ठाकुर (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को नूतन वर्ष पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री डी.सी. कुमार सानू (भारसाधक अधिकारी)
श्री किशोरसिंह माहेश्वरी (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति पंधाना, जि.खंडवा

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री प्रेमसिंह पटेल (प्रभारी मंत्री)

नूतन वर्ष पर समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री दीपक चौहान (भारसाधक अधिकारी)
श्री जयराम वानखेड़े (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बुरहानपुर, जि.बुरहानपुर

श्री विवेक पोरवाल सहकारिता सचिव बन श्री आलोक सिंह को अतिरिक्त प्रभार

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने 5 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिये हैं। सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव श्री के.सी. गुप्ता को उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। विभाग के अपर मुख्य सचिव शैलेन्द्र सिंह 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सहकारिता विभाग में विवेक कुमार पोरवाल को सचिव बनाया गया है। सहकारिता आयुक्त श्री संजय गुप्ता को शासन में अपर सचिव पद पर पदस्थ किया गया है। उनके स्थान पर राज्य सहकारी विपणन संघ के प्रबंध संचालक श्री आलोक कुमार सिंह को आयुक्त सह पंजीयक सहकारी संस्थाएँ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे श्री रघुराज एमआर को मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी जबलपुर का प्रबंध संचालक और पदेन सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग बनाया गया है।

विवेक कुमार पोरवाल

महिला दुग्ध उत्पादक कम्पनी ने 'मुक्ता' ब्रांड घी लांच किया

भोपाल। बुंदेलखण्ड की 18 हजार 500 से अधिक महिला डेयरी किसान अपनी मुक्ता महिला दुग्ध उत्पादक कम्पनी के प्रोडक्ट 'मुक्ता' ब्रॉण्ड घी को विधिवत रूप से लांच किया। मध्यप्रदेश राज्य आजीविका मिशन के सीईओ श्री एल.एम. बेलवाल, मुक्ता कम्पनी की अध्यक्ष श्रीमती रजनी रजक और डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रदेश में 4 लाख 12 हजार स्व-सहायता समूह गठित हैं, जिनसे 46 लाख ग्रामीण महिलाओं को जोड़ कर उनका आजीविका संवर्धन किया जा रहा है। प्रदेश में 88 किसान उत्पादक कम्पनियाँ भी बनाई गई हैं, जिनके एक लाख 79 हजार सदस्य प्रमुख रूप से कृषि आधारित गतिविधियाँ कर रहे हैं। इन कम्पनियों का वर्ष 2022-23 में नवम्बर माह तक टर्न ओवर 529 करोड़ रूपये हो चुका है। गत वर्ष अकेली मुक्ता महिला दुग्ध उत्पादक कम्पनी ने 65 करोड़ रूपये से अधिक का कारोबार किया, जिसमें 85 प्रतिशत बिक्री से आय का भुगतान सदस्यों को दूध के रूप में किया गया। मुक्ता कम्पनी ने इण्डिया डेयरी अवार्ड-2021 में डेयरी एक्सटेंशन पुरस्कार प्राप्त किया।

कृषक पाठशाला का आयोजन कर नरवाई प्रबंध योजना के बारे में जानकारी दें

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि ब्लाक स्तर पर कृषक पाठशाला का आयोजन कर किसानों को मुख्यमंत्री नरवाई प्रबंध योजना के बारे में जानकारी दे। फरवरी माह में प्रस्तावित जी-20 में विभिन्न देशो के प्रतिनिधियों के भ्रमण हेतु इंदौर से मांडव तक सड़क की स्थिति, स्वच्छता, अनावश्यक होडिंग, बैनर, स्ट्रीट लाईट का अवलोकन कर सुधार के लिए प्राक्कलन दे। उन्होंने कहा कि धार एवं मांड़व में पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउस में अतिथियों के ठहरने के लिए सभी व्यवस्था करें। बैठक में एडीएम श्रृंगार श्रीवास्तव सहित जिला अधिकारी तथा समस्त एसडीएम वर्चुअली जुड़े थे।

राजगढ़ जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया

राजगढ़। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री हरीष मालवीय द्वारा दी गई जानकारी अनुसार शासन द्वारा जिले में मांग अनुसार यूरिया की सतत् पूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि रबी वर्ष 2022-23 में कृषकों की मांग अनुसार पूर्ति किये जाने हेतु यूरिया उर्वरक 65000 में.टन मांग के विरूद्ध 53705 में.टन भण्डारण जो कि मांग का 83 प्रतिशत यूरिया प्राप्त होकर वितरण 46297 में.टन प्राथमिक कृषि सहकारी समिति, विपणन समिति, विपणन संघ के डबल लॉक केन्द्र एवं पंजीकृत निजी उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से किया गया है एवं 7405 में.टन स्टॉक शेष है। उन्होंने किसान भाईयों से अपील की है कि शासन द्वारा लगातार यूरिया की आपूर्ति की जा रही है। यूरिया की जिले में कोई कमी नहीं है। किसान भाई बिलकुल भी सशंकित नहीं हो पर्याप्त मात्रा में यूरिया प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना का लाभ लें

भोपाल। राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना में पशुधन विकास के माध्यम से पशुधन पालकों और किसानों विशेष रूप से छोटे पशुपालकों के पोषण और जीवन स्तर में सुधार करने के उददेश्य से पशुधन क्षेत्र के विकास के लिए राष्ट्रीय पशुधन योजना बनाई गई है। राष्ट्रीय पशुधन योजना में व्यापक रूप से पशुधन उत्पादन और मात्रात्मक और गुणात्मक सुधार सुनिश्चित करना है। साथ ही सभी हितधारकों की क्षमता निर्माण को कवर करना है। योजना में पशुपालकों का समग्र सामाजिक, आर्थिक उत्थान करना नियत है।

आम जनता से जुड़ी योजनाओं की बारीकी से निगरानी करें

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने कहा है कि संभाग के सभी कलेक्टर्स आम जनता से जुड़ी योजनाओं की स्वयं बारीकी से निगरानी रखें और उनका लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें। संभागायुक्त की अध्यक्षता में आज कमिश्नर कार्यालय में कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस सम्पन्न हुई। इंदौर संभाग के विभिन्न जिला कलेक्टरों की इस बैठक में उन्होंने विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर इंदौर डॉ. इलैयाराजा टी, कलेक्टर बड़वानी श्री शिवराज सिंह वर्मा, कलेक्टर खरगौन श्री कुमार पुरषोत्तम, कलेक्टर बुरहानपुर श्रीमती भव्या मित्तल, कलेक्टर खंडवा श्री अनूप कुमार सिंह, कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्र, कलेक्टर आलीराजपुर श्री राघवेंद्र सिंह और कलेक्टर झाबुआ श्रीमती रजनी सिंह सहित अपर आयुक्त सुश्री तन्वी हुड्डा, संयुक्त आयुक्त डॉ. रजनीश श्रीवास्तव एवं संभाग के सभी ज़िलों के सीईओ जिला पंचायत उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने इंदौर में हो रहे प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने वाले अतिथियों के धार, खंडवा, बुरहानपुर, खरगौन इत्यादि ज़िलों में जाने पर वहाँ की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने ओंकारेश्वर के सड़क मार्ग को भी शीघ्रता के साथ दुरुस्त करने के निर्देश राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को दिये। संभागायुक्त डॉ. शर्मा ने कहा कि मांडू और महेश्वर में स्थानीय गाइड को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाए। बैठक में संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने कोरोना के संबंध में की जा रही तैयारियों, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। साथ ही उन्होंने अनुसूचित जनजाति के छात्रावासों, शिक्षण संस्थाओं के भवनों के संधारण के लिए दिए गए आवंटन के खर्चे की भी समीक्षा की।

मंदसौर बैंक के सीईओ श्री यादव को स्थानांतरण पर विदाई

मंदसौर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. मंदसौर के सीईओ श्री पी.एन. यादव का स्थानांतरण जिला बैंक सीहोर में हो गया है। मंदसौर एंव नीमच जिले के बैंक एंव संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कर्मचारीयों द्वारा बिदाई समारोह का आयोजन बैंक प्रधान कार्यालय मंदसौर में किया गया। इस अवसर पर बैंक कर्मचारियों द्वारा श्री पी.एन. यादव को आत्मिकता से बिदाई दी गई। कार्यक्रम में बैंक एंव संस्था कर्मचारी परिवार द्वारा श्री यादव का पुष्प माला, शॉल, श्रीफल से सम्मानित कर प्रतीक चिन्ह भेंट किये गये।

प्रभारी उपायुक्त सहकारिता श्री राजेन्द्र सिंह कनेष ने श्री यादव के साथ किये गये कार्यों की स्मृति को साझा करते हुए उनके सरल हृदय एंव हसमुख व्यक्तित्व तथा लंबे सेवा कार्यानुभव के संबंध में अपने उद्बोधन में व्यक्त किया।

कार्यक्रम को श्री कैलाष चन्द्र पुरोहित बैंक कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष, श्री रामप्रसाद नागदा, श्री गोपाल सोपरा, श्री अजय काठेड़, श्री आर.सी. जैन, श्री एस.के. श्रीवास्तव, श्री लोकेन्द्र जैन, श्री चर्तुभुज परिहार एंव श्री नन्दकिषोर धाकड़ सहकारी संस्था कर्मचारी युनियन अध्यक्ष, श्री श्याम बागोरा, श्री अनिल पालीवाल, श्री रवीन्द्र पांडे, लेखा श्री माहोर, श्री गोपाल प्रसाद शर्मा, आदि ने संबोधित कर श्री पी.एन. यादव मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा बैंक में पदस्थी के दौरान जिले में सहकारिता के माध्यम से किये गये उत्कृष्ट एंव कर्मचारी हितेषी, सहयोगात्मक कार्यो की प्रषंसा की गई। श्री पुरूषोत्तम तिवारी सेवानिवृत बैंक कर्मचारी द्वारा बिदाई गीत प्रस्तुत किया गया। श्री पी.एन. यादव भावुक होकर कर्मचारियों द्वारा दिये गये सम्मान एंव अपनापन के लिये आभार व्यक्त करते हुए कोरोना काल में भी बैंक कर्मचारीयों द्वारा साहस, दृढ़निष्चय एंव कठोर परिश्रम से सफलतापूर्वक किये गये उपार्जन एंव अन्य बैंकिंग कार्यो की सराहना की।

इस अवसर पर उप संचालक कृषि श्री बड़ोनिया, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री जांगड़े, जिला विपणन अधिकारी श्री यशवर्धन सिंह, विपणन सहकारी संस्था मर्यादित पिपलिया मंडी के अध्यक्ष श्री शरद जैन, श्री संजय रत्नावत आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। साथ ही श्री राधेश्याम गंगवाल, श्री सत्यनारायण शर्मा, मनोहर लाल सोनी, श्री पुरुषोत्तम तिवारी आदि सेवानिवृत बैंक अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री मुकेश पालीवाल ने किया और सुनील कच्छारा ने आभार माना।

आचार्य वैदिक को भारत कीर्तिमान अवार्ड

इंदौर। माँ भुवनेश्वरी ज्योतिष कर्मकांड शोध संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में मध्यप्रदेश ज्योतिष एवम् विद्वद् परिषद के प्रदेशाध्यक्ष आचार्य पंडित रामचंद्र शर्मा वैदिक को उनकी सुदीर्घ ज्योतिषीय सेवाओं हेतु भारत कीर्तिमान अलंकरण से गोरखपुर के राज्यसभा सदस्य श्रीजय प्रकाश जी निशात, अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री शुभेन शरमन, दतिया के राजा राहुल देव सिंह, लाल किताब के सुप्रसिद्ध विद्वान जी. डी.वशिष्ठ, संतोष भार्गव एवं देशभर से पधारे ज्योतिर मनीषियों की उपस्तिथि में शाल, श्रीफल, स्वर्ण पदक एवम् कीर्तिमान सेवा पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। आचार्य शर्मा ने अपने सम्मान के प्रति उत्तर में इसे ज्योतिषीय सेवाओं का सम्मान बताया। आचार्य शर्मा ने पंचांगों की मत भिन्नता पर अपने वक्तव्य में इसे हल करने हेतु देश के शंकराचार्य एवं धर्माचार्यों को एक जाजम पर बैठ कर हल करने का आग्रह किया।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन 16 तक

विदिशा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान, उपार्जन का कार्य 16 जनवरी 2023 तक किया जाना है। अतः किसानों भाईयों को सूचित गया है कि अपनी उपज को निर्धारित उपार्जन केन्द्रों पर तुलवाने हेतु स्लॉट बुकिंग उपार्जन समाप्ति 16 जनवरी 2023 से 10 दिवस पूर्व तक कराएं। जिससे कि उपार्जन अवधि तक अपनी उपज तुलवाये जाने में किसी भु प्रकार की कोई समस्या का सामना न करना पड़े। किसानों को अपनी उपज की तुलाई हेतु उपार्जन अवधि समाप्त होने के 10 दिवस पूर्व 06 जनवरी 2023 तक अपने निकटतम उपार्जन केन्द्र पर बुक कराएं। अधिक जानकारी हेतु मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ कार्यालय विदिशा एवं अपने निकटतम उपार्जन केन्द्र से संपर्क कर सकते हैं।

बांसी में बही धर्म की गंगा

ललितपुर। बांसी में निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागरजी महाराज के ससंघ सान्निध्य में चल रहे श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव में ज्ञान कल्याणक महोत्सव पर संबोधित करते हुए मुनिश्री सुधासागरजी ने कहा कि गुरु पद पराधीन होता है। साधु को अरिहंत बनना है भगवान नहीं। प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. प्रदीप भैया सुयश ने बताया कि जब मुनिराज आदिसागरजी ने मुनि दीक्षा के 6 माह बाद आहार ग्रहण किया उस समय श्रावक मुनिराज की आहार विधि भी नहीं जानते थे। 6 माह पश्चात हस्तिनापुर के राजा श्रेयांस को सपना आया और पूर्व जन्म के जाति स्मरण से उन्हें आहार विधि का ज्ञान हुआ। इस मौके पर श्रावकों ने भक्ति पूर्वक आहार दान देकर पुण्यार्जन प्राप्त किया।

सुदाना पशु आहार के लिए 20 गौशालाओं को अनुदान राशि वितरित की गई

भोपाल। उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, भोपाल द्वारा सुदाना पशु आहार के लिए अनुदान राशि हस्तांतरित कर दी गई है। डॉ. रामटेके ने बताया कि जिले की संबंधित 20 गौशालाओं को पशु आहार सुदाना वितरण राशि 7 लाख 62 हजार 900 रूपए हस्तांतरित की गई है।

डॉ. रामटेके ने बताया कि जिले के अंतर्गत संबंधित 20 गौशालाओं को जिनमें सुदाना पशु आहार प्रदाय किया गया है उनमें जीवदया गोरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन केन्द्र छोला रोड़ भोपाल, श्रीकृष्ण गोपाल गोरक्षण एवं संवर्धन समिति श्री खेड़ापति हनुमान, अशोक उदासी गौशाला बरखेड़ी, श्री कृष्ण गौशाला केन्द्रीय जेल रोड, श्री रामानंद गौशाला गुफा मंदिर, संत श्री आशाराम बापू गौशाला गांधी नगर, श्री माँ आनंदमयी आश्रम गोशाला बैरागढ़, कामधेनू गौशाला शारदा विहार, नंदिनी गौशाला समिति शारदा विहार परिसर, कल्यणिका गौशाला बरखेड़ी खुर्द, दाण्डी गौसेवा सदन कलखेड़ा नीलबढ़, माँ गायत्री गौशाला गायत्री शक्तिपीठ, श्री महामत्युमंजय गौशाला मुगालिया सहित अन्य को सुदाना पशु आहार की राशि प्रदाय की गई।

किसान पहले साहूकार के घर जाते थे, अब बैंक जाते हैं

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के किसान खेती की जमीन खरीद रहे हैं, खेती-किसानी में निवेश कर रहे हैं और अपने बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं। पहले किसान साहूकार के घर जाते थे, अब बैंक में उनका पैसा जमा रहता है। किसानों को योजनाओं के माध्यम से दिया जा रहा पैसा बैंकिंग सिस्टम में आ रहा है, इससे विकास तेज होगा, ये किसानों की समृद्धि लाने का बड़ा परिवर्तन है। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज भेंट-मुलाकात में बेमेतरा जिले की नवागढ़ विधानसभा के ग्राम-दाढ़ी में आम जनता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से छत्तीसगढ़ के किसानों की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है, हमारा प्रदेश धान का कटोरा है, फिर भी कुछ समय पहले तक हमारे प्रदेश में यह स्थिति थी कि लोगों को खेती छोड़नी पड़ रही थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। छत्तीसगढ़ के किसान खुशहाल हैं। खेती में निवेश कर रहे हैं। बाइक ले रहे हैं। ये खुशहाली का सिलसिला जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नवागढ़ विधानसभा के दाढ़ी गांव में आया हूँ। यहां आने का उद्देश्य यह देखना है कि हमारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर लोगों को किस प्रकार से मिल पा रहा है। मंत्रालय के अधिकारी और विधानसभा के सदस्य भी साथ हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनता से संवाद करना है। और इस तरह से प्रदेश को निरंतर विकास के रास्ते में ले जाना है। क्षेत्रीय किसानों ने मुख्यमंत्री को अपने-अपने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी भी दी।

छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों के हित में ऋण माफ किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड की खड़गवां कला आदर्श गौठान में छत्तीसगढ़ गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिनिधियों, अधिकारियों, ग्रामीणजनों ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ गौरव दिवस में वर्चुअली शामिल हुए और उनका संदेश सुना।

कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने पिछले 4 सालों में सरकार की उपलब्धि एवं अन्य सफलताओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में ऋण माफी किया है। किसान खुश है, सरकार 2500 क्विंटल में धान खरीद रही है एवं धान विक्रय पर 48 घंटे में किसानों के खाते में पैसा ट्रांसफर हो रहा है। आदर्श गौठान खड़गवां कला से महिला स्व सहायता समूह द्वारा सब्जियां एवं खाद से लाखों की आमदनी हो रही है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत किसानों को धान के बदले अन्य फसल पर 10 हजार रुपए प्रति एकड़ दिया जा रहा है। कोदो, कुटकी को समर्थन मूल्य में खरीदा जा रहा है। लघु वनोपज की खरीदी की जा रही है कोरोना काल में भी राज्य सरकार ने लघु वनोपज के उत्पादों को खरीदा। स्थानीय ग्रामीण जनों के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले इसके लिए राज्य सरकार द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूल संचालित किया जा रहा है। उन्होंने स्कूली बच्चों को अच्छे से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने बताया कि गौठान में वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार किया जा रहा है। इसके साथ विभिन्न गतिविधियां संचालित हो रही है और जिससे लाखों की आमदनी हो रही है। गौठान से उत्पादित सब्जियां स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में मध्यान्ह भोजन के लिए भेजी जाती है। मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम एवं उपस्थित प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुधन विभाग एवं बिहान की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन। कार्यक्रम में मंत्री डॉ. टेकाम ने मत्स्य पालन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग के हितग्राहियों को मछली जाल, आइस बॉक्स, पौधा एवं निःशुल्क मसूर दाल का वितरण किया।

कार्यक्रम में सरगुजा कमिश्नर डॉ. संजय कुमार अलंग, कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा, एसपी श्री रामकृष्ण साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शक्कर कारखाना अध्यक्ष श्री विद्यासागर सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मंजू मिंज, सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

काम में मन नहीं लगेगा। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। पेक्षाकृत कार्यों में विलंब से तनाव रहेगा।

वृषभ

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मेहनत का फल मिलेगा।

मिथुन

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय भविष्य में लाभ देगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। प्रसन्नता रहेगी। फालतू खर्च होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर शांति रहेगी।

कर्क

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। बेरोजगारी दूर होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कोई बड़ी समस्या का हल मिल सकता है। समय पर काम पूर्ण होने से प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से हानि होगी। समय पर कार्य न होने से तनाव रहेगा। दूसरे आप से अधिक अपेक्षा करेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। आय बनी रहेगी। विवाद से बचें।

कन्या

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा से लाभ होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों पर अधिक व्यय होगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

तुला

योजना फलीभूत होगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यसिद्धि होगी। नए अनुबंध होने से प्रसन्नता रहेगी। पूंजी की व्यवस्था होने से कार्य में गति आएगी। भाइयों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक

तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्य की अधिकता रह सकती है। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट के कार्य सोच-समझकर करें।

धनु

किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। आवश्यक वस्तु समय पर न मिलने से तनाव रहेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं। समय पर ठीक निर्णय ले पाएंगे। धैर्य रखें। समय सुधरेगा। आय बनी रहेगी।

मकर

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। मन की चंचलता बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय प्रसन्नतादायक व्यतीत होगा। विवाद से क्लेश हो सकता है। जोखिम न उठाएं।

कुम्भ

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय हो सकता है। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि संभव है। चोट व रोग से बचें। प्रसन्नता बनी रहेगी। भाग्य की अनुकूलता का लाभ लें। प्रमाद न करें।

मीन

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पठन-पाठन व लेखन में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि के प्रयोग से बड़ी समस्या का हल कर पाएंगे। स्वास्थ्य को अनदेखा न करें।

बॉलीवुड

2023 के लिए बॉलीवुड तैयार

स्टार किड्स की बॉलीवुड में एंट्री

बॉलीवुड में साल 2023 के लिए पूरी तरह से तैयार है। साल 2023 में कई स्टार किड्स इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं। बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही इन स्टार किड्स की लाखों में फैन फॉलोइंग है। शाहरुख खान की बेटी से लेकर अमिताभ बच्चन के नाती तक, ये सेलेब्स किड्स नए साल में हिंदी सिनेमा का हिस्सा बनने जा रहे हैं। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग, डायरेक्टिंग और राइटिंग के दम पर कौन स्टार किड्स कमाल दिखा पाता है।

सुहाना खान

शाहरुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान, जोया अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म द आर्चीज से अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह सुहाना खान की पहली फिल्म होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी।

खुशी कपूर

बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर नए साल में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। खुशी कपूर भी जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज में दिखाई देंगी।

शनाया कपूर

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर करण जौहर की फिल्म बेधड़क से फिल्मी डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वे बतौर लीड एक्ट्रेस दिखाई देने वाली हैं। इससे पहले वे अपनी कजिन बहन जाह्नवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेना में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुकी हैं।

इब्राहिम अली खान

सैफ अली और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान को करण जौहर जल्द ही लॉन्च करने जा रहे हैं। करण जौहर की फिल्म का नाम अभी तक अनाउंस नहीं किया गया है, लेकिन खबरें हैं कि इब्राहिम ऑनस्क्रीन धमाल मचाते दिखाई देंगे।

अगस्त्य नंदा

अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन और निखिल नंदा के बेटे अगस्त्य नंदा भी जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। साथ ही अगस्त्य को हाली ही में अनाउंस हुई श्रीराम राघवन की अनटाइटल्ड फिल्म में फौजी का किरदार निभाते भी देखा जा सकेगा।

नूतन वर्ष पर
समस्त नागरिकों का
हार्दिक अभिनंदन
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्रीमती वर्षा श्रीवास
(सहायक आयुक्त)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री आशीष सिंह
(कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. उज्जैन

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री गौतम सिंह
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री बी.एल.मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्रसिंह कनेश
(सहायक आयुक्त एवं बैंक प्रभारी)

श्री संजय जैन
(शा.प्र. शामगढ़)

श्री कन्हैयालाल चढार
(शा.प्र.गरोठ)

श्री करणसिंह रावत (पर्य. शामगढ़)
श्री देवीसिंह यादव (पर्य. गरोठ)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. शामगढ़, जि.मंदसौर श्री करणसिंह रावत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मेलखेड़ा, जि.मंदसौर श्री विक्रमसिंह राठौर (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चिकन्या, जि.मंदसौर श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. टकरवाद, जि.मंदसौर श्री नागूसिंह मीणा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भगुनिया, जि.मंदसौर श्री रामसुख रत्नावत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ब.इश्त, जि.मंदसौर श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चंदवासा, जि.मंदसौर श्री दिलीप कुमार काला (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. खजुरीपंथ, जि.मंदसौर श्री करणसिंह रावत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ब.गंगासा, जि.मंदसौर श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बरखेड़ा नायक, जि.मंदसौर श्री रामसुख रत्नावत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गरोठ, जि.मंदसौर श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. दे. बुजुर्ग, जि.मंदसौर श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. असावती, जि.मंदसौर श्री जगदीश भास्कर (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. दसोरिया, जि.मंदसौर श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. लसुड़िया, जि.मंदसौर श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. हतुनिया, जि.मंदसौर श्री जितेन्द्रसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बोलिया, जि.मंदसौर श्री बृजेश कुमार मिश्रा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ढा.मोहन, जि.मंदसौर श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भटूनी, जि.मंदसौर श्री मनोज शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. विशन्या, जि.मंदसौर श्री दूलेसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गुरा नर, जि.मंदसौर श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. खाईखेड़ा, जि.मंदसौर श्री महेन्द्र कुमार शर्मा (प्रबंधक)	**समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से**	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ब.अमरा, जि.मंदसौर श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, ए-11, विस्तारा, मायाखेड़ी बायपास, इंदौर द्वारा मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17